सत्यमेव जयते

आज़ादी का
अमृत महोत्सव

संवाद-पत्र
NEWSLETTER

Vol.19, No.1-2, Jannuary-June 2022

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

Indian Council of Historical Research, New Delhi

संपादक गण

डॉ. राजेश कुमार
निदेशक
(शोध-पत्रिका,
प्रकाशन एवं पुस्तकालय)

डॉ. ओम जी उपाध्याय
निदेशक
(शोध एवं प्रशासन)

डॉ. सौरभ कुमार मिश्र
उप-निदेशक
(शोध-पत्रिका)

डॉ. नौशाद अली
उप-निदेशक
(प्रकाशन)

संग्रह एवं संपादन
डॉ. ज्योति शुक्ला एवं श्री गौरव कुमार

5

7

विषय-सूची

अध्यक्ष की कलम से	03
स्वर्ण जयंती/स्थापना दिवस कार्यक्रम	05
आज़ादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ	10
प्रकाशन	10
सतीश चन्द्र मित्तल पुस्तकालय-सह-प्रलेखन केन्द्र	14
शोध अनुदान परियोजनाएँ	14
अन्य गतिविधियाँ	28
क्षेत्रीय केन्द्र	30

29

9

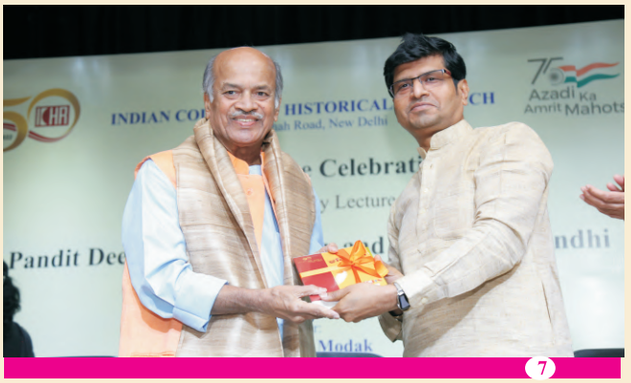

प्रकाशक
सदस्य सचिव, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, 35, फिरोज़शाह रोड, नई दिल्ली-110001, फोन: 011-23387877, 011-23386033;
फैक्स: 011-23387829, 011-23383421, ईमेल: ms@ichr.ac.in, वेबसाईट: www.ichr.ac.in
प्रारूप सज्जा एवं टंकण : राजू वर्मा (हिन्दी टंकक, भा.इ.अ.प.), मुद्रक: सीमा प्रिंटर्स, बवाना (8700316451)

Chairman's Column

I joined the Indian Council of Historical Research (ICHR) as Chairman of the Council on 11th January, 2022. It was a happy coincidence that the ICHR was in its fiftieth year and the staff were busy planning for the forthcoming Golden Jubilee Foundation Day (March 27, 2022). The nation was also in the midst of commemorating 75 years of independence from colonial rule – the Azadi Ka Amrit Mahotsav.

In my very first meeting with the senior staff of the ICHR it was decided that the historic milestone should be celebrated in a befitting manner. The idea of the ICHR's now widely acclaimed exhibition 'Freedom Struggle: 200 Years', actually took form in this meeting. As we deliberated on the theme/themes of special lectures to mark the Golden Jubilee, it was also decided to mark the occasion with lectures on the 'Indian Knowledge System'. We were fortunate in that some of the finest scholars from the field were able to contribute to the proceedings. A special lecture dedicated to 'Temple Architecture' was also organized.

Shri M. Venkaiah Naidu, the Hon'ble Vice-President of India was kind enough to inaugurate the exhibition on the Freedom Movement and also to deliver an address to mark the ICHR'S Golden Jubilee.

Shri Dharmendra Pradhan, the Hon'ble Union Education Minister very graciously joined the Hon'ble Vice-President in inaugurating the exhibition and addressing the occasion.

I must make a special mention of the fact that the Golden Jubilee programme was not only well attended but also saw the presence of several senior scholars, many council members and most importantly of former staff of the ICHR, some of who had superannuated decades earlier.

A note must also be made of the acclaim received for the Freedom Movement exhibition. On the advice of Shri Dharmendra Pradhan ji, our Hon'ble Minister of Education, the exhibition was displayed at the Parliament House Library, New Delhi. It was inaugurated here by Shri Om Birla, the Hon'ble Speaker, Lok Sabha.

Thereafter, the exhibition was displayed at the Rashtrapati Bhawan Museum, New Delhi.

In general the period of January to June, 2022, that is covered by this newsletter has been for the ICHR a very busy and fruitful one. In addition to events organized to mark the Golden Jubilee, this newsletter also draws attention to several other activities that the ICHR conducts in a regular and routine manner. To someone not conversant with such work of the ICHR it may all appear routine and mundane, not requiring any specific reference. The fact is that much of this work involves hard work and dedication. The staff have done exceedingly well in ensuring the smooth completion of these tasks.

It was sometimes in May (2022), that we also committed ourselves to two new projects at the ICHR. The first an exhibition dedicated to the Partition of India and the second an illustrated monograph to mark the 150 Birth Anniversary of the sage, philosopher and freedom fighter Sri Aurobindo. Infact the project on Sri Aurobindo was first raised and discussed by Shri Dharmendra Pradhan, the Hon'ble Union Education Minister.

The period also saw Prof. K. Ratnam complete

his three year term as Member Secretary on 28 May, 2022. He completed his term with grace and humility. He was given a warm farewell by all staff of the ICHR. I also had the privilege to speak on the occasion. Dr. Omjee Upadhya, Director, ICHR looked after the office of the Member Secretary following demittance of office by Prof. K. Ratnam, till the time that Prof. Umesh Ashok Kadam joined as the Member Secretary.

I must put on record my earnest thanks to all the staff of the ICHR for their hard work and dedication and wish them their families all the best and many-many years of good health and happiness.

Having been a Member of the Council prior to joining as Chairman of the Council, I have had the opportunity to interact with Council Members and other historians from across the country. I have benefitted greatly from the advice and guidance of members of the ICHR. As Chairman of the Council, I have also had the opportunity to make new friends and acquaintances. Many of them have helped me negotiate the complexities that at best understatedly define the working of the ICHR. I would like to earnestly acknowledge the support and thank such colleagues and friends.

–Raghuvendra Tanwar

स्थापना दिवस कार्यक्रम (28 मार्च 2022) में भा.इ.अ.प. द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का विमोचन करते हुए माननीय उपराष्ट्रपति, श्री एम. वैंकेया नायडु, माननीय केन्द्रीय शिक्षा मंत्री, श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी, परिषद् के पूर्व व वर्तमान अध्यक्ष श्री अरविन्द पी. जामखेडकर एवं प्रो रघुवेन्द्र तंवर, सदस्य सचिव प्रो. कुमार रतनम्, निदेशक (शो. एवं प्र.) डॉ. ओम जी उपाध्याय एवं उपनिदेशक (जर्नल) डॉ. सौरभ कुमार मिश्र

परिषद् का 50वाँ स्थापना दिवस समारोह एवं चित्र प्रदर्शनी

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर परिषद् द्वारा 27-28 मार्च 2021 को डॉ. अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र, (DAIC) जनपथ, नई दिल्ली में स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में एक चित्र प्रदर्शनी के साथ-साथ कई अकादमिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न विधाओं के जानकार विद्वत् जनों ने भिन्न-भिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। भारत का स्वतंत्रता संग्राम (1857-1947) पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम. वैंकेया नायडु एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी द्वारा किया गया। इस मौके पर परिषद् के अध्यक्ष प्रो. रघुवेन्द्र तंवर, पूर्व अध्यक्ष प्रो. अरविन्द पी. जामखेडकर, सदस्य सचिव प्रो. कुमार रतनम्, निदेशक (जे.पी.एल.) डॉ. राजेश कुमार आदि के साथ-साथ परिषद् के मुख्यालय के साथ-साथ परिषद् के तीनों क्षेत्रीय केन्द्रों के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी गण भी मौजूद रहे।

इस प्रदर्शनी में स्वतंत्रता संग्राम के 1857 से 1947 के वक्त हुई तमाम घटनाओं, संघर्ष व आंदोलनों के साथ शहीद बलिदानियों से संबंधित 43 पैनलो को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी के बारे में उपराष्ट्रपति जी ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि 'इतिहासकारों को सच्चाई के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए और तथ्य-आधारित शोध के माध्यम से भारतीय इतिहास का पुर्नमूल्यांकन होना चाहिए।' यह प्रदर्शनी भावपूर्ण तथा तथ्यों पर आधारित है। इसकी गूंज देश के कोने-कोने तक जानी चाहिए। इन गाथाओं को देश के युवाओं के बीच ले जाना चाहिए।

इस मौके पर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री जी ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि हमें भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् पर गर्व है कि जिसने पिछले 50 वर्षों में इतिहास को लिखने, संजोने तथा नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्त्वपूर्ण कार्य किया है। परिषद् से मेरा आग्रह है कि अपने प्लेटफार्म को मजबूत करते हुए भूले-बिसरे क्रांतिकारियों को सबके सामने लाने का कार्य करें तथा इनकी गाथाओं को पुर्नस्थापित करें। साथ ही उन्होंने कहा कि परिषद् को 500 ईसा पूर्व से लेकर अब तक ढाई हजार साल के इतिहास को आधुनिक तरीके से नई पीढ़ी तक लाने का प्रयास करना चाहिए।

अतिथियों का स्वागत परिषद् के अध्यक्ष प्रो. रघुवेन्द्र तंवर ने

प्रदर्शनी का उद्घाटन करते माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम वैंकेया नायडु जी एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी

तथा धन्यवाद ज्ञापन सदस्य सचिव प्रो. कुमार रतनम् ने किया। कार्यक्रम का संचालन निदेशक (शोध एवं प्रशासन) डॉ. ओम जी उपाध्याय ने किया। समारोह सत्र के दौरान माननीय उपराष्ट्रपति तथा केन्द्रीय शिक्षा मंत्री जी द्वारा 07 पुस्तको का विमोचन भी किया गया।

स्वर्ण जयंती समारोह के व्याख्यान:

इस अवसर पर 27 मार्च 2022 को डॉ. अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र, (DAIC) जनपथ के नालंदा हॉल में एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. अशोक मोडक जी ने 'दीनदयाल उपाध्याय और महात्मा गांधी' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

इस दौरान उनके साथ मंच पर सदस्य सचिव प्रो. कुमार रतनम् जी, पूर्व अध्यक्ष प्रो. सुदर्शन राव, निदेशक द्वय डॉ. ओम जी उपाध्याय, डॉ. राजेश कुमार उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता प्रो. मोडक जी का स्वागत परिषद् के सदस्य प्रो. उमेश कदम जी ने किया।

परिषद् के समारोप कार्यक्रम के दौरान 2 सत्रों में व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया। प्रथम सत्र का शुभारंभ प्रातः 10:30 बजे से किया गया। इस दौरान भारतीय ज्ञान परंपरा पर देश के जाने माने विद्वान् प्रो. कपिल कपूर, पूर्व अध्यक्ष आई.आई.ए.एस शिमला, ने Two knowledge cultures vedic and Abrahamic विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रो. एम.डी. श्रीनिवास जी ने Indian Knowledge Systems their Past, Present and Future विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रो. एम राजीव लोचन, पंजाब विश्वविद्यालय एवं श्रीमती मीता राजीव लोचन, आई.ए.एस. ने Creating Knowledge Systems to the Future: Learning from the Past विषय पर अपने विचार प्रकट किए। इस सत्र का संचालन परिषद् के अध्यक्ष प्रो. रघुवेन्द्र तंवर जी ने किया।

व्याख्यान श्रृंखला के दूसरे सत्र में देश की ख्याति प्राप्त इतिहासकार डॉ. चित्रा माधवन जी ने Development of Temple Architecture in Tamilnadu विषय पर व्याख्यान दिया। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. कपिल कपूर जी ने तथा संचालन परिषद् के निदेशक (शोध एवं प्रशासन) डॉ. ओम जी उपाध्याय ने किया।

इसके बाद 4-8 अप्रैल 2022 को इस प्रदर्शनी का आयोजन संसद भवन पुस्तकालय में किया गया। लोकसभा के माननीय अध्यक्ष श्री ओम बिडला द्वारा 04 अप्रैल 2022 को प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर माननीय केन्द्रीय शिक्षा मंत्री, श्री धर्मेन्द्र प्रधान; माननीय शिक्षा राज्य मंत्री, डॉ. राजकुमार रंजन सिंह एवं श्रीमती अन्नपूर्णा देवी; संसदीय कार्य एवं संस्कृति राज्य मंत्री, श्री अर्जुन राम मेघवाल भी उपस्थित रहे। पहले सत्र के दौरान सचिव, शिक्षा मंत्रालय, श्री के. संजय मूर्ति एवं अपर सचिव शिक्षा मंत्रालय, श्री विनीत जोशी भी उपस्थित रहे। साथ ही तिब्बत सरकार के एक प्रतिनिधिमंण्डल ने भी प्रदर्शनी का दौरा किया। इसके अतिरिक्त अन्य कई माननीय केन्द्रीय मंत्रियों, माननीय सांसदों, माननीय विधायकों एवं संसद भवन के कर्मचारियों ने भी प्रदर्शनी का दौरा किया व इसकी सराहना की।

इसके बाद 28-29 अप्रैल 2022 को भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली में यह प्रदर्शनी लगाई गई। राष्ट्रपति भवन के अनुरोध पर राष्ट्रपति भवन संग्रहालय में भी 18 मई से 12 जून 2022 तक यह प्रदर्शनी लगाई गई।

ICHR's Golden Jubliee and Exhibition Programme, 27 - 28 March 2022

परिषद् पूर्व अध्यक्ष प्रो. वाई. सुदर्शन राव जी का अभिवादन करते सदस्य सचिव प्रो. कुमार रतनम्

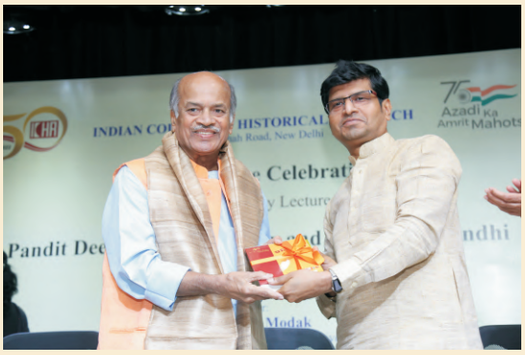

गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कुलपति प्रो. अशोक मोडक जी को सम्मानित करते परिषद् सदस्य प्रो. उमेश अशोक कदम जी

कार्यक्रम के दौरान परिषद् के माननीय सदस्य एवं अतिथिगण

अपने व्याख्यान के दौरान आई.आई.ए.एस. शिमला के पूर्व अध्यक्ष प्रो. कपिल कपूर जी

व्याख्यान कार्यक्रम के दौरान चर्चा करते हुए प्रो. अशोक मोडक, प्रो. बैद्यनाथ लाभ एवं प्रो. जामखेडकर जी

अपने व्याख्यान के दौरान डॉ. चित्रा माधवन

व्याख्यान कार्यक्रम के दौरान भा.इ.अ.प. सदस्य, अतिथि एवं कर्मचारीगण

गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक मोडक जी व्याख्यान कार्यक्रम के दौरान

माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम. वैंकेया नायडु जी अपने विचार रखते हुए

ICHR's Exhibition Programme

माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम. वैंकेया नायडु, माननीय केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी स्वर्ण जयंती समारोह 28 मार्च 2022 के दौरान

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम. वैंकेया नायडु एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी

परिषद् के स्वर्ण जंयती कार्यक्रम में दर्शकगणों को संबोधित करते माननीय शिक्षा मंत्री

29 मार्च 2022 को प्रदर्शनी का अवलोकन करते माननीय केन्द्रीय मंत्री श्री हरदीप पुरी जी एवं अन्य गणमान्य मंत्रीगण

लोकसभा के माननीय सभापति श्री ओम बिडला जी, माननीय राज्य शिक्षा मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह व अन्य मंत्रीगण व परिषद् के अधिकारी गण प्रदर्शनी के दौरान

प्रदर्शनी के दौरान चर्चा करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी जी, आई.सी.सी.आर. अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे एवं परिषद् के अध्यक्ष प्रो. रघुवेन्द्र तंवर जी, 29 मार्च 2022

04 अप्रैल 2022 को संसद भवन पुस्तकालय में प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए माननीय सभापति श्री ओम बिडला जी

04 अप्रैल 2022 को संसद भवन पुस्तकालय में प्रदर्शनी के दौरान माननीय केन्द्रीय शिक्षा मंत्री जी

संसद भवन पुस्तकालय में प्रदर्शनी का अवलोकन करते लोकसभा के माननीय सभापति श्री ओम बिडला जी

ICHR's Exhibition Programme

परिषद् के स्वर्ण जयंती कार्यक्रम, 28 मार्च 2022 के दौरान भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् के कर्मचारी गण

आई.ए.एस. श्री संजय मूर्ति सचिव उच्च शिक्षा एवं परिषद् के अधिकारी गणों से चर्चा करते हुए माननीय केन्द्रीय शिक्षा मंत्री जी (4 अप्रैल 2022)

भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली में भा.इ.अ.प. द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन करते संस्थान के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी एवं जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शांति श्री धुलीपुडी पंडित (27 अप्रैल 2022)

आज़ादी के अमृत महोत्सव के अर्न्तगत आयोजित विशेष संगोष्ठियाँ

- 14 जनवरी 2022 को 'Cultural Penetration of the Colonial Milieu and the Bhartiya Response (1905-1947): with special reference to South India' विषय पर भा.इ.अ.प. के बैंगलुरू केन्द्र पर 01 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- परिषद् द्वारा 30-31 मार्च 2022 को 'Challenges of Understanding History' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के परिसर में कराया गया।

'Revisiting the Life and Legacy of Maharaja Gulab Singh' विषय पर जम्मू विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार/संगोष्ठी का 15-17 जून 2022 तक आयोजन

संगोष्ठी का आरम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के शोध छात्रों द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ हुआ। स्वागत भाषण इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. सुमन जामवाल ने दिया।

संगोष्ठी का विषय प्रवर्तन प्रो. श्याम एन. लाल द्वारा किया गया जिन्होंने महाराजा गुलाब सिंह जी की स्थायी विरासत और जम्मू-कश्मीर तत्कालीन राज्य के गठन में उनके योगदान पर प्रकाश डाला।

सेमिनार का संचालन करते डॉ. सौरभ कुमार मिश्र

प्रो. उमेश राय जी ने जम्मू विश्वविद्यालय की ओर से सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा महाराजा गुलाब सिंह के बारे में धारणाओं को फिर से जानने पर बल दिया। मुख्य भाषण श्री आशुतोष भटनागर जी द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसमें उन्होंने जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग होने और इसके सामरिक महत्व के विषय में बात रखी और बताया कि कैसे महाराजा गुलाब सिंह एवं उनकी सेना ने भारत की सांस्कृतिक सीमाओं को पुन: प्राप्त किया। उन्होंने जोर दिया कि इस क्षेत्र के इतिहास को व्यापक परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करने की आवश्यकता है।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. रघुवेन्द्र तंवर जी ने जम्मू कश्मीर के इतिहास पर फिर से विचार करने एवं इसके दोबारा लेखन को आवश्यक बताया। साथ ही उन्होंने शोधार्थियों को आई.सी.एच.आर. के सहयोग से जम्मू कश्मीर के इतिहास की परियोजनाएँ लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

उद्घाटन सत्र का समापन डॉ. मधुलिका सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया। कार्यक्रम में अतिथियों को बशोली पेंटिग्स भेंट की गई। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उमेश राय, भा.इ.अ.प.के अध्यक्ष प्रो. तंवर, प्रो. श्याम एन. लाल, प्रो. आशुतोष भटनागर, पद्मश्री के.एन. पण्डिता और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा जी ने किया।

प्रकाशन

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली इतिहास के क्षेत्र में एक स्वायत्त संस्थान है। इसका उद्देश्य इतिहास में हो रहे नवीन शोधों को समाज के सामने प्रस्तुत करना तथा नवीन शोधों को प्रोत्साहित करना है। इसी कड़ी में परिषद् हर वर्ष

शोधार्थियों के लिए नवीन मौलिक ज्ञान की पृष्ठभूमि वाले ग्रन्थों तथा शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन करती है। उक्त अवधि में परिषद् की ओर से प्रकाशन संबंधित निम्नलिखित कार्य किए गए:-

Books:

* *Chariot Indian History* by U.P. Thapliyal (परिषद् की वरिष्ठ अकादमिक अध्येतावृत्ति के अन्तर्गत पूर्ण)

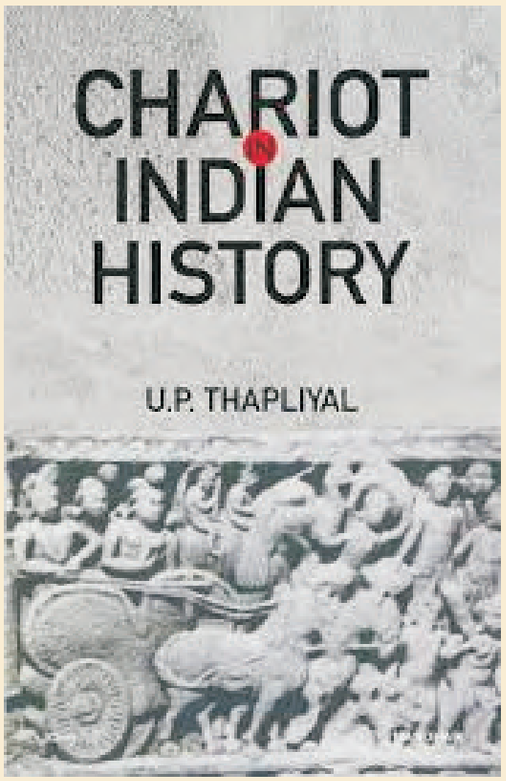

* *Quit India Movement in Rajasthan* by Vijay Kumar Vashishtha (परिषद् की वरिष्ठ अकादमिक अध्येतावृत्ति के अन्तर्गत पूर्ण).
* *Bengali Almanac: An Uncharted Area of Indian mass Communication* by Dr. Nilay Kumar Saha (परिषद् की वरिष्ठ अकादमिक अध्येतावृत्ति के अन्तर्गत पूर्ण)

Journals

* *Indian Historical Review (IHR),* Vol.49, No.1
* *इतिहास (शोध पत्रिका) भाग–8, संख्या–1*

Lecture Series:

* *स्वातंत्र्यवीर वीर दामोदर सावरकर यांचा इतिहास विषयक दृष्टिकोण*, डॉ. अशोक गजानन मोडक
* *हैदराबाद मुक्तिसंग्रामात मराठी वर्तमानत्रांची भूमिका*, डॉ. प्रशांत सुधाकरराव देशमुख द्वितीय

1. इंडियन हिस्टॉरिकल रिव्यू (आई.एच.आर.)

थॉमसन रॉयटर्स साइटेशन इंडेक्स में सूचीबद्ध *'इंडियन हिस्टॉरिकल रिव्यू (आई.एच.आर.)'* भारतीय इतिहास

अनुसंधान परिषद् के सबसे प्रतिष्ठित प्रकाशनों में से एक है। सन् 1974 से प्रतिवर्ष आई.एच.आर. के दो अंक प्रकाशित किए जाते हैं - एक जून में और दूसरा दिसंबर में। आई.एच.आर. इतिहास में शोध के परिणामों को संचारित करने का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम रहा है। इतिहास के विभिन्न कालखण्डों की व्यापक और संतुलित प्रकाशन के साथ-साथ अपने उच्च अकादमिक एवं संपादकीय मानकों के लिए इसे अत्यधिक पहचान मिली है। यह संभवत: इस प्रकार की एकमात्र शोध पत्रिका है, जो पिछले 49 वर्षों से प्रकाशित हो

रही है। यह भारत की उन कुछ पत्रिकाओं में से एक है, जिसमें विशेषज्ञों के परामर्श का विस्तृत स्तर पर इस्तेमाल किया जाता है।

आई.एच.आर. भारतीय इतिहास के आरंभ काल से लेकर समकालीन इतिहास तक के विभिन्न विषयों, अभिरुचियों और उप-विषयों को विस्तृत स्तर पर कवर करता रहा है और करता रहेगा, जो ऐतिहासिक अध्ययनों के विकास में विकसित हुए हैं।

प्रो. रघुवेन्द्र तंवर अध्यक्ष, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, इस पत्रिका के प्रधान संपादक हैं, डॉ. राजेश कुमार, निदेशक (जर्नल, पब्लिकेशन एंड लाइब्रेरी) संपादक हैं और डॉ. नौशाद अली, उप-निदेशक (प्रकाशन) सह-संपादक हैं। आई.एच.आर. के मुद्रण और प्रसार के तकनीकी कार्यों का निष्पादन सेज पब्लिकेशन (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा किया जाता है। आई.एच.आर. के प्रकाशन में प्रगति के संबंध में रिपोर्ट अवधि के दौरान प्रकाशित जर्नल का विवरण निम्नलिखित हैं:

शोध आलेख:

- 'The True Location of Kapilavastu'
  –Ramakanta Mishra
- 'The Lady and the Gentleman: Changing Gender Relations and Anxietiesin Early Malayalam Cartoons'
  –Nassif Muhammed Ali
- 'The State, Village Communities and the Brahmanas in Goa (1000–1600 ce)'
  –Nagendra Rao
- 'Shrinking Greens: Travellers' Account of the Heritage Gardens of Ahmedabad-1400–2016 69'
  –Mahesh Sharma
- 'Khairul Majalis: Highlighting the Virtues of Shaikh Nasiruddin Chiragh-i-Dehli'
  –Pratibha
- 'The Dutch in Bengal, C. 1650–1707 and Their Relations with Local Mughal Administration'
  –Nadara Ashafaque
- 'Grain Trade, Climate Change and Famines: A Study of Awadh from c.1858–1900'
  –Nalini Singh
- 'Mahatma and Mahamana: Agreement within Differences'
  –Bhuwan Kumar Jha

पुस्तक समीक्षाएँ

- Harsh Mahaan Cairae, *An Aryan Journey* by Vasant Shinde
- K. L. Tuteja, *Religion, Community and Nation: Hindu Consciousness and Nationalism in Colonial Punjab* by Himadri Banerjee
- Zakir Husain, *Medieval India: Studies in Polity, Economy and Society (Fourteenth-Nineteenth Centuries)* by Gyaneshwar

Khurana

- Alan Jaffreys, *The Indian Army in the First World War* by U. P. Thapliyal
- Jangkhomang Guite, *Against State, Against History: Freedom, Resistance, and Statelessness in Upland Northeast India* by Amrendra Kumar Thakur

2. *इतिहास (शोध–पत्रिका)*

इतिहास (शोध पत्रिका) परिषद् तथा इतिहास के क्षेत्र में एक ख्याति प्राप्त छमाही शोध पत्रिका है। इतिहास शोध पत्रिका के संपादक मण्डल द्वारा निर्णय लिया गया कि सभी विद्वानों से अपने मूल शोध पत्र हिन्दी में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया जाए। ताकि हिन्दी भाषी क्षेत्रों के शोधार्थी भी इससे लाभान्वित हो सकें। इतिहास के दो अंक हर साल प्रकाशित होते हैं–एक जून में और दूसरा दिसंबर में। यह अत्यंत खुशी की बात है कि इतिहास (शोध पत्रिका), जिसे पुनः मुद्रित किया जा रहा है, देश के उत्तर, उत्तर पश्चिम, पूर्व और पश्चिमी क्षेत्र के सभी 12 प्रान्तों में इतिहास के विद्वानों के बीच अपनी अकादमिक गुणवत्ता के कारण जाना जाने लगा है। यहाँ तक कि गैर–हिंदी भाषी क्षेत्रों के विद्वान भी इतिहास (शोध पत्रिका) में प्रकाशित कुछ लेखों की माँग कर रहे हैं। पत्रिका यू.जी.सी. केयर लिस्ट में भी सूचीबद्ध है। साथ ही हर वर्ष देश के प्रतिष्ठित शोध एजेंसियों द्वारा इंपैक्ट फैक्टर भी जांचा जाता है। प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा, सदस्य, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् एवं अध्यक्ष उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग इसके प्रधान संपादक, डॉ. ओम जी उपाध्याय, निदेशक (शोध एवं प्रशासन) संपादक और डॉ. सौरभ कुमार मिश्र, उप–निदेशक (जर्नल) सह–संपादक के रूप में कार्य कर रहे हैं। साथ ही देश के ख्यातिलब्ध इतिहासकार इसके परामर्शमंडल के सदस्य हैं, जिनके परामर्श व सुझाव से शोध–पत्रिका नित नयी उपलब्धियों की ओर अग्रसर है।

शोध लेख

- 'बौद्ध–श्रमण विचारधारा का ईसाई धर्म पर प्रभाव' **–गयाचरण त्रिपाठी**
- 'देहरादून के चाय बागानों का एक ऐतिहासिक अध्ययन' **–दिनेश प्रसाद सकलानी, मीनाक्षी**
- 'भारत कला भवन, वाराणसी की विशिष्ट सैरन्ध्री प्रतिमा: एक विवेचन' **–ज्ञानेन्द्र नारायण राय**
- 'पुराणों मे सूर्य और उनके परिवार सम्बन्धी शब्दों का निर्वचन' **–मीनू अग्रवाल**
- 'भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन और महिला सहभागिता (1885–1920 ई.)' **–श्वेता**
- 'औपनिवेशिक सत्ता एवं भारतीय प्रतिरोध (महाराज फतेह बहादुर शाही के विशेष सन्दर्भ में)' **–मनोज कुमार तिवारी**

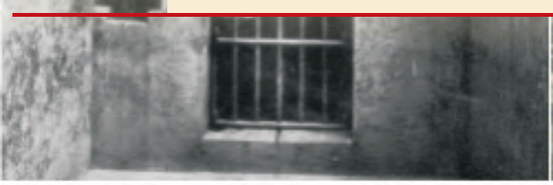

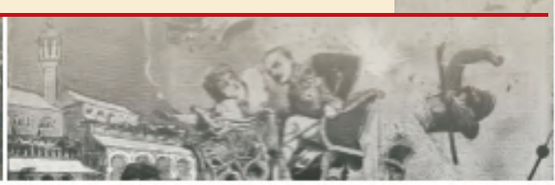

- 'थारु जनजाति-उत्पत्ति एवं विकास (ऐतिहासिक विश्लेषण)' **–नम्रता कुमारी**

पुस्तक समीक्षा :

- डॉ. राजीव रंजन उपाध्याय, *प्राचीन तुर्की–अनातोलिया के वैदिक हित्ती शासक*, प्रथम संस्करण 2021 –ईश्वर शरण विश्वकर्मा
- प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी, *भारत निर्माण एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य* –अजय कुमार सिंह
- डॉ. विक्रम सिंह राठौर, *राजस्थान की संस्कृति में नारी (मारवाड़ के विशेष सन्दर्भ में)*, प्रथम संस्करण, 2020 –विभा उपाध्याय
- प्रो. विमलेन्द्र कुमार, *विसुद्धिमग्गचुल्लटीका सङ्खेपत्थजोतनी (सील–धुतङ्गनिद्देस–वण्णना)*, संस्करण, 2021 –धर्मचन्द्र जैन

सतीश चन्द्र मित्तल पुस्तकालय-सह प्रलेखन केन्द्र

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् का पुस्तकालय-सह-प्रलेखन केन्द्र ज्ञान के भण्डार का एक मूल केन्द्र है जो शोधार्थियों को शोध एवं शैक्षणिक क्रियाकलापों में उनकी सहायता करता है। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् का पुस्तकालय इतिहास एवं उससे संबंधित विषयों के क्षेत्र में समृद्ध पुस्तकों तथा विविध प्रकार की सामग्री रखता है। यह पुस्तकालय इतिहास के क्षेत्र में अनुसंधान एवं अध्ययन हेतु एक प्रतिष्ठित पुस्तकालय है। पुस्तकालय-सह-प्रलेखन केन्द्र की स्थापना 1972 ई. में हुई थी। इस पुस्तकालय में मुद्रित एवं इलेक्ट्रॉनिक (सॉफ्ट कॉपी) के रूप में सामग्रियों का उचित संग्रह है, इसके इलेक्ट्रॉनिक आंकड़ा कोश एवं पाठ्यपुस्तकों को भी उपयोग में लाया जा सकता है, यह अन्य पुस्तकालयों से पाठ्य-सामग्री मंगाने के साथ ही अध्ययन हेतु स्थान भी उपलब्ध कराता है। साथ ही शोधार्थियों के पठन संबंधी आवश्यकताओं को सदैव पूर्ण करने का प्रयास करता है। पुस्तकालय शोध कार्य हेतु, शिक्षण एवं सीखने हेतु, प्रिंट रूप, डिजिटल कॉपी, के रूप में उपलब्ध करवाने के लिए स्रोतों का चयन, संग्रह, संरक्षण, प्रबंधन करता है।

पुस्तकालय में कम्प्यूटर सुविधा को बेहतर बनाना प्राथमिक कार्य है। क्यूंकि बदलते परिवेश में जरूरतों के अनुसार प्रौद्योगिकी संरचना उत्कृष्ट निर्माण के लिए संकल्पित है। पुस्तकालय अपने पारंपरिक भौतिक सामाग्रियों के साथ-साथ स्वयं को डिजिटल प्रक्रिया एवं सेवा सुविधा में जोड़ रहा है। पुस्तकालय को जेस्टोर एवं अन्य संसाधनों पर ई-मेल के द्वारा पहुंचा जा सकता है। पुस्तकालय के ग्रंथों को डिजिटल एवं भौतिक दोनों रूपों में संरक्षित एवं विद्वानों तक पहुंचाने के कार्य को सफलतापूर्वक पुस्तकालय के कर्मचारियों ने अपनी मेहनत एवं लग्न से पूर्ण किया है।

डेलनेट का सदस्य होने का लाभ यह है कि दिल्ली के विभिन्न पुस्तकालयों अन्य हिस्सों के कुछ पुस्तकालयों से इंटर लाइब्रेरी-लोन के आधार पर किताबें अध्ययन हेतु उधार ली जा सकती हैं। इस दौरान विद्वानों की सेवा के लिए डेलनेट के माध्यम से 40 लेन देन किए गए।

पुस्तकालय रविवार एवं राजपत्रित अवकाशों को छोड़कर प्रति दिन प्रात: 9:30 से सायं 5:30 तक खुला रहता है तथा इसमें सुधार के लिए विद्वानों के सुझावों का हमेशा स्वागत करता है।

इस अवधि के दौरान लगभग 300 शोधार्थियों/विद्वानों ने पुस्तकालय का दौरा किया और लगभग 4000 फोटोकापी विद्वानों की आवश्यकतानुसार उन्हें वितरित किए गये। इस अवधि के पुस्तकालय द्वारा लगभग 300 पुस्तकों की खरीदी की गई तथा इस दौरान प्रलेखन केन्द्र को करीब 40 पुस्तकें मानार्थ तथा 93 थीसिस तथा रिपोर्ट विभिन्न अनुदानों व योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त हुई।

शोध अनुदान योजनाएँ

परिषद् की स्थापना के समय कुछ उद्देश्य एवं लक्ष्य निर्धारित किए गए थे। उसमें से एक जरूरी उद्देश्य इतिहास के क्षेत्र में नवीन अनुसंधान, सत्यपरक शोध तथा तथ्यात्मक इतिहास लेखन करना भी रहा है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु परिषद की

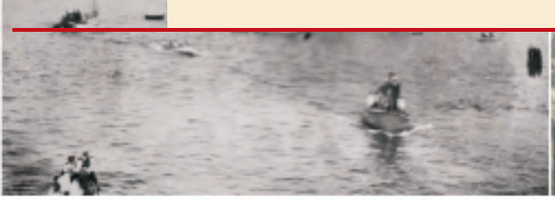

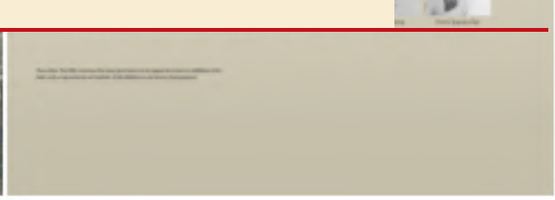

ओर से कई प्रकार की अध्येतावृत्तियाँ व अनुदान शोधार्थियों, विश्वविद्यालयों, संस्थाओं, इतिहासकारों आदि को प्रत्येक वर्ष प्रदान किए जाते हैं। साथ ही संगोष्ठियों, परिसंवाद कार्यशाला सहित प्रकाशन अनुदान आदि परिषद् द्वारा प्रदान किए जाते हैं। परिषद् की ओर से प्रदान किए जाने वाले अध्येतावृत्तियों एवं अन्य अनुदान आदि निम्नलिखित है:-

I. कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति (जे.आर.एफ.):

परिषद् की ओर से हर वर्ष लगभग 80 शोधार्थियों को कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति (जे.आर.एफ.) प्रदान की जा रही है। देश के किसी भी मान्यता प्राप्त वि.वि. से पीएचडी या इसके समक्ष पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत शोधार्थी जे.आर.एफ. के लिए आवेदन कर सकते हैं। उक्त परीक्षा का आयोजन दो स्तर पर किया जाता है। प्रथम स्तर ऑनलाइन परीक्षा तथा इसमें चयनित प्रतियोगियों का दूसरे स्तर में साक्षात्कार सह प्रस्तुतिकरण के आधार पर चयन होता है। परिषद् की ओर से इस अध्येतावृत्ति के तहत 17,600/- माह (सत्रह हजार छः सौ रूपए मात्र) दो वर्ष तक तथा 16,500 रूपये (सोलह हजार पांच सौ रूपए मात्र) वार्षिक आकस्मिक अनुदान के रूप में दिया जाता है। आगामी गतिविधि प्रक्रियाधीन है।

II. पोस्ट डॉक्टोरल अध्येतावृत्ति (पी.डी.एफ.):

परिषद् की ओर से प्रदान किया जाने वाला पोस्ट डॉक्टोरल फैलोशिप (पी.डी.एफ.) उन शोधार्थियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने इतिहास या समकक्ष विषय में अपनी पीएचडी पूर्ण कर ली हो। इसके अन्तर्गत प्रतिवर्ष 10 शोधार्थियों को 30,800 रूपए (तीस हजार आठ सौ रूपए) प्रति माह (दो वर्ष के लिए) अध्येतावृत्ति की राशि तथा 22,000 रूपए (बाइस हजार रूपए) प्रतिवर्ष, आकस्मिक अनुदान प्रदान किया जाता है।

परिषद् की उक्त अध्येतावृत्ति (2021-22) हेतु 157 आवेदन प्राप्त हुए थे। विषय-विशेषज्ञों द्वारा इनके शोध संक्षेपिका (Synopsis) मूल्यांकन के बाद चयनित अभ्यर्थियों का 6 व 7 मार्च 2022 को प्रस्तुति-सह-साक्षात्कार कराया गया। विशेषज्ञ पैनल द्वारा मूल्यांकन के बाद 11 मार्च 2022 को आयोजित 167वीं आर.पी.सी. के अनुमोदन से निम्नलिखित 09 शोधार्थियों का चयन किया गया।

1. डॉ. राहुल कुमार त्यागी, 46 कम्पसौर, पंडारी, मिर्जापुर-231001 को शीर्षक 'प्रयागराज व वाराणसी के मध्य गंगा के किनारे स्थित उत्खनित पुरास्थालों का सांस्कृतिक अध्ययन' के लिए अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।
2. डॉ. रश्मि सिंह, भगवती नगर कॉलोनी, ब्लॉक ए, शुशुवाही, लंका, वाराणसी - 2210100 को शीर्षक 'खरवार जनजाति का सांस्कृतिक अध्ययनः उत्तर प्रदेश के कैमूल क्षेत्र के विशेष संदर्भ में' के लिए अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।
3. डॉ. संगीता कुमारी, हाऊस नं. 201-बी, रेजीडेशल हाऊस, पी.एल.सी.एस.यू.पी.वी.ए., रोहतक-124001 (हरियाणा) को शीर्षक 'भारतीय इतिहास में शिव विवाह मूर्तियों का सामाजिक संदर्भ (6वीं से 13वीं ई. तक)' के लिए अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।
4. डॉ. कुमकुम पाठक, हाऊस नं. न्यू जी27, हैदराबाद कॉलोनी, (जी.आर.आई. ऑपाटमेंट के सामने), बीएचयू, वाराणसी-221005 (उ.प्र.) को शीर्षक 'Ayurveda Ke Aacharya - Granthon Ka Aitihasik Adhyayan : Vedic Kal Se Guptottar Kal Tak' के लिए अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।
5. डॉ. मनु ज्यास, हाऊस नं. 513, बी-ब्लॉक, विजय राघव टाऊनशिप, श्रीलंगमपल्ली, हैदाराबाद-50019 को शीर्षक 'Ordinary Women in Early Medieval South India: A Study based on Epigraphs, Murals and Sculptures' के लिए अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।
6. डॉ. तेजस्वनी गौड, हाऊस नं. 57, सदाशिव नगर, सरोथना योगा केन्द्र, बैंगलूरू-560080 (कर्नाटक) को शीर्षक 'India's North Western Frontiers: Cultural Connect through Ages' के लिए अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।
7. डॉ. भाग्यमणि खरवार, ओम नगर कॉलोनी, आदिति नगर, चैतपुर, वाराणसी-221005 (उ.प्र.) को शीर्षक 'काशी में संत परम्परा में संत रविदास (सामाजिक तथा

सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में)' के लिए अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।

8. डॉ. रमेश्वर मिश्र, लेन नं. 11, महामनापुरी कॉलोनी, लंका वाराणसी-221005 (उ.प्र.) को शीर्षक 'मुग़ल काल में अहोम लोगों के आदिवासी स्वरूप में परिवर्तन' के लिए अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।
9. डॉ. प्रसन्न कुमार, एस.आर., हाऊस नं. 77, मेदनाहल्ली, तूमकुरू - 572117 (कनार्टक) को शीर्षक 'Analytical Study of Memorial Stones of Tumkur District' के लिए अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।

III. वरिष्ठ अकादमिक अध्येतावृत्ति (एस.ए.एफ.):

परिषद् की ओर से प्रदान किया जाने वाला वरिष्ठ शैक्षणिक अध्येतावृत्ति (एस.ए.एफ.) इतिहास में शोध के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अध्येतावृत्ति है। यह इतिहास व शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अध्ययन करने वाले ऐसे वरिष्ठ शोधार्थियों को दिया जाता है, जिनका शोधकार्य स्तरीय व मान्यता प्राप्त पत्र-पत्रिकाओं, शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुका है। साथ ही शोध का अनुभव हो। शोधार्थियों को 44,000 रुपए (चौवालिस हजार रूपए) प्रति माह (दो वर्ष तक) अध्येतावृत्ति राशि तथा 44,000 रूपए (चौवालिस हजार रूपए) प्रति वर्ष आकस्मिक अनुदान प्रदान किया जाता है।

परिषद् की उक्त अध्येतावृत्ति (2021-22) हेतु विषय विशेषज्ञों द्वारा शोध संक्षेपिका (Synopsis) मूल्यांकन के बाद चयनित अभ्यर्थियों को 8 मार्च 2022 को प्रस्तुति सह-साक्षात्कार कराया गया। विशेषज्ञ पैनल द्वारा मूल्यांकन के बाद 11 मार्च 2022 को अयोजित 167वीं आर.पी.सी. के अनुमोदन से निम्नलिखित 08 शोधार्थियों का चयन किया गया।

1. डॉ. सुजीत कुमार घोष, डीई 132, स्ट्रीट नं.332, न्यू टाऊन, कोलकाता-700156 को शीर्षक 'Socio –Cultural Modernism in South Assam with Reference to Dimasa-Kacharis' के लिए अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।
2. प्रो. अशोक कुमार सिंह, एस-10/270, के-5, वरूणानगर, हुकुमगंज, वाराणसी-221002 (उ.प्र.) शीर्षक 'अफ़गान इतिहासकार और इतिहास - लेखन' के लिए अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।
3. प्रो./डॉ. शांति पप्पू हाऊस नं.28, सी.आई.टी. कॉलोनी, मलायपौर, चैन्नई-600004 (तामिलनाडु) को शीर्षक 'Decoding Prehistoric Tool Use: Experimental and Ethnoarchaeological Approaches' के लिए अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।
4. डॉ. संध्या मिश्रा, हाऊस नं.37, ग्रीन पार्क, बरैली-243006, उत्तर प्रदेश को शीर्षक 'उत्तर-प्रदेश में संघर्ष और पत्रकारिता का नया दौर (1920 से 1934 तक)' के लिए अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।
5. डॉ. दमबरूधर नाथ, कुलपति, मंजुली संस्कृति महाविद्यालय, मंजुली-785106 को शीर्षक 'The Natha Pantha and the Yogi Caste of Assam: A Historical Study' के लिए अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।
6. डॉ. अशोक कुमार सिन्हा के./ऑ. विजय कुमार, नियर प्रिया आई.टी.आई., आदर्श कॉलोनी, सगुना मोड, धानपुर पटना, बिहार-801503 को शीर्षक 'बूढ़ी गण्डक नदी घाटी का पुरातात्विक एवं सांस्कृतिक अध्ययन' के लिए अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।
7. डॉ. मेघा राम गधवीर, ए.डी.-7 महावीर नगर, बडमेर-344001, राजस्थान को शीर्षक 'पश्चिमी राजस्थान के ऋषि सन्त और उनका धार्मिक एवं सामाजिक प्रभाव' के लिए अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।
8. डॉ. मोहन डी, हाऊस नं. 2-3-27/11, विजयपुरी कॉलोनी, उप्पल, हैदराबाद, तेलंगाना-500039 को शीर्षक 'Contribution of the Speech Recognition for Agriculture based Interactive Voice Response System in Lambadi Language' के लिए अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।

IV. राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति (एन.एफ.):

परिषद् अपने स्थापना उद्देश्यों के पूर्ति हेतु जिन अध्येतावृत्तियों को हर वर्ष देता है, उसी में से एक अति महत्वपूर्ण है, राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति (नेशनल फैलोशिप) जो इतिहास के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने वाले वरिष्ठ शोधार्थियों/आचार्यों को प्रदान किया जाता है। इसको प्रदान करने के लिए परिषद् द्वारा

किसी भी प्रकार की परीक्षा या साक्षात्कार का आयोजन नहीं किया जाता है। बल्कि इस अध्येतावृत्ति के लिए परिषद् के अध्यक्ष, इतिहास के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य करने तथा इतिहास शोध को समर्पित शिक्षाविदों को प्रदान करते हैं। इसे देने का एकमात्र उद्देश्य बेहतर व नवीन शोध आने वाली पीढ़ियों के समक्ष प्रेषित किया जा सके।

इस अवधि के दौरान परिषद् से वरिष्ठ अध्येतावृत्ति के लिए चयनित अध्येताओं द्वारा स्वीकृति प्राप्त हुई और उन्होंने शोध विषय के बारे में जानकारी दी।

इस अवधि के दौरान परिषद् की 168वीं (29.06.2022) आर.पी.सी. शोध प्रगति समिति के सदस्यों द्वारा निम्नलिखित प्रतिष्ठित इतिहासकारों के नामों पर चर्चा कर उन्हें राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति प्रदान करने पर सहमति प्रदान की गई।

1. डॉ. के.के. मुहमद (पद्मश्री)
2. प्रो. स्मृति कुमार सरकार
3. प्रो. नन्दिता कृष्णा

V. गुरुकुल अध्येतावृत्ति (जी.एफ.):

जिस प्रकार से वैदिक काल में गुरूओं द्वारा अपने शिष्यों को अपनी परंपराओं के ज्ञान को संरक्षित करने हेतु शिक्षा दी जाती थी, जो उनके ज्ञान को आगे बढ़ाते थे और इससे गुरूओं की ज्ञान परंपरा भी संरक्षित रहती थी। यही परंपरा वर्षों-वर्ष चलती रहती थी। इसी ध्येय को मूर्तरूप देने हेतु परिषद् की ओर से गुरूकुल अध्येतावृत्ति का प्रारंभ किया गया है। इसके अन्तर्गत परिषद् द्वारा चयनित गुरू अपने शिष्य का चयन करता है और उसे अपने ज्ञान परंपरा से अवगत कराते हुए शोध कार्य कराता है। इस दौरान 28 जून 2022 को चयन प्रक्रिया के लिए चयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया था।

VI. शोध परियोजना अनुदानः

इतिहास के क्षेत्र में तथा नवीन शोध कार्यों में रूचि रखने वाले अनुसंधानकर्ताओं को परिषद् द्वारा दो वर्ष की अवधि के लिए शोध परियोजना अनुदान प्रदान किया जाता है। इस अनुदान के लिए आवेदन करने वाले आवेदनकर्ताओं का साक्षात्कार वर्ष में दो बार जून और दिसम्बर माह में आयोजित किया जाता है। जहां चयनित शोधार्थियों के शोध ज्ञान व प्रस्तुति के आधार पर अनुदान प्रदान किया जाता है। इस अनुदान को देने का प्रमुख उद्देश्य इतिहास से जुड़े नवीन शोध कार्यों को इस क्षेत्र में शोधार्थियों तक पहुंचाना है।

यह अनुदान इतिहास के क्षेत्र में कार्यरत शोधार्थियों को प्रदान किया जाता है जिन शोधार्थियों ने पीएचडी पूर्ण कर लिया हो वह इस अनुदान के लिए अर्हता रखते है। वे इसके लिए एक विषय पर एक शोध संक्षेपिका (Synopsis) तैयार करके परिषद् को भेज सकते हैं। जिस पर विशेषज्ञों की सहमति मिलने पर उम्मीदवार को साक्षात्कार-सह-प्रस्तुतिकरण के लिए बुलाया जाता है।

इस अवधि के दौरान 23-24 जून 2022 को प्रस्तुतिकरण-सह-साक्षात्कार का आयोजन किया गया। 29 जून 2022 को आयोजित 168वीं आर.पी.सी. के अनुमोदन के बाद निम्नलिखित शोधार्थियों को शोध परियोजना अनुदान प्रदान किए गये।

1. डॉ. ज्ञान प्रकाश, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, आई.आई.टी. (आईएसएम) धनबाद, धनबाद, झारखंड को शोध शीर्षक 'The Study of Evidences of Deep Ecology in the Early Buddhist Text' के लिए शोध परियोजना अनुदान प्रदान किया गया।
2. डॉ. पूनम दीक्षित, गोलघर, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश को शोध शीर्षक 'कुषाण एवं गुप्त कालीन मुद्राओं का सांस्कृतिक अध्ययन' के लिए शोध परियोजना अनुदान प्रदान किया गया।
3. डॉ. पल्लवी नालावडे जाम्मले, के.जे. सोमानिया इंस्टीट्यूट ऑफ धर्म स्टडीज, तीसरी तल, एसआईएमएसआर, सोमानिया विद्याविहार विश्वविद्यालय, मुम्बई, महाराष्ट्र को शोध शीर्षक 'Documentation of Sculptures of Nainagiri (Madhya Pradesh)' के लिए शोध परियोजना अनुदान प्रदान किया गया।
4. डॉ. अजीत कुमार त्रिपाठी, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश को शोध शीर्षक 'प्राचीन भारत की चित्रकला में प्रतिबिंबित मानव समाज एवं संस्कृति (प्रारम्भ से 12वीं शताब्दी तक) के लिए शोध परियोजना अनुदान प्रदान किया गया।

5. डॉ. के. प्रेमजीत सिंह, इतिहास और नृवंशविज्ञान विभाग, अईजोल, मिजोरम विश्वविद्यालय, तनहरील, अईजोल को शोध शीर्षक 'Colonising the Indigenous Polo (Sagol Kangjei): Connected History of Modern Manipur' के लिए शोध परियोजना अनुदान प्रदान किया गया।
6. डॉ. प्रभुने पद्माकर प्रह्लाद, रामलिंग रोड, शिरूर, पुने, महाराष्ट्र को शोध शीर्षक 'Politico-Cultural analysis of royal titles, epithets and insignias of the dynasties and rulers in Ancient Deccan (BCE 500 to ACE 1300)' के लिए शोध परियोजना अनुदान प्रदान किया गया।
7. डॉ. कुंडे पुरूषोत्तम रावसाहेब, अहमदनगर जिला, मराठा विद्या प्रसारक समाज, नई कला, वाणिज्य और विज्ञान महाविद्यालय, शेवगांव अहमदनगर, महाराष्ट्र को शोध शीर्षक 'नवजागरण कालीन में हिन्दी-भाषा विषयक विमर्श का ऐतिहासिक अध्ययन' के लिए शोध परियोजना अनुदान प्रदान किया गया।
8. डॉ. कार्तिक चंद्र सूत्रधार, इतिहास विभाग, कूचविहार पंचानन बर्मा विश्वविद्यालय, पंचानन नगर, पश्चिम बंगाल को को शोध शीर्षक 'Land Transfer and its Impact on the Society and Environment in Sub-Himalayan North Bengal (Colonial and Post-Colonial Period)' के लिए शोध परियोजना अनुदान प्रदान किया गया।
9. डॉ. निरंजन कुलकर्णी, इतिहास विभाग, माननीय श्री अन्नासाहेब डांगे कला, वाणिज्य और विज्ञान महाविद्यालय, हातकानांगले, जिला-कोल्हापुर, महाराष्ट्र को शोध शीर्षक 'Understanding Sacred (Cultural) Complex of Karaveerkshetra (Kolhapur): With special reference to the Formation and Development of Mahalakshmi-Cult' के लिए शोध परियोजना अनुदान प्रदान किया गया।
10. डॉ. आरती चौधरी, भट्टपुरवा, सुन्दरनगर, वाराणसी, उत्तर प्रदेश को शोध शीर्षक 'Archaeology and Science: Redefining The Harappan Hinterlands of Rakhigarhi (Haryana, North-West India)' के लिए शोध परियोजना अनुदान प्रदान किया गया।
11. डॉ. गीतार्थ गोस्वामी, सेजु नगर, जोरहट, असम को शोध शीर्षक 'Voiceless of the 'Voiced?'; Relocating the Legacy of the Freedom Movement in Assam with Special Reference to the Satra Institution' के लिए शोध परियोजना अनुदान प्रदान किया गया।
12. डॉ. नाबा कांत शर्मा, गुवाहाटी विश्वविद्यालय परिसर, जालुकबरी, कामरूप (एम), असम को शोध शीर्षक 'असमीया गीतों में इतिहास के उपादान' के लिए शोध परियोजना अनुदान प्रदान किया गया।
13. डॉ. नुतन कुमारी, एमटी यूनिवर्सिटी नोएडा, उत्तर प्रदेश को शोध शीर्षक 'History of English Language Teaching in India: Repercussions and Ramification in Colonial and Post-Colonial India' के लिए शोध परियोजना अनुदान प्रदान किया गया।
14. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, शकुन्तला भवन, आजाद नगर कॉलोनी, रूस्तमपुर, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश को शोध शीर्षक 'गोरखपुर परिक्षेत्र की विरासत: ऐतिहासिक एवं सांस्कृति वैभव' के लिए शोध परियोजना अनुदान प्रदान किया गया।
15. डॉ. अयूब खान, पर्ले रेजिडेंसी, गांधी रोड, ग्वालियर, मध्यप्रदेश, को शोध शीर्षक 'Contemporary Indian Eunuchs and their Rights: A Historical Contemplation' के लिए शोध परियोजना अनुदान प्रदान किया गया।
16. डॉ. तानसेन नामग्याल, पूर्वोंचल कैंपस, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली को शोध शीर्षक 'The Panorama of Trans Himalayan Buddhist Monasteries and their Lineage and Linkages with Tibet Post and Pre 1959; From Contemporary Perspective' के लिए शोध परियोजना अनुदान प्रदान किया गया।.

VII. विशेष शोध परियोजना (स्पेशल रिसर्च प्रोजेक्ट):

परिषद् की ओर से इतिहास व इससे संबंधित क्षेत्र में शोध

हेतु विशेष शोध परियोजनाओं का संचालन किया जाता है। भारत पर विदेशी स्त्रोतों के अनुवाद की विशेष परियोजना की विशेषज्ञ समिति की बैठक 26 मई 2022 को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गई ताकि कार्य रिपोर्ट जमा करने से पहले परियोजना की अंतिम प्रस्तुति दी जा सके इस अवधि के दौरान परिषद् की ओर से इतिहास के विभिन्न क्षेत्रों में चलाई जा रही विभिन्न शोध परियोजनाओं के सम्बंध में 26 मई 2022 को बैठक का आयोजन किया गया।

VIII. अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान (एस.टी.जी.):

परिषद् द्वारा दिया जाने वाला अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान को प्राप्त करने के लिए शोधार्थियों का एम.फिल अथवा पीएचडी में पंजीकरण अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त स्वतंत्र इतिहासकारों को भी यह अनुदान रुपये 50,000/- तक की राशि किसी शोध कार्य को पूर्ण करने हेतु दी जाती है। इसके योजना के अन्तर्गत किसी विशेष शोध को करने हेतु शोधार्थियों को एक मुश्त अनुदान राशि प्रदान की जाती है। जहां करीब 40,000 रूपए (चालीस हजार रूपए) एमफिल तथा 50,000 रूपए तक (पचास हजार रूपए) पी. एचडी/पीडीएफ शोधार्थियों को प्रदान किया जाता है। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् की ओर से दिया जाने वाला यह अनुदान एम.फिल/पीएच.डी एवं इतिहास विषयक विषय पर शोध कर रहें शोधार्थियों को प्रदान किया जाता है। इसके लिए चयनितों की सूची निम्नलिखित है:-

1. श्री रसानंदा बेग, इतिहास विभाग (स्नातकोत्तर), उत्कल विश्वविद्यालय, उड़ीसा द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Development of Agriculture and Irrigation in Post Independence Odish (1950-1980)' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
2. श्री मो. डी. रियाज़ुद्दीन, इतिहास विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'The Dynamics of Trade and Regional Economy in Mughal India: A case Study of Bihar (1580-1765)' के लिए अध्ययन- सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
3. सुश्री सुप्रिया लॉ, इतिहास विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'The Subarnabaniks of Mid Nineteenth and Early Twentieth Century Calcutta: Case Studies of the Seals and Laws' के लिए अध्ययन- सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
4. सुश्री माया कुंवर देवड़ा, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, मध्यप्रदेश-456010 द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'मालवा की बौद्ध प्रतिमाओं का सांस्कृतिक अध्ययन (ई.पू. तीसरी शताब्दी से लेकर तेरहवीं शताब्दी तक)' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
5. श्री संजय बर्मन, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Socio-Cultural Transformations of Jai-Phake Community of North-East India: A Sociological Study' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
6. सुश्री अस्मिता भदौरिया, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश-474003 द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'जयाजी प्रताप (समाचार पत्र) में सिंधियाकालीन इतिहास' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
7. श्री अयान कुंडु, इतिहास विभाग, जाधवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता-700064 द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Political Dynamics of West Bengal Countryside since Independence' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
8. श्री गिरिराज पारिख, श्री कौशल दास विश्वविद्यालय, सूरतगढ़ रोड, नियर टोल प्लाजा, हनुमानगढ़-335801 द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'बीकानेर रियासत में सामन्तों के दुर्गों का ऐतिहासिक व सामरिक अध्ययन 1600 ई. - 1800 ई.' के लिए अध्ययन- सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
9. श्री शिव कुमार सिंह, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आदित्य नगर मोड़ (ग्वालियर), के.आर.जी. कॉलेज, ग्वालियर-474006, मध्य प्रदेश द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'भारतीय सन्दर्भ में अरविन्द घोष के राष्ट्रवाद का विश्लेषणात्मक अध्ययन (1892 ई. 1910 ई.)' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।

10. श्री जगन्नाथ प्रधान, भारतीय प्राचीन इतिहास विभाग (स्नातकोत्तर), उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर-751004 द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Monuments of Rushikulya River Basin, Odisha: A Study' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
11. श्री प्रसांत कान्हार, इतिहास विभाग (स्नातकोत्तर), उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर-751004 द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'A Study on Agriculture and Irrigation System During Medieval Odisha (10th to 16th Century)' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
12. सुश्री मामता पात्रा, इतिहास विभाग (स्नातकोत्तर), उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर, खुर्द, ओडिसा-751004 द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Socio-cultural Life of Medieval Odisha (15th and 16th century A.D.)' के लिए अध्ययन- सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
13. सुश्री अमृता मलिक, इतिहास विभाग (स्नातकोत्तर), उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर, उडिसा-751004 द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'The Santal Tribes and Their Folk Culture in Odisha' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
14. सुश्री पद्मिनी पाणिग्रही, इतिहास विभाग (स्नातकोत्तर), उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर, उडिसा-751004 द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Development of Technical Education in Colonial Orissa' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
15. सुश्री मंदाकिनी साहो, इतिहास विभाग (स्नातकोत्तर), उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर, उडिसा-751004 द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Socio Religious Reform Movement in Medieval Odisha a Case Study on Achyutananda Dasa' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
16. सुश्री मानसी प्रियदर्शनी मलिक, इतिहास विभाग (स्नातकोत्तर), उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर, उडिसा-751004 द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Food Scarcity: A Case Study of 1866 Orissa Famine' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
17. श्री शिबासुन्दर पात्रा, इतिहास विभाग (स्नातकोत्तर), उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर, उडिसा-751004 द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Development of Print Culture In Nineteenth Century Orissa' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
18. सुश्री सम्पति दास, इतिहास विभाग (स्नातकोत्तर), उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर, उडिसा-751004 द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Growth of Education among the Tribal People of Koraput District during the Colonial Period' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
19. सुश्री आरती गुप्ता, कैरियर प्वाइंट विश्वविद्यालय, कोटा, सी-21 पंचवटी कॉलोनी, सुभाष नगर, कुन्हारी नगर, कोटा, राजस्थान-324008 द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Art Eminence of Shakta Sculpture in Hadoti Region' के लिए अध्ययन-सह- यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
20. सुश्री शिखा गोयल, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश-201001 द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Prachi Bharat Men Antararrajyiy Sambandhon Ke Nirdharan Men Vivaho Ke Bhumika (600 BC - 650 AD)' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
21. कु. पुन्याश्री बेजबरूआ, सैन्य और साहित्य अध्ययन विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Reconstruction of the Character of 'Draupadi' in Indian Novels (with reference to selected novels in Assamese, Bengali and Hindi)' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
22. श्री मोहमद जाकिर खान, पंडित रविशंकर शुक्ल

विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'A Study on Prehistoric Culture of Hasdeo River Valley' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।

23. कु. स्वाति वर्मा, महाराजा सायाजीराव विश्वविद्यालय बरोडा, वडोदरा, गुजरात द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Palaeolithic Archaeology of the Berach basin and its adjoining Aravalli Regions, Sourtheastern Rajasthan' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
24. श्री रमेश कुमार, इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Natural Calamities Society and politics in north Bihar, 1880-1963' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
25. कु. नुरूनिसा के.पी., जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Colonialism and the making of modern Calicut-19th-20th Centuries' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
26. कु. हिना, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'औपनिवेशिक मिथ्याभिमान: मोमिन पहचान, जातियता और समुदायिक जीवन का एक नया आयाम' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
27. कु. वसुंधरा, इतिहास विभाग, लवली पेशेवर विश्वविद्यालय जालंधर, पंजाब द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'British Intervention in Jammu with special reference agrarian reforms during Dogra period (1846-1947)' के लिए अध्ययन- सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
28. कु. फातिमा राजिला के.वी., जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Food and Social Identities in Pre-Modern Kerala (Circa 11th to 18th Century CE)' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
29. कु. हिंदूजा रमेश, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'State, Religious Institutions and Hydraulic Networks in Karnataka (C.6th - 15th Century CE)' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
30. श्री अजीत एम., जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Computational Analysis of Cera Inscriptions: Concordance, Digital Mapping and Index, C.8th - 12th Centuries C.E.' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
31. श्री चंदामीता गोस्वामी, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, जलुकबरी द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Physical Folk life and Impact of Modernization among Garos inhabiting Rani, Bamunigaon and Boko areas of South Kamrup tribal belt of Assam' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
32. कु. लेयमा रवीन, इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Aristocratic households in Mughal India' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
33. श्री ललित आदित्य, स्नातकोत्तर एवं शोध संस्थान डेकन महाविद्यालय, पुणे द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Early History of Jharkhand on the basis of Archaeological sources (600BC - Later Gupta Period)' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
34. कु. गोरे पल्लवी भालचन्द्रे, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च पुणे, द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Evaluating the Archaeological Specificity of Artefacts in Diverse Contexts for Recognising Possible Affordances in the Contemporary Cultures - the case of Marked harappan Objects - MHA' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
35. कु. इ.ए. गोमती, मद्रास विश्वविद्यालय, आर.वी. सरकारी कला महाविद्यालय, चेंगलपट्टू द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Kailasanathar Temple a Historical Study' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।

36. कु. टी. देवी, मद्रास विश्वविद्यालय, आर.वी. सरकारी कला महाविद्यालय, चेंगलपट्टू द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'History of Mohammad's Fort in Karunguzhi' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
37. कु. वैष्णवी एम., मद्रास विश्वविद्यालय, आर.वी. सरकारी कला महाविद्यालय, चेंगलपट्टू द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Cholan Special of Inscription Reference of Uttarmerur' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
38. कु. असरा अलवी, इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Women and Gender in Courtly Life and Elite Society in Medieval North India, 13th-15th Century' के लिए अध्ययन- सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
39. कु. नेदा अमीमाहमौदी, स्नातकोत्तर और शोध संस्थान डेकन महाविद्यालय, येरवाड़ा, पुणे, महाराष्ट्र द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'A Study of Ceramics and Stone Artifacts from Protohistoric Sites of North-Western India and Jiroft in Iran: A Comparative Study' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
40. कु. दीपा चौबे, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, मौलाना जहुर मार्ग, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Mughal Imperial Court Culture of Sixteenth and Seventeenth Century in Hindi Literature' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
41. श्री मोहमद दिलशाद, संस्कृति एवं इतिहास विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित शीर्षक 'Bankers, Brokers and Merchants in Mughal India From the Mid-Sixteenth to the Mid-Eighteenth Century' के लिए अध्ययन-सह-यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।

IX. विदेश यात्रा अनुदान (एफ.टी.जी.):

भा.इ.अ.प. के द्वारा दिए जाने वाले अध्येतावृत्तियों तथा अनुदानों में यह भी एक विशेष अनुदान है। जिसके अन्तर्गत ऐसे शोधार्थियों जो अपने शोध कार्य से अथवा इससे संबंधित किसी अन्य अध्ययन कार्य, संगोष्ठी, शोध सामगी संग्रह, किसी सम्मेलन आदि में शामिल होने विदेश जा रहे हों। इस अनुदान के अंतर्गत यात्रा खर्च तथा वहाँ रहने के राशि (जो नियमानुसार निर्धारित की गई है) प्रदान किया जाता है।

इस अवधि में विदेश यात्रा अनुदान के लिए 32 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें से 15 आवेदनों को 09 मार्च 2022 व 27 जून 2022 को आयोजित एफ.टी.जी. उपसमिति के समक्ष रखा गया था। इनमें से कुछ आवेदन अभी प्रक्रियाधीन हैं। निम्नलिखित 04 आवेदकों को यह अनुदान प्रदान किया गया।

1. प्रो. अचिन्त्य कुमार दत्ता, इतिहास विभाग, बर्घमान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल को उनके शोध प्रस्ताव 'Combating Communicable Diseases : India and International Agencies in their Elimination from South Asia 1977-2015' हेतु Geneva (Switzerland) के लिए विदेश यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
2. डॉ. एकता गुप्ता, आई.आई.टी. - गांधीनगर, पालाज, गांधीनगर, गुजरात को उनके शोध प्रस्ताव 'Integration of Historical Maps, Remote Sensing Data and Terrain Model to Investigate Obliterated Archaeological Structures of the Colonial Period' हेतु Barcelona (Spain) के लिए विदेश यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
3. डॉ. राजेश शशीधरन वसंता, पुरातत्व विभाग, केरल विश्वविद्यालय, तिरूवंतपुरम, केरल को उनके शोध प्रस्ताव 'Pre-Urban harappan Burials from Juna Khatiya in Gujarat, Western India' हेतु Barcelona (Spain) के लिए विदेश यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।
4. डॉ. सुदर्शन चक्रधारी, गाँव-जैतपुरा, पोस्ट-सहजौरा, जिला-रायबरेली, उत्तर प्रदेश को उनके शोध प्रस्ताव 'A Fresh Light on the Buddhist Monument *Sanchi* through A not well-reported Inscription from Vicinity of Aanchi Stupa, Madhya Pradesh, India' हेतु Barcelona (Spain) के लिए विदेश यात्रा अनुदान प्रदान किया

गया।

X. प्रकाशन अनुवृत्ति अनुदान (पब्लिकेशन सब्सिडी अनुदान):

इतिहास तथा इसके समकक्ष क्षेत्रों में कार्य कर रहे शोधार्थियों/अनुसंधानकर्ताओं के महत्वपूर्ण शोध कार्यों को प्रकाशित करने के लिए परिषद् अनुदान प्रदान करती है। जो थीसिस, मैनुस्क्रीप्ट, जर्नल आदि के प्रकाशन हेतु प्रदान किया जाता है। यह अनुदान रुपये 30 हजार से रुपये 1 लाख तक प्रदान किए जाते हैं जो शोध अनुदान नियमावली के अनुसार देय होते हैं। इसके लिए चयनितों की सूची निम्नलिखित है:-

पुस्तकें

1. *हाड़ौती व टोंक के मुस्लिम स्मारक* हेतु डॉ. जाहिदा शबनम, M/s Rajasthani Granthagar, First Floor, Near Ganesh Temple, Jodhpur – 342001, Rajasthan
2. *भारतवर्ष में सामुदायिक रेडियो की ऐतिहासिक यात्रा हेतु* Dr. Saurabh K Mishra, M/s Khama Publishers, 22-D, Nivedita Enclave, Paschim Vihar, New Delhi
3. *उत्तर भारत में बौद्ध धर्म के विकास का अभिलेखिक अध्ययन (तृतीय शती ईसा पूर्व से बारहवी शती ईस्वी तक)*, डॉ. रमेश प्रकाश चतुर्वेदी, M/s Swati Publication, ashok vihar, Delhi
4. *जनजातीय संस्कृति,* निवेदिता वर्मा, M/s Rawat Publication, Satyam Apartments, Jawahar Nagar, Jaipur
5. *भारतीय संगीत के पुरातात्विक संदर्भ*, डॉ. डी. बी. क्षीरसागर, M/s M/s Rajasthani Granthagar, First Floor, Near Ganesh Temple, Jodhpur – 342001, Rajasthan
6. *राजस्थान के प्रचलित लोक नृत्य,* पन्नालाल मेघवाल, M/s Rajasthani Granthagar, First Floor, Near Ganesh Temple, Jodhpur – 342001, Rajasthan
7. *राजस्थान के संग्रहालय एवं अभिलेखागार*, डॉ. मोहनलाल गुप्ता, M/s Rajasthani Granthagar, First Floor, Near Ganesh Temple, Jodhpur – 342001, Rajasthan
8. *मारवाड़ राज्य की भूमिदान प्रणाली*, डॉ. हुकुम सिंह भाटी, M/s Rajasthani Granthagar, First Floor, Near Ganesh Temple, Jodhpur – 342001, Rajasthan

जर्नल (शोध पत्रिकाएँ)

1. राइटर्स व्यू, अंक 06 2021, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश

प्रोसिडिंग

1. *Rajasthan History Congress*, Vol. XXXIII February 2019, Mahila P.G. Mahavidyalay, Jodhpur
2. कर्नाटका हिस्ट्री कांग्रेस द्वारा आयोजित हुए संगोष्ठी के प्रोसिडिंग *Studies in Karnataka History and Culture*, Vol.-XV, के प्रकाशन हेतु अनुदान प्रदान किया गया।

XI. संगोष्ठी/अधिवेशन/परिसंवाद/कार्यशाला:

परिषद् की ओर से जारी योजनाओं, अध्येतावृत्तियों तथा अनुदानों के साथ-साथ एक परिषद् संगोष्ठी/कार्यशाला/ अधिवेशन/गोष्ठी/ परिसंवाद आदि के लिए भी अनुदान देने का प्रावधान है। इसके तहत राष्ट्रीय/ अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी तथा कार्यशाला करने के लिए आवेदन आमंत्रित करती है। जिसके तहत संस्थाओं, विश्वविद्यालय आदि को अनुदान प्रदान किया जाता है। यह संगोष्ठियाँ इतिहास तथा इसके संबंधित विषयों, वार्षिक बैठकों, परिसंवाद आदि के लिए नियमानुसार प्रदान किए जाते हैं। इस समयावधि में निम्नलिखित 51 आवेदकों को यह अनुदान प्रदान करने का निर्णय शोध परियोजना समिति द्वारा लिया गया:-

1. डॉ. ए. देवराज, सहायक प्राध्यापक, कामराज कॉलेज, तमिलनाडु-628003 के शीर्षक 'Unsung Heroes In Thoothukudi District' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन हेतु रुपये एक लाख मात्र (रु.1,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
2. डॉ. हेमा ज्योति डोले, सहायक आचार्य, एल.टी.के. कॉलेज, आजाद, नार्थ लखीमपुर, जिला-लखीमपुर, असम-787031 द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'Dimensions of Women's Rights and its

Violations (A Tribute to Kamla Bhasim: The Unflagging Feminist Icon)' विषय पर रुपये एक लाख पचास हजार मात्र (रु.1,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।

3. डॉ. जोशे मैथ्यू, अध्यक्ष, पाझसीराजा कॉलेज, पोस्ट-पुलपल्ली, जिला-वायनाड, केरल-673579 द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Role of Tribal People in the Anti-Colonial Struggles in Kerala' विषय पर रुपये दो लाख पचास हजार मात्र (रु.2,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
4. डॉ. प्रतिभा शर्मा, सह-आचार्य, एस.वी. कॉलेज, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश-202001 द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'भारतीय स्वाधीनता संग्राम में स्वराज, राष्ट्रीय चेतना एवं प्रतिरोध' विषय पर रुपये दो लाख मात्र (रु.2,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
5. डॉ. गिन्नेचिंग सिमते, सहायक प्राध्यापक, रेबर्न महाविद्यालय मणिपुर द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Indian National Army and the Kukis during WW2' विषय पर रुपये दो लाख पचास हजार मात्र (रु.2,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
6. प्रो. जाडी मुसल्लाह, निदेशक, बी.आर. अम्बेडकर अनुसंधान केन्द्र, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Religion and Society in Telengana: From Satavahanas to Kakatiyas' विषय पर रुपये दो लाख मात्र (रु.2,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
7. श्री भास्कर डोले, सहायक आचार्य, माधव देब विश्वविद्यालय, असम द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Revisiging Freedom Struggle against the British Colonial Rule in North-East India with Speical Reference to Assam' विषय पर रुपये एक लाख पचास हजार मात्र (रु. 1,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
8. डॉ. चंदन कुमार शर्मा, सह-आचार्य, इतिहास विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Indigenous Cultures and Religions in India' विषय पर रुपये तीन लाख मात्र (रु.3,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
9. श्री एम वीरेन्द्र, संयोजक, इतिहास संकलन समिति (भारतीय), तेलंगाना द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Unsung Heroes of Freedom Struggle from Telangana Region (1857-1948)' विषय पर रुपये तीन लाख मात्र (रु. 3,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
10. श्री रबि रंजन सेन, सह-आचार्य, कठवा महाविद्यालय, बर्धमान, पश्चिम बंगाल द्वारा प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Veer Savarkar: Role in Freedom Struggle, Socio-Political Philosophy and Abiding Legacy' विषय पर रुपये तीन लाख पचास हजार मात्र (रु.3,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
11. एस.टी. हिन्दू महाविद्यालय, तमिलनाडु, सहायक प्राध्यापक, इतिहास शोध केन्द्र द्वारा प्रस्तावित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Freedom 75' विषय पर रुपये एक लाख मात्र (रु.1,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
12. डॉ. उमेश दास, सहायक प्राध्यापक, चिल्लारई महाविद्यालय, गोलकगंज, पोस्ट-गोलकगंज, जिला-धुबरी, असम-783334 द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Revisiting the Indian Freedom Struggle of Northeast Bharat: Prolego-menon of Undivided Goalpara District of Assam' विषय पर रुपये एक लाख पचास हजार मात्र (रु.1,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
13. डॉ. प्रेमकान्त बोरा, विभागाध्यक्ष, सारूपाथर महाविद्यालय, डिब्रूगढ़, असम-786004 द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Retrospection of Indian Freedom Movement: Exploring Unsung Heroes of Assam' विषय पर रुपये एक

लाख पचास हजार मात्र (रु.1,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।

14. डॉ. अनिल कुमार, सहायक प्राध्यापक, राजधानी कॉलेज, राजा गॉर्डन, रिंग रोड, नई दिल्ली-110015 द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Netaji Subhas Chandra Bose: His Valuable untold Contribution towards Nation Building' विषय पर रुपये एक लाख पचास हजार मात्र (रु.1,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
15. डॉ. सुशांत नरझरे, विभागाध्यक्ष एवं सह-आचार्य, कोकरझार राजकीय महाविद्यालय, कोकरझार, बी.आर. टी., असम-783370 द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'The Unsung Heroes of Freedom Struggle of India with special reference to Northern Bank of Brahmaputra' विषय पर रुपये एक लाख पचास हजार मात्र (रु.1,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
16. डॉ. प्रणव कुमार, सहायक प्राध्यापक, राजनीति शास्त्र विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, दक्षिण बिहार, गया-824236 द्वारा प्रस्तावित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Roots of Democracy in Ancient India: Theories and Praxis' विषय पर रुपये एक लाख पचास हजार मात्र (रु.1,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
17. डॉ. नवनीत बरूआ, सहायक प्राध्यापक, पाण्डु महाविद्यालय, पाण्डु, गुवाहाटी, असम-781012 द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Untold Accounts of Northeast Women' role in Indian Freedom Struggle' विषय पर रुपये एक लाख मात्र (रु.1,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
18. प्रो. ओ.एन. सिंह, आचार्य, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश-2521005 द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Kashi: Past and Present' विषय पर रुपये तीन लाख पचास हजार मात्र (रु.3,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
19. प्रो. विनय कुमार राव, अध्यक्ष एस.सी.एस. एवं ई.आई., जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-110067 द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Participation of Poorvottar Bharat in the Bharatiya Swadhinata Sangram' विषय पर रुपये तीन लाख मात्र (रु.3,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
20. डॉ. प्रमोद कुमार, आचार्य, भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Indian Media & Freedom Movement' विषय पर रुपये तीन लाख मात्र (रु.3,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
21. डॉ. रत्नेश त्रिपाठी, सहायक प्राध्यापक, सत्यवती महाविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'इतिहास पाठ्यक्रम: वर्तमान परिप्रेक्ष्य व चुनौतियाँ' विषय पर रुपये पांच लाख मात्र (रु.5,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
22. डॉ. नितेश कुमार मिश्र, सहायक प्राध्यापक, भारतीय संस्कृति, स्थापत्य एवं प्राचीन इतिहास विभाग, पं. रवि शंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़-492010 द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'छत्तीसगढ़ में स्व का संघर्ष: स्वाधीनता आंदोलन के विशेष संदर्भ में' विषय पर रुपये तीन लाख पचास हजार मात्र (रु.3,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
23. डॉ. महेन्द्र पूनिया, आचार्य, ओम स्टेरलिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, हिसार द्वारा प्रस्तावित सात दिवसीय कार्यशाला शीर्षक 'National Workshop on Research Methodology in History and Social Sciences' विषय पर रुपये तीन लाख पचास हजार मात्र (रु.3,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
24. प्रो. सरोज वर्मा, आचार्य, एल.एस.एम. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पिथौरागढ़, उत्तराखण्ड-262501 द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'स्वतंत्रता संग्राम में कुमाऊँ – गढ़वाल के जननायकों का सामाजिक एवं सांस्कृतिक योगदान' विषय पर रुपये एक लाख मात्र (रु.1,00,000/-) का

अनुदान प्रदान किया गया।

25. डॉ. रविन्द्र सिंह परदेशी, प्राचार्य, फ्रैग्युसन कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Bal Gangadhar Tilak: Re-Visiting a Resplend in Struggle for Freedom' विषय पर रुपये तीन लाख पचास हजार मात्र (रु.3,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
26. डॉ. अभिनव कुमार मिश्रा, सहायक प्रध्यापक प्रमुख एवं आयोजन सचिव, भाषाविज्ञान विभाग, कला संकाय विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी द्वारा प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शीर्षक '49th All India Conference of Dravidian Linguists (AICDL)' पर रुपये तीन लाख पचास हजार मात्र (रु. 3,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
27. डॉ. शैलु सिंह, सह-आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शीर्षक 'Social Sciences in India's Knowledge Tradition' विषय रुपये तीन लाख पचास हजार मात्र (रु.3,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
28. डॉ. मीता, विभागाध्यक्ष एवं सह-आचार्य, नव नालंदा महाविहार डीम्ड विश्वविद्यालय नालंदा द्वारा प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शीर्षक 'Buddhism and Literatures in English' विषय पर रुपये पांच लाख मात्र (रु.5,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
29. डॉ. सास्वती मुत्सुद्दी, इंडियन सोसायटी फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज, जम्मू, जम्मू कश्मीर द्वारा प्रस्तावित 22वें वार्षिक सम्मेलन शीर्षक 'History and Culture of Buddhism in Leh' विषय पर रुपये पांच लाख मात्र (रु.5,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
30. प्रो. एस. विक्टर बाबू, विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय विद्या विहार, रायबरेली रोड लखनऊ द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शीर्षक 'Indian Culture in South East Asia: Past and Present' विषय पर रुपये दो लाख पचास हजार मात्र (रु.2,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
31. डॉ. मुनिन बोरह, सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग, नवगाँव महिला महाविद्यालय, नवगाँव, असम द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Role of Women in North East India in the Freedom Movement: Some Untoled Stories' विषय पर रुपये दो लाख मात्र (रु.2,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
32. डॉ. कैलाश चंद गुर्जर, सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक '1857 की क्रांति के अज्ञात और भूले-बिसरे नायक' विषय पर रुपये दो लाख पचास हजार मात्र (रु. 2,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
33. डॉ. पी. लीला मोनी, सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग, श्री अयप्पा कॉलेज फॉर वुमेन, चुकंकडाई, जिला-कन्याकुमारी, तमिलनाडू द्वारा प्रस्तावित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Unglorified Freedom Fighters of Kanyakumari District' विषय पर रुपये एक लाख मात्र (रु.1,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
34. डॉ. अहमद खान, निदेशक, मौलाना आजाद चेयर मौलाना अजाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय, गाचीबॉली, हैदराबाद द्वारा प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Contribution of Sufis of Deccan for the promotion of Learning and Communal Harmony' विषय पर रुपये दो लाख पचास हजार मात्र (रु.2,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
35. डॉ. हेमेन्द्र चौधरी, विभागाध्यक्ष एवं सह-आचार्य, जनार्दन राय नागर विद्यापीठ (डीम्ड विश्वविद्यालय) उदयपुर, राजस्थान द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'मेवाड़-वागड़ के सेनानी: व्यक्तित्व एवं कृतित्व (1857-1948 ई.)' विषय पर रुपये तीन लाख मात्र (रु.3,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
36. प्रो. अजीत कुमार, अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान विभाग एवं विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग, बी.आर. अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुज्जफरपुर, बिहार द्वारा प्रस्तावित

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'The Making of Muzaffarpur Town: Changing Socio-economic structure since Colonial Times' विषय पर रुपये एक लाख पचास हजार मात्र (रु. 1,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।

37. डॉ. विनय कुमार दास, सहायक प्राध्यापक, जे.एम.डी. पी.एल. महिला महाविद्यालय, मधुबनी द्वारा प्रस्तावित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Vision and Approach of Vinayak Damodar Savarkar on National Integration' विषय पर रुपये एक लाख मात्र (रु.1,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
38. डॉ. नलीनी गीरी, इतिहास व्याख्याता, कुंज बिहारी प्रधान, प्रधानाचार्य, पी.एस. महाविद्यालय, झुमपुरा, कोनीझार द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Tribal Life in North Odisha: Society, Economy, Polity & Religion' विषय पर रुपये दो लाख पचास हजार मात्र (रु.2,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
39. डॉ. महेन्द्र कुमार स्वाईन, सहायक आचार्य, इतिहास विभाग, हिंडोल महाविद्यालय, खजुरियाकाटा, ढेंकनाल द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Lesser Known Freedom Fighters of Undivided Dhenkanal Districts of Odisha: A Study of Their Sacrifices' विषय पर रुपये तीन लाख मात्र (रु.3,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
40. डॉ. संजीव कुमार डे, सह आचार्य, इतिहास विभाग, कमला नगर शासकीय महाविद्यालय, जिला-लॉवनगतलाई, मिजोरम द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'Indigenous faith and practices of Inhabitants of Chindwin river valley & Lushai Hills: A Saga of Continuum Indigenous practices of Bharat' विषय पर रुपये एक लाख पचास हजार मात्र (रु.1,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
41. डॉ. अमरजीत सिंह परिहार, प्रधानाचार्य, संकल्प इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, 141 दुहाई, गाजीयाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक 'सृष्टि की चादर गुरू तेग बहादुर जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व' विषय पर रुपये एक लाख पचास हजार मात्र (रु.1,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
42. डॉ. अलोक कुमार कानुनगो, सहायक शोध आचार्य, शोध एवं विकास, भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान, गांधीनगर द्वारा प्रस्तावित चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला शीर्षक 'Unsettling Aracaeology' विषय पर रुपये तीन लाख मात्र (रु.3,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
43. प्रो. सन्नी कुमार, सहायक आचार्य, इतिहास विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा प्रस्तावित सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला शीर्षक 'Research Methodology and Research Ethics in Social Sciences' विषय पर रुपये तीन लाख पचास हजार मात्र (रु.3,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
44. डॉ. विक्रम सिंह भाटी, सहायक निदेशक, राजस्थानी शोध संस्थान, चौपसनी स्कूल परिसर, जोधपुर द्वारा प्रस्तावित सात द्विवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला शीर्षक 'पाण्डुलिपि पठन एवं अंक विज्ञान कार्यशाला' विषय पर रुपये तीन लाख मात्र (रु.3,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
45. डॉ. दलजीत सिंह, सह-आचार्य, पंजाब इतिहास अध्ययन विभाग और श्री गुरूतेग बहादुर राष्ट्रीय एकता अध्ययन, पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब द्वारा प्रस्तावित छः दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला शीर्षक 'National Integration: Promoting Peace Building and Social Indentities' विषय पर रुपये दो लाख मात्र (रु.2,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
46. डॉ. सुधा मलईया, कुलाधिपति, एकलव्य विश्वविद्यालय, सागर रोड, जिला-दमोह, मध्यप्रदेश द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शीर्षक 'मध्यप्रदेश के नवनिर्मित पाषाण जिन मंदिर' विषय पर रुपये दो लाख पचास हजार मात्र (रु.2,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
47. डॉ. प्राची मोघे, सहायक आचार्य, पुरातत्व विभाग, अतिरिक्त मित्ति अध्ययन केन्द्र, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

शीर्षक 'Swaraja@75: Redefining the Narrative of Freedom Struggle' विषय पर रुपये एक लाख मात्र (रु.1,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।

48. डॉ. अमीत कुमार उपाध्याय, संयुक्त सचिव, निदेशक, राज्य संग्रहालय, नरही, हजरतगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शीर्षक '104th Annual Conference of the Numismatic Society of India, B.H.U., Varanasi' विषय पर रुपये चार लाख मात्र (रु.4,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
49. डॉ. हंजाबम सुखदेव शर्मा, सहायक आचार्य, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (केन्दीय विश्वविद्यालय), मणिपुर द्वारा प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शीर्षक 'Indigenous Cultures and Religions in India' विषय पर रुपये तीन लाख पचास हजार मात्र (रु.3,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
50. डॉ. अबिद गुलजार, समन्वयक, मध्य एशिया अध्ययन केंद्र (सी.सी.ए.एस.), कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर यू.टी., बेडिल इंटरनेशनल फाउंडेशन नई दिल्ली, दिल्ली के सहयोग द्वारा प्रस्तावित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शीर्षक 'Contribution of Chandra Bhan Brahman to Mysticism, Literature & Culture' विषय पर रुपये तीन लाख मात्र (रु.3,00,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।
51. डॉ. प्रियंका सिंह, सहायक आचार्य, ए.आई.एच.सी. और पुरातत्व विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा प्रस्तावित तीन दिवसीय वार्षिक सम्मेलन शीर्षक '47th Annual Congress of the Epigraphical Society of India' विषय पर रुपये तीन लाख पचास हजार मात्र (रु. 3,50,000/-) का अनुदान प्रदान किया गया।

अन्य गतिविधियाँ

गणतंत्र दिवस

इस मौके पर परिषद् की ओर से 73वाँ गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया। भा.इ.अ.प. के सदस्य सचिव, प्रो. कुमार रतनम् जी ने ध्वजारोहण किया। समारोह के दौरान परिषद् के अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस:

विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्देशानुसार 31 मई विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर परिषद् के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वयं एवं परिषद् को तम्बाकू मुक्त रखने की शपथ ली।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस:

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी केन्द्र सरकार के आदेशानुसार 8वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 21 जून 2022 को किया गया। परिषद् के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से इसमें प्रतिभाग किया। साथ ही इस अवसर पर डॉ. वीनू पंत, सिक्किम केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गैंगटोक द्वारा ' The Yog: The Only Path for Human Well Being' विषय पर व्याख्यान दिया गया।

योग दिवस पर योगभ्यास करते हुए भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् के अधिकारी एवं कर्मचारी

विभागीय समाचार:

नियुक्ति:

भा.इ.अ.प. के सदस्य सचिव प्रो. कुमार रतनम्, परिषद् के नवनियुक्त अध्यक्ष प्रो. रघुवेन्द्र तंवर जी का स्वागत करते हुए

1. प्रो. रघुवेन्द्र तंवर, प्रोफेसर एमेरिट्स, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र को 11 जनवरी 2022 से परिषद् को अध्यक्ष नियुक्त किया गया।
2. श्री विश्वरूप शिबदास घटक, सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेखा अधिकारी, रक्षा लेखा विभाग, रक्षा मंत्रालय को 01.06. 2022 से परिषद् में सलाहकार (आंतरिक लेखा परिक्षा) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सदस्य सचिव की विदाई

प्रो. कुमार रतनम् आचार्य (इतिहास), शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर, म.प्र. को 29.05.2019 से प्रतिनियुक्ति पर (3 वर्ष) परिषद् के सदस्य सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने 29 मई 2019 से 28 मई 2022 तक सदस्य सचिव के रूप में मेहनत, लगन व ईमानदारी से अपनी सेवाएँ दी।

सदस्य सचिव प्रो. कुमार रतनम् अपने विदाई समारोह पर डॉ. ओम जी उपाध्याय निदेशक (शोध एवं प्रशासन) से स्मृति चिन्ह प्राप्त करते हुए

सेवानिवृत्ति:

परिषद् में 02.12.1998 को वरिष्ठ पुस्तकालय परिचारक के रूप में नियुक्त हुए श्री नरदेव शर्मा जी सहायक (Assistant) के पद से 31.05.2022 को सेवानिवृत्त हुए।

अपने कार्यकाल में इन्होंने लगन, मेहनत व ईमानदारी से परिषद् को सेवाएँ दी।

अल्जीरिया के राजदूत का दौरा:

भारत में अल्जीरिया के राजदूत श्री अब्दुररहमान बेंगुएराह और सलाहकार एवं मिशन के उपप्रमुख श्री एडेल बाऊंड ने

26 मई 2022 को परिषद् का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने परिषद् के अध्यक्ष प्रो. रघुवेन्द्र तंवर, परिषद् के माननीय सदस्यों प्रो. उमेश अशोक कदम एवं प्रो. डॉ. सारदिन्दु मुखर्जी के साथ-साथ परिषद् अधिकारियों से उनकी योजनाओं और लोकहित के विषयों पर चर्चा की। इस दौरान अध्यक्ष महोदय द्वारा उन्हें भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रकाशित कुछ पुस्तकें/पत्रिकाएँ भेंट की गई।

कार्यवाहक प्रभार:

डॉ. ओम जी उपाध्याय निदेशक (अनुसंधान एवं प्रशासन) को 29.05.2022 से भा.इ.अ.प. के सदस्य सचिव का कार्यवाहक प्रभार दिया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र:

परिषद् की स्थापना के साथ ही कई उद्देश्यों व लक्ष्यों का निर्धारण किया गया था। जिसमें इतिहास के नवीन शोधार्थियों को शोध के लिए विषय व संदर्भ प्राप्त हो सके। इसी को ध्यान में रखते हुए परिषद् की ओर से पुणे, गुवाहाटी तथा बैंगलूरू में क्षेत्रीय केन्द्र की स्थापना की गई। इन केन्द्रों पर सम्पन्न पुस्तकालयों, संगोष्ठियों व कार्यशालाओं के माध्यम से शोधार्थी लाभान्वित होते हैं। परिषद् का बैंगलूरू स्थित दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. एस.के. अरूणी, उपनिदेशक (शोध) हैं। उत्तर पूर्व क्षेत्रीय कार्यालय के केन्द्र अधिकारी का दायित्व का निर्वहन डॉ. राजेश कुमार निदेशक (जे.पी. एण्ड एल.) कर रहे हैं। और पश्चिम क्षेत्रीय केन्द्र, पुणे डॉ. विनोद कुमार, सहायक निदेशक (शोध) की निगरानी में कुशलता से कार्य कर रहा है।

दक्षिण क्षेत्रीय केन्द्र (बैंगलुरू)

फरवरी 1988 में स्थापित यह केन्द्र भारत के दक्षिणी राज्यों कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु व पांडिचेरी आदि में सक्रिय रूप से ऐतिहासिक शोध को बढ़ावा दे रहा है।

1 जनवरी – 30 जून 2022 तक दक्षिणी क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा किए गए कार्यों की एक संक्षिप्त रिपोर्ट अग्रलिखित है:

वेबिनार

आज़ादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत/तहत दक्षिणी क्षेत्रीय केन्द्र, बैंगलुरू द्वारा एक '***The Cultural Penetration of the Colonial Milieu and the Bharatiya Response with Special Reference to South India***' विषय पर 14 जनवरी 2022 को एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के उद्घाटन सत्र में स्वागत भाषण सदस्य सचिव एवं विषय प्रवर्तन डॉ. ओम जी उपाध्याय द्वारा किया गया।

प्रख्यात इतिहासकार, भा.इ.अ.प. सदस्य एवं डी.डी.यू. गोरखपुर के प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्य भाषण दिया।

वेबिनार में शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए दक्षिणी भारत के सभी राज्यों के विद्वानों/ इतिहासकारों को आमंत्रित किया गया था इस दौरान दक्षिण भारत और डेक्कन में स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न पहलुओं से संबंधित पांच शोध पत्र प्रस्तुत किए गये। जिसका विवरण निम्नलिखित है:-

- 'Lesser-Known Freedom Fighters from the Tamil Country' द्वारा प्रो. जी.जे. सुधाकर, पूर्व प्रोफेसर ऑफ द्रविडियन विश्वविद्यालय एवं सी.पी. रामस्वामी इंस्टीट्यूट ऑफ इंडोलॉजी।
- 'Malabar Rebellion and Freedom Struggle [Kerala]' द्वारा के जयप्रसाद, डीन, केरला केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कसरगोड, केरल।
- 'Various Strands and Political Mobilizations in Freedom Movement of Hyderabad State from 1900 to 1948' द्वारा प्रो. एस. श्रीनाथ पूर्व प्रोफेसर, काकतिया विश्वविद्यालय, वारंगल, तेलंगाना।
- 'Freedom Movement in Princely Mysore State: An Analysis' द्वारा पूर्व प्रोफेसर, बैंगलुरू विश्वविद्यालय।
- 'Revolutionary Freedom Fighters in the Southern Maratha Country 1824 - 1858' द्वारा डॉ. ए.वी. वग्गर, एस.एस. गर्वनमेण्ट, फर्स्ट ग्रेड कॉलेज एवं पी.जी. अध्ययन केन्द्र, नारागोण्ड, कर्नाटका।

व्याख्यान श्रृंखला

9 फरवरी 2022 को दक्षिणी क्षेत्रीय केन्द्र, बैंगलुरू द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अर्न्तगत भारत की आज़ादी के 75 वर्ष पूरे होने पर गूगल मीट के माध्यम से एक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया था। इस दौरान डॉ. जोशी मेथ्यू, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग पजहस्सी राजा

कॉलेज, पुलपल्ली, वायनाड (केरल) ने 'Forgotten Heroes: Anti- Colonial Resistance of Tribal People in Malabar, Kerala' विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

कार्यशाला:

क्षेत्रीय केन्द्र बैंगलुरू द्वारा द माइथिक सोसाइटी एवं महारानी कलस्टर विश्वविद्यालय बैंगलुरू के सहयोग से 'Modern Methods for the Study & Conservation of Inscriptions' विषय पर एक संयुक्त कार्यशाला का आयोजन 06 अप्रैल 2022 को द माइथिक सोसाइटी, बैंगलुरू एवं महारानी क्लस्टर विश्वविद्यालय, बैंगलुरू में किया गया था। यह कार्यशाला अभिलेखों की हमारी विरासत को संरक्षित करने के लिए नए डिजिटल अनुप्रयोगें के प्रदर्शन के विषय में थी।

कार्यशाला का उद्घाटन द मिथिक सोसाइटी, बैंगलुरू के सचिव श्री वी. नागराज द्वारा किया गया था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय पुरातत्व विभाग के क्षेत्रीय निदेशक (सेवानिवृत्त) डॉ. एस.वी. वेंकटेशया थे। दक्षिणी केन्द्र कार्यशाला को निम्नलिखित सत्रों में विभाजित किया गया था-

Session 1: 'Current Methods for Inscriptions Study, Conservation and Knowledge Sharing' द्वारा पी.वी. कृष्णामूर्ति, पुरालेखी इतिहासकर्ता;

Session 2: 'Modern Tools for Field Survey and Cataloguing of Inscriptions' द्वारा पी.एल. उदया कुमार, परियोजना निदेशक;

Session 3: '3D Digital Scanning of Inscriptions' दी मायथीक सोसायटी इंस्क्रीप्शन 3डी, डिजिटल कंजर्वेशन टीम;

Session 4: 'Developments in the Field in Other Countries – Lecture Demonstration' दी मायथीक सोसायटी इंस्क्रीप्शन 3डी, डिजिटल कंजर्वेशन टीम।

समापन सत्र में महारानी कलस्टर विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. गोमती देवी जी मुख्य अतिथि थी। प्रो. के. नरहरि, अध्यक्ष द माइथिक सोसाइटी, डॉ. वी. अनुराधा, रजिस्ट्रार, महारानी कलस्टर विश्वविद्यालय, बैंगलुरू एवं डॉ. शेषा शास्त्री, पुरालेखविद् - इतिहासकार के साथ-साथ लगभग 50 विद्वानों/शोध छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रदर्शनी

बैंगलुरू केन्द्र ने 'History of Bengaluru - Historical Documents and Visual Images' विषय पर अमृता विश्व विद्यापीठम्, अमृता स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, बैंगलुरू कैंपस, कसवनहल्ली के सहयोग से 19 मई 2022 को एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। विश्व संग्रहालय दिवस - 2022 के अवसर पर इस प्रदर्शनी का उद्घाटन अमृता विश्व विद्यापीठम्, बैंगलुरू के प्रधानाचार्य डॉ. श्रीराम देवनाथन द्वारा किया गया था। संकाय सदस्य डॉ. तनुश्री, डॉ. गीता एवं अन्य सदस्यों ने सक्रिय रूप से इस कार्यक्रम में भाग लिया था। पुराने बैंगलुरू के इतिहास को समर्पित इस प्रदर्शनी को लगभग 300 शोधार्थियों द्वारा देखा व सराहा गया।

V. अनुसंधान परियोजनाएँ

I. 'हिस्टॉरिकल इंस्यॉक्लोपिडिया ऑफ टाऊन एण्ड विलेज ऑफ भारत':

दक्षिणी क्षेत्रीय केन्द्र बैंगलुरू, परियोजना के नोडल ऑफिस के रूप में कार्यरत हैं। परियोजना के समन्वयक प्रो. राजाराम हैगड़े कार्य का अवलोकन कर रहे हैं। इस परियोजना का कार्य अभी प्रक्रियाधीन है।

दो महत्वपूर्ण परियोजना भी प्रगति की ओर है:-

I. 'डिक्शिनरी ऑफ सोशल इकोनोमिक एण्ड एडमीनिस्ट्रैटिव टर्मस इन इण्डियन इंस्क्रीप्शन'।

II. हिस्ट्री ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी।

दक्षिणी क्षेत्रीय केन्द्र ने एस.आर.सी. परामर्श समिति द्वारा अनुशंसित निम्नलिखित परियोजना पर कार्य आरम्भ किया।

(अ) 'प्रीपेशन ऑफ दी कॉर्पशन ऑफ कन्नड़ एण्ड संस्कृत इंस्क्रीप्शन ऑफ दी यादवस ऑफ देवनागरी ऑफ दी डेक्कन '.

केन्द्र कन्नड़ एवं संस्कृत अभिलेखों के माध्यम से देवगिरि के यादवों पर पुस्तकालय-सह-प्रलेखनन केन्द्र संकलन तैयार कर रहा है। यह कार्य अभी प्रगति पर है।

(ब) 'कम्पाइलेशन एण्ड एडीटिंग ऑफ दी राष्ट्रकूट

इंस्क्रीप्शन फ्रॉम साउथ इण्डिया'।

VI. प्रकाशन:

केन्द्र ने व्याख्यान श्रृंखला प्रकाशनों और संगोष्ठी की प्रोसिडिंग्स के पुर्नमुद्रण के लिए पहल की है। जिसका विवरण निम्नलिखित हे।

1. व्याख्यान श्रृंखला प्रकाशन

दक्षिणी क्षेत्रीय केन्द्र बैंगलोर ने विद्वानों एवं शोधार्थियों की मांग पर निम्नलिखित व्याख्यान का पुनमुर्द्रण किया गया।

- *The Folk Traditions and Archaeology of Andhra Pradesh* द्वारा रचित एम.एन. के मूर्ति
- *Chitradurga in the Early 1800s archaeological Interpretations of Colonial Drawings* द्वारा रचित लेविस बैरी
- *A Historical Survey of Seafaring and Maritime Networks of Peninsular India* द्वारा रचित हिमांशु प्रभा राय
- *Temple Patronage in Medieval Karnataka with Special Reference to the Banavasi 12000* द्वारा रचित राजाराम हेगड़े

* नई व्याख्यानमाला का प्रकाशन:

दक्षिणी क्षेत्रीय केन्द्र की विषय सलाहाकार समिति की सिफारिशों के अनुसार केन्द्र नीचे दिए गये व्याख्यानों के प्रकाशन के लिए शोधार्थियों से टिप्पणियाँ/रिपोर्ट प्राप्त कर रहा है।

- 'Bengaluru: Town Planning and Settlement Patterns' द्वारा डॉ. यशवीनी शर्मा, सह-आचार्य, दयानन्द सागर कॉलेज ऑफ ऑकिटेक्चर बैंगलुरू
- 'Some Fault Lines in Some Significant South Indian Historical Narrations –A Critique' द्वारा डॉ. सी.बी. रामचन्द्र राव, आई.सी.एच.आर. नेशनल फैलो, चेन्नई, सी.पी.आर.आई.आई.आर., चेन्नई।
- 'Unforgetting Partition Memories & Post-Memories of the Partition of India' द्वारा डॉ. अंजली गेरा राय, डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमिनिटीज एण्ड सोशल साइंस, आई.आई.टी., खरगपुर
- 'History of Early Maritime Contacts of India with Southeast Asia, Special Reference to East Coast India' द्वारा सिला त्रिपाठी, प्राचार्य, टेक्नीकल ऑफीसर, मरीन ऑर्कियोलॉजी सेण्टर, सी.एस.आई.आर. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओसियोनाग्रॉफी, गोवा

(2) राष्ट्रीय संगोष्ठी **'Rethinking the History of Princely States with Special Reference to Cochin and Travancore'** की कार्यवाही राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्राप्त शोध पत्रों का संशोधन एवं संपादन प्रो. जी. जे. सुधाकर द्वारा किया गया। इस पर कार्य चल रहा है।

VII. बैठकें:-

दक्षिण क्षेत्रीय केन्द्र के पुस्तकालय के लिए पुस्तक चयन समिति की बैठक 15 मार्च 2022 को आयोजित की गई। समिति ने अंग्रेजी, कन्नड और हिन्दी के 286 शीर्षकों का चयन किया साथ ही अंग्रेजी और दक्षिण भारतीय भाषाओं के 51 पत्रिकाओं की भी संस्तुति की।

VIII. पुस्तकालय-सह-प्रलेखन केन्द्र:

भा.इ.अ.प. दक्षिण क्षेत्रीय केन्द्र इतिहास और इससे सम्बन्धित विषयों के शोध छात्रों/विद्वानों के लिए अपने पुस्तकालय की सुविधाओं का विस्तार कर रहा है। कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, पांडिचेरी और गोवा सहित दक्षिण भारत के विभिन्न हिस्सों से शोध छात्र/विद्वान् पुस्तकालय का दौरा करते रहते है। इस अवधि के दौरान क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा किए गये कुछ महत्वपूर्ण कार्य निम्नलिखित है।

(क) छात्रों/विद्वानों के लिए अध्ययन सामग्री:

कोविड-19 मामलों में गिरावट के साथ ही क्षेत्रीय केन्द्र के पुस्तकालय में आने वाले छात्रों/विद्वानों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। इस दौरान 574 आगंतुकों ने पुस्तकालय का दौरा किया और 856 फोटो कॉपी वितरित की गई।

(ख) पुस्तकों की खरीद:

इस दौरान 165 नई पुस्तकों की खरीद की गई।

(ग) मानार्थ पुस्तकें:

इस अवधि के दौरान पुस्तकालय को मानार्थ पुस्तकों के रूप में प्रो. नागाराजैया (बैंगलुरू) डॉ. एस.के. अरूणी (बैगलुरू), डॉ. एच. चन्द्र शेखर (बैंगलुस), डॉ. गुरूमूर्ति पेंडाकुर (बैंगलुरू), डॉ. मंजिल हजारिका (गुवाहाटी), श्री मुत्तगी श्रीनिवासाचार्य बैंगलुरू से 17

पुस्तकें मानार्थ प्राप्त हुई।

(घ) जर्नल:

इस दौरान केन्द्र ने अपने पुस्तकालय के लिए 20 पत्रिकाओं की सदस्यता ली।

(ङ) परिग्रहण (Accession):

नई खरीदी गई पुस्तकों, मानार्थ पुस्तकों एवं जर्नल के अंको को पुस्तकालय के रजिस्टर में अद्यतन करने के साथ ही कम्प्यूटरीकरण भी पूरा कर लिया गया है। इसके साथ ही इन्हें लाइब्रेरी सील, स्टिकर, टाइटल इंडेक्स कार्ड आदि का कार्य भी कर लिया गया है।

प्रकाशन ब्रिक्री:

इस अवधि के दौरान रु5223 के प्रकाशन की बिक्री की गई। उपरोक्त राशि केन्द्र के बैंक खाते में प्रेषित कर दी गई है।

योग दिवस:

दक्षिण क्षेत्रीय केन्द्र, बैंगलुरू के कर्मचारियों द्वारा योग दिवस 21 जून 2022 को योगाभ्यास किया गया। साथ ही दैनिक जीवन में योग से होने वाले लाभों और महत्व का प्रदर्शन करना भी इसका एक महत्वपूर्ण उद्देश्य रहा।

उत्तर-पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी

1. परियोजनाएँ

केन्द्र द्वारा संचालित निम्नलिखित परियोजनाओं की प्रगति के विषय में बैठकों का आयोजन किया गया।

1. 'Documentation of Cultural Heritage and Setting up of Museum Corners in Peripheral Regions/Villages of India' प्रगति पर है।.
2. 'Survey, Collection, Digitisation and Documentation of Archival Sources on North East India' प्रगति पर है।

2. व्याख्यान श्रृंखला कार्यक्रम

इस अवधि के दौरान एन.इ.आर.सी. गुवाहाटी क्षेत्रीय केन्द्र में आयोजित नियमित व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत निम्नलिखित व्याख्यानों का आयोजन किया गया।

1. व्याख्यान श्रृंखला 67 – डॉ. अनामिका गोगई दुआरा, सह–आचार्य, नृविज्ञान, आर्य विद्यापीठत कॉलेज, असम ने विषय 'Prehistory of Southern Foothills Region of Western Assam' पर दिनांक 28 जनवरी 2022 को गुगल मीट के माध्यम से व्याख्यान दिया गया।
2. व्याख्यान श्रृंखला 68 – डॉ. लिंकन रियांग, सहायक आचार्य, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला द्वारा 'Tribal Development in Tripura: Implementation of Tribal Developmental Scheme in Tripura' विषय पर दिनांक 16 फरवरी 2022 को गुगल मीट के माध्यम से व्याख्यान दिया गया।
3. व्याख्यान श्रृंखला 69 – डॉ. विजय कुमार थंगेलापल्ली, सह आचार्य इतिहास, सिक्किम विश्वविद्यालय, सिक्किम द्वारा विषय 'Property Rights Institutions under the British Rule: Retardation or Development? A Case Study of Andhra' पर दिनांक 22 मार्च 2022 को गुगल मीट के माध्यम से व्याख्यान दिया गया।
4. व्याख्यान श्रृंखला 70 – डॉ. हमिंगटनजुआली, सहायक आचार्य, मिजोरम विश्वविद्यालय, अइजोल द्वारा 'Gender and Memoirs: Locating sources for women's history in Mizoram' विषय पर दिनांक 25 अप्रैल 2022 को गुगल मीट के माध्यम से व्याख्यान दिया गया।

3. 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत विशेष व्याख्यान श्रृंखला

भारत की आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर परिषद् द्वारा 'आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत' विशेष व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत एन.इ. आर.सी. केन्द्र द्वारा निम्नलिखित 08 व्याख्यानों का आयोजन किया गया–

1. व्याख्यान 19 – डॉ. सोमा गुप्ता, अंग्रेजी विभाग, शिलांग जेल रोड, ब्वॉयज, हायर सेकेण्डरी स्कूल, मेघालय ने विषय 'Contribution of Select

Revolutionaries of Bengal towards India's Independence' ने दिनांक 10 जनवरी 2022 को अपराह्न तीन बजे गुगल मीट के माध्यम से व्याख्यान दिया।

2. व्याख्यान 13 – डॉ. झोकुशेइ रहाखो, सहायक आचार्य, इतिहास, फेक गर्वनमेंट कॉलेज, फेक नागालैण्ड ने विषय 'Battle of Kohima 1944; An Appraisal' पर दिनांक 17 जनवरी 2022 को अपराह्न तीन बजे गुगल मीट के माध्यम से व्याख्यान दिया।
3. व्याख्यान 14 – डॉ. गौरी डो, सहायक आचार्य, इतिहास विभाग, डार्जलिंग, वेस्ट बंगाल ने विषय 'Dukari Bala Devi and Noni Bala Devi: Forgotten Female freedom Fighters from Bengal' ने दिनांक 9 फरवरी 2022 को तीन बजे अपराह्न को गूगल मीट के माध्यम से व्याख्यान दिया।
4. व्याख्यान 15 – डॉ. गुनेन्द्र कुमार शर्मा, सहायक आचार्य, कोकराझार गवर्नमेंट कॉलेज, कोकराझार, आसाम ने विषय 'Silpi-Sainik Brajanath Sarma: An Untiring Assamese Hero of the Quit India Movement' पर दिनांक 23 फरवरी 2022 को अपराह्न तीन बजे गूगल मीट के माध्यम से व्याख्यान दिया।
5. व्याख्यान 16 – डॉ. सुदेव चन्द्र बसुमैत्रेय, सहायक आचार्य, इतिहास, बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम ने विषय 'Jogendra Kumar Basumatary: A Freedom Fighter of Lower Assam' पर दिनांक 5 अप्रैल 2022 को अपराह्न तीन बजे गूगल मीट के माध्यम से व्याख्यान दिया।
6. व्याख्यान 17 – डॉ. त्रिदब महंता, सह आचार्य, इतिहास, सिबसागर कॉलेज, जॉयसागर, असम ने विषय 'Biplobi Bir Shankar Chandra Baruah vis-a-vis India's Freedom Struggle' पर दिनांक 12 अप्रैल 2022 को अपराह्न तीन बजे गूगल मीट के माध्यम से व्याख्यान दिया।
7. व्याख्यान 18 – डॉ. सोनाराम कलिता, आचार्य, संकरदेव महाविद्यालय, लखीमपुर, आसाम ने विषय 'Unknown Freedom Fighters and Their Contributions Towards Indian Independence: With Special Reference to Lakhimpur District of Assam' पर दिनांक 12 मई 2022 को अपराह्न तीन गूगल मीट के माध्यम से व्याख्यान दिया।
8. व्याख्यान 19 – डॉ. प्रोजित कुमार पलित, आचार्य एवं निदेशक, सेंटर फॉर इंडोलॉजिकल स्टडीज (सी.आई.एस.) इतिहास विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम ने विषय Ratanmoni and Reang uprising from1940 to 1945 CE in Tripura: Narrativising ethnic consciousness against the State Power and Local Registers'' पर दिनांक 30 मई 2022 को अपराह्न तीन बजे गूगल मीट के माध्यम से व्याख्यान दिया।

4. प्रकाशन

इस अवधि के दौरान डॉ. बालमुकुंद पाण्डेय जी की पुस्तक 'महात्मा मदन मोहन मालवीय : व्यक्तित्व एवं विचार' के संबंध में डॉ. जूरी शर्मा द्वारा असमिया में अनुवाद पूर्ण कर लिया गया है एवं इसको मैसर्स पुरबयांन प्रकाशन, पान बाजार, गुवाहाटी–1 को मुद्रण हेतु भेजा गया है।

5. पुस्तकालय-सह-प्रलेखन केन्द्र

इस समयावधि में एन.ई.आर.सी. के पुस्तकालय में 758 विद्वानों / शोधार्थियों ने शोध कार्य किया। इस दौरान उनकी आवश्कतानुसार 8107 पेजों की फोटोकॉपी की गई।

6. स्वचालन और डिजिटलीकरण गतिविधि:

इस दौरान केंद्र ने गूगल के माध्यम से 248 दुर्लभ पुस्तकें डाउनलोड की तथा दुर्लभ पुस्तकों के 586 पृष्ठों को स्कैन किया है।

7. पुस्तक प्रदर्शनी:

केन्द्र द्वारा 11 एवं 12 फरवरी 2022 को 'August Kranti Movement and Its Multi Facets Dimensions in Assam Reflected in the Freedom Struggle of India' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के सम्बन्ध में बोरभाग विद्यालय, बोरभाग असम में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी सह बिक्री का आयोजन किया गया।

8. नकदी संग्रह:

इस दौरान केंद्र ने 6,123.00 (छः हजार एक सौ तेईस रुपये मात्र) प्रकाशन एवं फोटोकॉपी के द्वारा प्राप्त किए।

9. राजभाषा कार्यान्वयन

इस अवधि के दौरान एनईआरसी ने 150 द्विभाषी (हिंदी और अंग्रेजी) पत्र/प्रधान कार्यालय को अग्रेषित करने के साथ-साथ अन्य पत्राचार भी भेजे हैं।

10. शैक्षणिक सहभागिता

27-28 मार्च, 2022 को डॉ. अम्बेडकर अन्तरराष्ट्रीय केन्द्र, जनपथ नई दिल्ली में एनईआरसी के सभी कर्मचारियों ने परिषद् के स्वर्ण जयंती कार्यक्रम एवं स्वतंत्रता संग्राम, 1757-1947 पर प्रदर्शनी के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लिया।

11. गौहाटी विश्वविद्यालय परिसर में आई.सी.एच.आर. का एन.ई.आर.सी. भवनः

31.01.2022 को आयोजित आईसीएचआर, एनईआरसी, गुवाहाटी की 20वीं निगरानी/सलाहकार समिति की बैठक के निर्णय अनुसार सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित एनईआरसी ने गौहाटी विश्वविद्यालय परिसर में परिषद् के एनईआरसी भवन के निर्माण के लिए कार्रवाई की है। इस संबंध में कार्य आदेश मैसर्स पारिजात एंड कंपनी को 08.04.2022 को जारी किया गया था और कार्यकारी अभियंता, पीडब्ल्यूडी, जलुकबारी और गुवाहाटी वेस टेरिटोरियल बिल्डिंग डिवीजन, जलुकबार गुवाहाटी- 781013 के समक्ष अनुमोदन और स्वीकृति प्राप्त करने के लिए सभी आवश्यक कागजात / दस्तावेजों को फिर से जमा किया गया था। निविदा उद्देश्यों के लिए उपयुक्त प्राधिकारी (डीओएनईआर)। कुछ मुद्दों के कारण, गौहाटी विश्वविद्यालय ने इस प्रक्रिया को बाधित कर दिया है। इस समस्या के जल्द ही निवारण की संभावना है।

12. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवसः

केंद्र ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस दौरान सभी कर्मचारियों ने योगाभ्यास में भाग लिया तथा मुख्यालय द्वारा आयोजित प्रोफेसर वीनू पंत, सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा दिए गए योग दिवस व्याख्यान में ऑनलाइन भागीदारी की।

.

पश्चिमी क्षेत्रीय केन्द्र (पुणे)

भारत के पश्चिमी भाग के दूर-दराज के क्षेत्रों तक परिषद् की योजनाओं, लक्ष्यों तथा नवीन शोधों को पहुचाने की दृष्टि से परिषद् के पुणे केन्द्र की स्थापना की गई थी। अपने पुस्तकालय के माध्यम से यह केन्द्र शोधार्थियों को उनके शोध पूरा करने में सहायता प्रदान कर रहा है। यहाँ समय-समय पर इतिहास तथा इससे संबद्ध शोधार्थियों के लिए संगोष्ठी, कार्यशाला, परिसंवाद, व्याख्यान आदि का आयोजन कराया जाता है। साथ ही देश भर के जाने-माने इतिहासकारों का सान्निध्य प्राप्त होता रहा है। केन्द्र ने शोधार्थियों के हित में कई कदम उठाये हैं और विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया है। जिसका विवरण निम्नलिखित है:-

व्याख्यान श्रृंखला कार्यक्रम (ऑनलाइन)

1. इस अवधि के दौरान केन्द्र द्वारा 15 जनवरी 2022 को डॉ. संतोष बी. बोडके, इतिहास विभाग, आर.एन.सी. आर्ट्स, जे.डी.बी. कामर्स व एन.ए.सी. साइंस कॉलेज नासिक, महाराष्ट्र द्वारा 'भारतीय स्वातंत्र्य संग्रामातील नाशिक जिल्ह्याचे योगदान' विषय पर ऑनलाईन माध्यम से व्याख्यान दिया गया।
2. 17 जनवरी 2022 को प्रो. अरूण वघेला, इतिहास विभाग गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा 'From Violence to Non-Violence: A Tribal Journey of India Freedom Movement (Special Reference to Tribal of Gujarat-1857 to 1947)' विषय पर व्याख्यान दिया गया।
3. 31 जनवरी 2022 को डॉ. अनुराधा माथुर, इतिहास विभाग, रामगढ, अलवर राजस्थान द्वारा 'Filling the Gap Among Social Classes: Efforts of Youth in Alwar State (1920-1948)' विषय पर व्याख्यान दिया गया।

बैठकें:

3 जनवरी 2022 को पश्चिमी क्षेत्रीय केन्द्र, पुणे की 7वीं परामर्श/निरीक्षण समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

प्रकाशन:

पश्चिमी केन्द्र द्वारा प्रकाशन संबंधी निम्नलिखित कार्य किए गये।

- स्वतंत्र्यवीर वि.दा. सावरकर यांचा इतिहास विषयक दृष्टिकोण, लेखक डॉ. अशोक गजानन मोडक, कुलपति, गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, विलासपुर, छत्तीसगढ़।
- हैदराबाद मुक्तिसंग्रामात मराठी वर्तमानपत्रांची भूमिका, लेखक प्रशांत सुधाकर देशमुख, प्राध्यापक, इतिहास विभाग, अप्पासाहेब र.भा. गरुड महाविद्यालय, शेंदूरणी, जिल्हा, जळगाव, महाराष्ट्र।

व्याख्यान श्रृंखला के अर्न्तगत प्रकाशन

1. प्रो. ए.आर. भौंसले, पूर्व विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र 'Parallel Government of Satara' विषय पर (मराठी में)।
2. डॉ. भूषण जी फाडतारे, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, भारतीय जैन संगठन, आर्टस, कार्मस व साइंस कालेज, नासिक, महाराष्ट्र द्वारा 'भारतीय स्वातंत्र लढ्यात पुणे जिल्हाचे योगदान' विषय पर (मराठी में)।
- Dr. Santosh D. Bodake, Department of History, RNC Arts JDB Commerce and NSC Science College, Nashik, Maharashtra, India on 'भारतीय स्वातंत्र्य संग्रामातील नाशिक जिल्ह्याचे योगदान' (In Marathi).
3. प्रो. अरूण वघेला, इतिहास विभाग, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा 'From Violence to Non-Violence: A Tribal Journey of India Freedom Movement (Special Reference to Tribals of Gujarat-1857 to 1947)' विषय पर व्याख्यान के प्रकाशनार्थ।
4. प्रो. अनुराधा माथुर, इतिहास विभाग, रामगढ, अलवर राजस्थान द्वारा 'Filling the Gap Among Social Classes: Efforts of Youth in Alwar State (1920-1948)' विषय पर व्याख्यान के प्रकाशनार्थ।

विशेष शोध परियोजना (यादव शिलालेख) पर बैठक:

परिषद् की विशेष परियोजना 'The Collection of Source Material for the History of the Yadavas' की पहली विशेषज्ञ समिति की बैठक 26 फरवरी 2019 को इंडोलोजी विभाग तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे में आयोजित की गई थी। यह परियोजना फरवरी 2022 से शुरू की गई है। उपरोक्त के लिए निम्नलिखित व्यक्ति कार्य कर रहे हैं।

1. डॉ. अम्बरीश खरे, परियोजना निदेशक
2. डॉ. नीलिमा माधव धत्ते, शोध सहायक

संवाद–पत्र

NEWSLETTER

Vol.19, No.1-2, Jannuary-June 2022

संवादपत्र
Newsletter
Vol. 19, No. 1-2, January-June 2022

Editors

Dr. Rajesh Kumar
Dirctor
(Journal, Publication & Library)

Dr. Om Jee Upadhyay
Director
(Research & Administration)

Dr. Saurabh Kumar Mishra
Deputy Director
(Journal)

Dr. Md. Naushad Ali
Deputy Director
(Publication)

Compilation & Editorial Assistance
Dr. Jyoti Shukla
Shri Gaurav Kumar

Contents

Chairman's Column	
Golden Jubliee/Foundation Day	03
National Seminar under 'Azadi Ka Amrit Mahotsav'	08
Publications	09
Satish Chandra Mittal Library-cum-Documentation Centre	12
Research Funding Schemes	12
Other Activities	24
Regional Centres	26

3

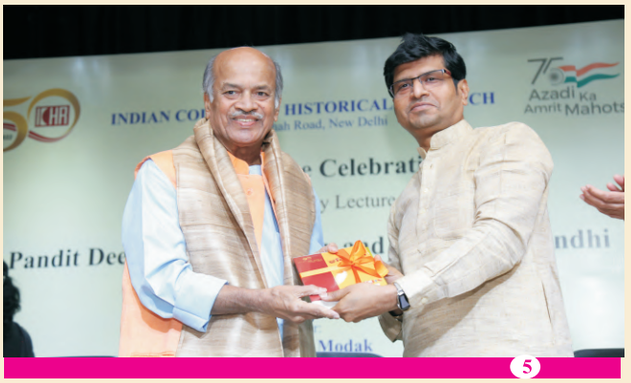

5

25

7

Published by
Member Secretary
On behalf of the Indian Council of Historical Research, 35, Ferozeshah Road, New Delhi- 110 001,
Phone: 011-23387877, 011-23386033; Fax: 011-23387829, 011-23383421, *Email*: ms@ichr.ac.in
Web: www.ichr.ac.in
Designing & Type Setting : Shri Raju Verma (Hindi Typist, ICHR), Printed at Seema Printers, Bawana (8700316451)

Hon'ble Vice President, Shri M. Venkaiah Naidu, Hon'ble Minister of Education Shri Dharmendra Pradhan, Chairman Prof. Raguvendra Tanwar, Former Chairman Prof. Arvind P. Jamkhdkar, Member Secretary Prof. K. Ratnam releasing volumes published by the ICHR (28 March 2022).

Academic Programmes on the occasion of ICHR's Golden Jubliee Exhibition:

The ICHR was established in 1972 with the prime objective of promoting and giving directions to historical research and encouraging and fostering objective and scientific writing of history. Taking forward its objectives, the ICHR has completed its 50 years successfully. To mark this important milestone ICHR celebrated its Golden Jubilee by organizing several academic programmes on 27th and 28th March, 2022 at Dr. B.R. Ambedkar International Centre (DAIC), Janpath, New Delhi.

Special Lecture on 27 March 2022: On the occasion of ICHR's Foundation Day, Professor Ashok Modak, Chancellor, Guru Ghasidas Central University, Bilaspur, Chhattisgarh, delivered the Foundation Day Lecture on 'Pandit Deendayal Upadhyay and Mahatma Gandhi'. Prof. Sudarshan Rao, Former Chairman of ICHR, presided over the Lecture. The programme was organized at Dr. Ambedkar International Centre, 15 Janpath, New Delhi.

Special Lecture Series on 28th March, 2022:

As part of Golden Jubilee Celebrations a Lecture Series programme was conducted in two sessions.

The focus area of the morning session was 'Indian Knowledge Systems'. In this session, Prof. Kapil Kapoor, former Professor of English, JNU and concurrent Professor Special Centre for Sanskrit Studies, JNU, spoke on 'Two Knowledge Culture-Vedic and Abrahamic', Prof. M.D. Srinivas, Centre for Policy Studies, Chennai spoke on 'Indian Knowledge Systems: Their Past, Present and Future' and Prof M. Rajiv Lochan, Punjab University, Chandigarh & Ms. Meeta Rajivlochan (IAS), Member Secretary, National Commission for Women, New Delhi spoke on 'Creating Knowledge Systems for the Future: Learning from the Past'. The session was conducted by Prof. Raghuvendra Tanwar, Chairman, ICHR.

Hon'ble Vice President, Shri M. Venkaiah Naidu, Hon'ble Minister of Education Shri Dharmendra Pradhan inaugurating the Exhibition on Freedom Movement.

The focus area of the post lunch session was 'Temple Architecture'. In this session, Dr. Chithra Madhvan, Historian from Chennai spoke on 'Development of Temple Architecture in Tamil Nadu' and Prof. Kapil Kapoor chaired this session.

To commemorate 75 years of India's independence, under Azadi Ka Amrit Mahotsav programme and also to mark the completion of ICHR's 50 years, the ICHR had put up an Exhibition on 'Freedom Struggle of India 1857-1947' at Dr. Ambedkar International Centre, New Delhi. This unique Exhibition showcased the saga of almost 200 years of freedom struggle and the overwhelming participation throughout the country against the British Raj. The Exhibition was inaugurated on 28th March, 2022 by the Hon'ble Vice President, Shri M. Venkaiah Naidu in the presence of Hon'ble Union Minister of Education, Shri Dharmendra Pradhan, followed by the release of ICHR's publications.

On 29th March, Hon'ble Union Minister of Education and several parliamentarians visited the Exhibition and appreciated ICHR's efforts. In accordance with the direction of the Hon'ble Union Minister of Education, the Exhibition was organised in the Parliament House, even as Parliament was in session between 4th and 8th April, 2022. It was inaugurated by the Hon'ble Speaker of Lok Sabha, Shri Om Birla; Hon'ble Union Minister of Education, Shri Dharmendra Pradhan; Hon'ble Ministers of State for Education Smt. Annpurna Devi and Dr. Rajkumar Ranjan Singh; Hon'ble Minister of State for Parliamentary Affairs & Culture Shri Arjun Ram Meghwal, also attended the inauguration programme of the Exhibition at the Parliament House. Shri K. Sanjay Murthy, Secretary, Ministry of Education and Shri Vineet Joshi, Additional Secretary, Ministry of Education were also present during the inaugural session of the Exhibition in the Parliament House. A Delegation of Tibetan Government (in Exile) led by the Deputy Speaker (Ms. Teykhang), Tibetan Parliament (in Exile, CTA), Dharamshala, India, also visited the Exhibition. Ms. Teykhang commented: *'A wonderful depiction of struggle of India's Freedom. Tibetans can learn from the sacrifice of all known and unsung heroes of India. Amazing experience of learning'*. The Exhibition was visited and appreciated by several Hon'ble Union Ministers, Hon'ble MPs, Hon'ble MLAs, scholars and officials of Parliament House.

Subsequently, the Exhibition was installed at the Indian Institute of Mass Communication, New Delhi for two days (28th and 29th April, 2022).

On the request of the Rashtrapati Bhavan Museum (RBM), the Exhibition was organised in the RBM from 18th May to 12th June 2022.

The Exhibition has received wide appreciation.

ICHR's Golden Jubliee and Exhibition Programme, 27 - 28 March 2022

Member Secretary, Prof. K. Ratnam with Former Chairman ICHR, Prof. Y. Sudershan Rao

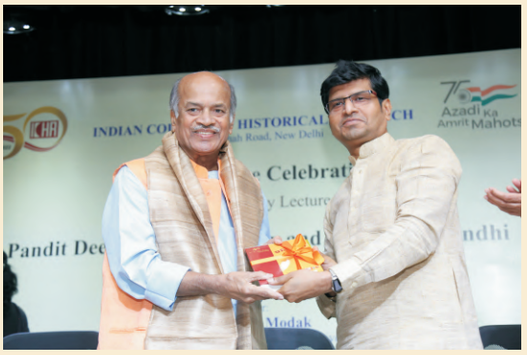

ICHR member Prof. Umesh Ashok Kadam felicitating Prof. Ashok Modak Chancellor Guru Ghasidas Central University, Bilaspur

At the Golden Jubilee Programme

Prof. Kapil Kapoor, Former Chairperson IIAS Shimla at his lecture.

Prof. Ashok Modak with Prof. B. Labh V.C. & Prof. Arvind P. Jamkhedkar former Chairman ICHR

Dr. Chitra Madhvan, addressing the audience

Delegates, ICHR Council members and staff during the Lecture Programme

Prof. Ashok Modak Chancellor, Guru Ghasidas at the Golden Jubilee

Shri M. Venkaiah Naidu addressing the Golden Jubilee programme.

ICHR's Exhibition Programme

Hon'ble Vice President, Shri M. Venkaiah Naidu, Hon'ble Minister of Education Shri Dharmendra Pradhan at the Golden Jubilee, 28 March 2022.

Hon'ble V.P. Shri M. Vankaih Naidu & Minister of Education Shri Dharmendra Pradhan visiting the Exhibition

Shri Dharmendra Pradhan the Hon'ble Minister of Education addressing the Golden Jubilee Programme

Shri Hardip Puri, Hon'ble Union Minister with Hon'ble Members of Parliament at the Exhibition, 29 March 2022.

Shri Om Birla, Hon'ble Speaker Lok Sabha with Hon'ble Ministers and Member of Parliament at the Exhibition.

Dr. Vinay Sahasrabuddhe, President ICCR, Smt. Meenakashi Lekhi, Union Minister with Chairman at the Exhibition, 29 March 2022.

Shri Om Birla, Hon'ble speaker of Lok Sabha inaugurating the ICHR exhibition on the Freedom Movement at the Parliament House Library, 4 April 2022

Shri Dharmendra Pradhan Hon'ble Minister of Education at the exhibition, 4 April 2022 Parliament House Library

Shri Om Birla, Hon'ble Speaker Lok Sabha visiting the Exhibition at Parliament House Library

ICHR's Exhibition Programme

ICHR staff at the Foundation Day Programme, 28 March 2022

Hon'rable Minister of Education, Shri Dharmendra Pradhan and Shri K. Sanjay Murthy, IAS, Secretary-H. Education with officials of ICHR during the Exhibition at Parliament Library, 4 April 2022.

Prof. Sanjay Dwivedi, DG-IIMC & Prof. Santishree Dhulipudi Pandit, V.C. JNU, visiting the Exhibition on Freedom Movement at IIMC New Delhi, 27 April 2022.

Amrit Mahotsav':
Special Seminars: Under Azadi Ka Amrit Mahotsav

- One-day National Webinar on 'Cultural Penetration of the Colonial Milieu and the Bhartiya Response (1905-1947): with special reference to South India' at South Regional Centre, Bengaluru, was organized by Indian Council of Historical Research, New Delhi, on 14th January, 2022.
- Two-day National Symposium on 'Challenges of Understanding History' at Gautam Buddha University. Greater Noida (UP) was organized by Indian Council of Historical Research, New Delhi, on 30th-31st March, 2022.

Three day National Seminar on Revisiting the Life and Legacy of Maharaja Gulab Singh, 15th-17th June, 2022 in the Department of History, Jammu University, Jammu

The programme was started by lighting of the "Ceremonial Lamp" along with recitation of the "Vedic mantras" by the scholars of the Department of Sanskrit.

Prof. Suman Jamwal, HoD, Department of History, extended a welcome note and introduced the dignitaries including Prof. Umesh Rai, Hon'ble Vice Chancellor, University of Jammu and Prof. Raghuvendra Tanwar, Chairman, ICHR, New Delhi and others.

The theme of the seminar was introduced by Prof. Shyam N. Lal who gave description of the lasting legacy of Maharaja Gulab Singh and his contribution in the formation of erstwhile state of J&K and how his role has largely been neglected in the larger historical discourse.

In order to facilitate the Hon'ble guests, the beautiful Basholi paintings were presented to the Dignitraies.

Dr. Saurabh Kumar Mishra (Deputy Director Journal) Moderating the Seminar

Further Prof. Umesh Rai, welcomed all the guests on behalf of Jammu University and emphasized on the need to re-examine the perceptions about Maharaja Gulab Singh.

The keynote address was presented by Sh. Ashutosh Bhatnagar who spoke about J&K being an integral part of India and its strategic importance and how Maharaja Gulab Singh and his generals reclaimed the cultural frontiers of India. He emphasized the necessity of situating history of this region in the larger perspective.

The presidential remarks were given by Prof. Raghuvendra Tanwar. He stressed upon revisiting the history of J&K and announced the need for rewriting it. He also underlined the fact that ICHR is engaging itself in the reconstruction of the history of the region and its proper production for the citizens of India. In this regard, he also encouraged the research scholars to take up projects of J&K history in collaboration with ICHR.

The inaugural session was concluded by Dr. Madhulika Singh, who presented a vote of thanks. She extended her gratitude to all the dignitaries including Prof. Umesh Rai, Prof. Raghuvendra Tanwar, Sh. Ashutosh Bhatnagar,

Padam Shree Shiv Nirmohi, Padam Shree K. N. Pandita and other distinguished guests.

Publications:

The ICHR, a premier institution in the field of historical studies, provides lead in fostering research on all aspects of Indian history. A number of research projects are undertaken or sponsored every year and new findings are brought out in print to the reading public.

During the period under report the following books proceedings of lecture series and journals were published:

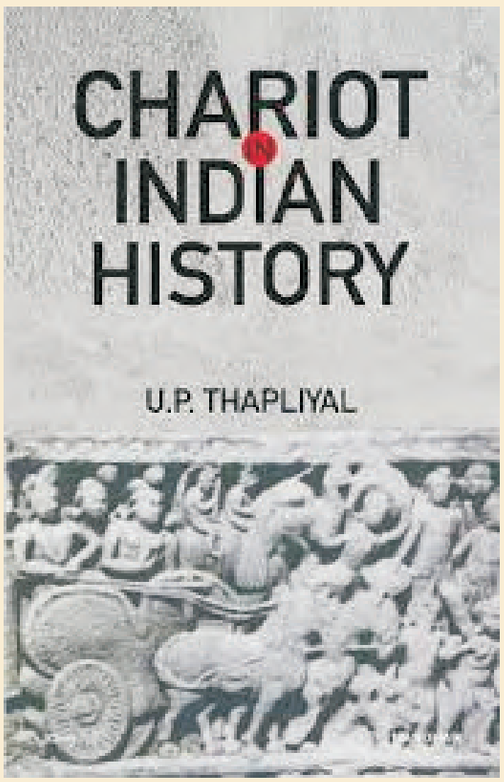

Books:

* *Chariot Indian History* by U.P. Thapliyal (completed under ICHR's Senior Academic Fellowship)
* *Quit India Movement in Rajasthan* by Vijay Kumar Vashishtha (completed under ICHR's Senior Academic Fellowship).
* *Bengali Almanac: An Uncharted Area of Indian mass Communication* by Dr. Nilay Kumar Saha (completed under ICHR's Senior Academic Fellowship)

Journals

* *Indian Historical Review (IHR),* Vol.49, No.1
* *इतिहास (शोध पत्रिका) भाग–8, संख्या–1*

Lecture Series:

* *स्वातंत्र्यवीर वीर दामोदर सावरकर यांचा इतिहास विषयक दृष्टिकोण,* डॉ. अशोक गजानन मोडक
* *हैदराबाद मुक्तिसंग्रामात मराठी वर्तमानत्रांची भूमिका ,* डॉ. प्रशांत सुधाकरराव देशमुख द्वितीय

Indian Historical Review (IHR)

The ICHR's journal, *Indian Historical Review (IHR),* in English, has served the community of historians since 1974. It is perhaps the only journal of its kind in India that has been published continuously for 49 years. It addresses research interests in all areas of historical studies, ranging from early times to contemporary history. While its focus is on the

Indian Subcontinent it has carried historical writings on other parts of the world, as well. Committed to excellence in scholarship and

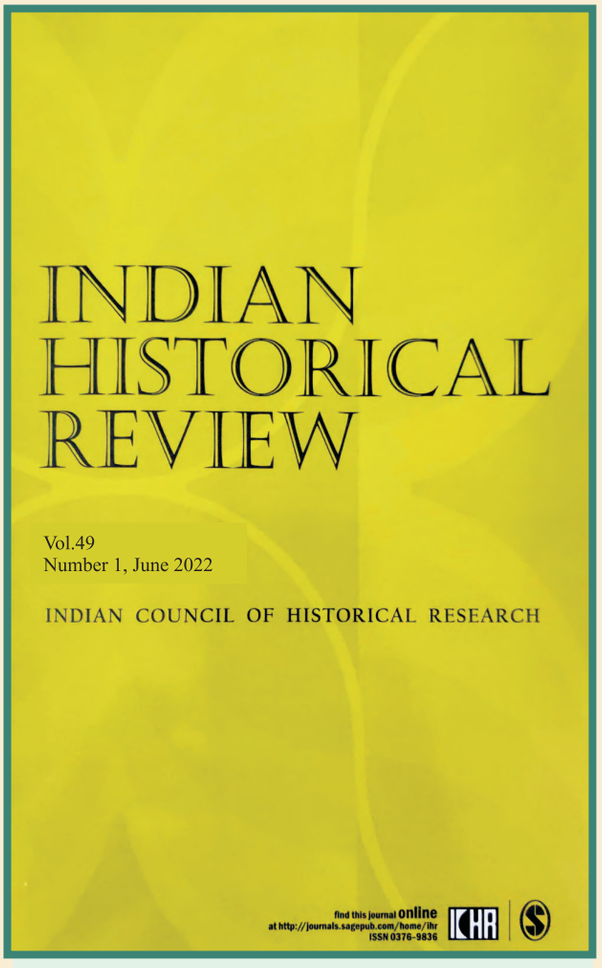

accessibility in style, *IHR* welcomes articles which deal with recent advancements in the study of history and discussion of method in relation to empirical research. All articles, including those which are commissioned, are independently and confidentially referred. It has been an important means of transmitting results of researches in history. It has won wide recognition for its comprehensive and balanced coverage of different periods, as well as its high academic and editorial standards. *IHR* carries articles of a general nature though some issues are focused on particular themes. Articles, review articles, book reviews and short notices are its regular features. The journal is edited by an Editorial Board appointed by the Council. The Council also obtains the advice and support of the journal's Advisory Committee, which consists of eminent scholars working in the area of Indian historical studies in India and abroad. Details with respect to the progress made in the publication of the *IHR*, i.e. issue brought out during the period under report is given below:

Volume 49.1 June 2022

Articles:

- 'The True Location of Kapilavastu'
  –Ramakanta Mishra
- 'The Lady and the Gentleman: Changing Gender Relations and Anxietiesin Early Malayalam Cartoons'
  –Nassif Muhammed Ali
- 'The State, Village Communities and the Brahmanas in Goa (1000–1600 ce)'
  –Nagendra Rao
- 'Shrinking Greens: Travellers' Account of the Heritage Gardens of Ahmedabad-1400–2016 69'
  –Mahesh Sharma
- 'Khairul Majalis: Highlighting the Virtues of Shaikh Nasiruddin Chiragh-i-Dehli'
  –Pratibha
- 'The Dutch in Bengal, C. 1650–1707 and Their Relations with Local Mughal Administration'
  –Nadara Ashafaque
- 'Grain Trade, Climate Change and Famines: A Study of Awadh from c.1858–1900'
  –Nalini Singh
- 'Mahatma and Mahamana: Agreement within Differences'
  –Bhuwan Kumar Jha

Book Reviews

- Harsh Mahaan Cairae, *An Aryan Journey* by Vasant Shinde
- K. L. Tuteja, *Religion, Community and Nation: Hindu Consciousness and Nationalism in Colonial Punjab* by Himadri Banerjee
- Zakir Husain, *Medieval India: Studies in Polity, Economy and Society (Fourteenth-Nineteenth Centuries)* by Gyaneshwar Khurana
- Alan Jaffreys, *The Indian Army in the First World War* by U. P. Thapliyal
- Jangkhomang Guite, *Against State, Against History: Freedom, Resistance, and Statelessness in Upland Northeast India* by Amrendra Kumar Thakur

ii) इतिहास (शोध–पत्रिका)

In view of the increasing number of history researches in Hindi and to make available the quality research articles to the Hindi researchers the ICHR started a bi-annual journal *इतिहास (शोध–पत्रिका)* in 1991-92. Further, the Editorial Board revived *इतिहास (शोध–पत्रिका)* in 2015 and decided that research articles, originally written in Hindi will be considered for *इतिहास (शोध–पत्रिका)*. Thereafter, the journal is published at its regular intervals. During this period *इतिहास (शोध–पत्रिका)* Volume 7, Number 2 July-December 2021 has been published by the ICHR. This issue contains 07 research articles and 04 book reviews.

Details of the research articles and book reviews included in Volume 7 Number 2, July-December 2021 are as follows:

शोध-लेख

- 'बौद्ध-श्रमण विचारधारा का ईसाई धर्म पर प्रभाव' **–गयाचरण त्रिपाठी**
- 'देहरादून के चाय बागानों का एक ऐतिहासिक अध्ययन' **–दिनेश प्रसाद सकलानी, मीनाक्षी**

- 'भारत कला भवन, वाराणसी की विशिष्ट सैरन्ध्री प्रतिमा: एक विवेचन' **–ज्ञानेन्द्र नारायण राय**
- 'पुराणों मे सूर्य और उनके परिवार सम्बन्धी शब्दों का निर्वचन' **–मीनू अग्रवाल**
- 'भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन और महिला सहभागिता (1885–1920 ई.)' **–श्वेता**
- 'औपनिवेशिक सत्ता एवं भारतीय प्रतिरोध (महाराज फतेह बहादुर शाही के विशेष सन्दर्भ में)' **–मनोज कुमार तिवारी**
- 'थारु जनजाति-उत्पत्ति एवं विकास (ऐतिहासिक विश्लेषण)' **–नम्रता कुमारी**

पुस्तक समीक्षा :

- डॉ. राजीव रंजन उपाध्याय, *प्राचीन तुर्की–अनातोलिया के वैदिक हित्ती शासक*, प्रथम संस्करण 2021 –ईश्वर शरण विश्वकर्मा

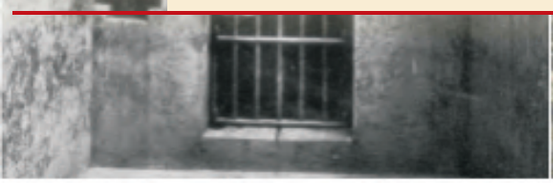

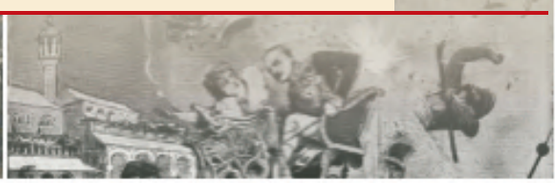

- प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी, *भारत निर्माण एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य* –अजय कुमार सिंह
- डॉ. विक्रम सिंह राठौर, *राजस्थान की संस्कृति में नारी (मारवाड़ के विशेष सन्दर्भ में)*, प्रथम संस्करण, 2020 –विभा उपाध्याय
- प्रो. विमलेन्द्र कुमार, *विसुद्धिमग्गचुल्लटीका सङ्खेपत्थजोतनी (सील–धुतङ्गनिद्देस–वण्णना)*, संस्करण, 2021 –धर्मचन्द्र जैन

Prof. Satish Chandra Mittal Library-Cum-Documentation Centre:

The ICHR Library, the knowledge hub of the organization provides comprehensive access to books, journals, thesis and dissertations covering diverse discipline.

The Library offers a congenial atmosphere with the reader cultured approach in a serene and calm environment to the readers. The Library cum Documentation Centre has been scaling up digital services to its readers. Understanding that the digital reach of Libraries will be valued and needed more than ever by users, we extended our online and digital resources to the scholars to support research and teaching. ICHR Library is committed to provide easy access to its physical and digital collections and delivering services that are open and available to all. It is determined to make the knowledge held within its collections as widely available as possible. During the period approximately 300 Scholars visited the Library for reference work and approx imately 4000 exposures (photocopies) were delivered to the scholars for their research requirement. Being a member of the DELNET (Developing Library Network), the Library has an advantage of accessing bibliographic information of books and can borrow books on Inter Library Loan from different Libraries of Delhi and some of the Libraries in other parts of the Country. During the period approximately 40 transactions as Inter Library Loan with DELNET for the Scholars reference service were provided.

Library cum Documentation Centre has purchased about 300 books and received about 40 Complimentary books and 93 M.Phil/PhD Thesis/Dissertations/reports etc from Grants –in-Aid Units of the Council, which are received by various units under different schemes of financial grant during the review period.

Research-Funding Schemes:

The primary objective of the Council is to promote and give direction to historical research and to encourage and foster objective and scientific writing of history. Enhancing the academic standard of the output of ICHR activities has been the foremost objective of ICHR. In pursuance of this objective, the Council (i) provide fellowship and financial assistance to young teachers in colleges, universities and registered research organizations, as well as to senior scholars who might need financial support to pursue their research; (ii) bring historians together by providing financial assistance for holding symposia, seminars, workshops, etc. exchanging views related to history; (iii) provide publication subsidy to the research thesis, manuscripts, seminars, proceedings, congress proceedings, journals, etc. so that these publications may reach out to researchers and scholars.

The grants-in-aid are awarded to scholars/ institutions and are released through affiliating agencies, like research institutes, universities or colleges.

Research Funding schemes of ICHR are as follows:

(i) Junior Research Fellowship (JRF):

Junior Research Fellowship amounts to Rs. 17,600 per month with a contingency grant of Rs.16,500 per annum for a period of two years. A scholar registered for the degree of Ph.D. or equivalent in an Indian university is eligible. An all India Level Examination followed by Presentation-cum-Interview of the shortlisted candidates is conducted for selection of the Fellows. Every year the ICHR awards JRF to

the eighty scholars who are registered in recognized Universities for Ph.D. programme in History and allied subjects.

Post-Doctoral Fellowship (PDF):

The Indian Council of Historical Research awards Post Doctoral Fellowships every year to ten (10) scholars. As per the Research Funding Rules of ICHR, the Post-Doctoral Fellows have to make a presentation of their annual comprehensive progress reports before a panel of experts. PDF amounts to Rs.30,800/- per month, with a contingency grant of Rs.22,000/- per annum for a period of two years.

During the period the Unit received 157 application for the PDF 2021-22. After short listing the applications as per the comments/ evaluations by the subject experts, the Presentation-cum-Interview was held on 6 & 7 March 2022 through hybrid mode. As per the assessment by the experts panel the result was placed before the 167th meeting of RPC held on 11.03.2022 and after approval by the RPC, offer letters were issued to the selected candidates. Apart from that as per the Research Funding Rules of ICHR, the Post-Doctoral Fellows have to make presentation of their annual comprehensive reports before the panel of experts. The Evaluation of Annual Progress Report of 12 PDF scholars (session 2020-2021) was on 18th May 2022 through online/offline mode.

List of Awardees:

1. Dr. Rahul Kumar Tyagi, 46 Kapsour, Pandari, Mirzapur - 231001 (UP) to work on 'प्रयागराज व वाराणसी के मध्य गंगा के किनारे स्थित उत्खनित पुरास्थालों का सांस्कृतिक अध्ययन'.
2. Dr. Rashmi Singh, Bhagawati Nagar Colony, Block A, Susuwahi, Lanka, Varanasi - 221011 (UP) to work on 'खरवार जनजाति का सांस्कृतिक अध्ययन: उत्तर प्रदेश के कैमूल क्षेत्र के विशेष संदर्भ में'.
3. Dr. Sangeeta Kumari, H. No. 201-B, Residential House, PLCSUPVA, Rohtak-124001 (HR) to work on 'भारतीय इतिहास में शिव विवाह मूर्तियों का सामाजिक संदर्भ (6वीं से 13वीं ई. तक)'.
4. Dr. Kumkum Pathak, House No. New G27, Hyderabad Colny, (Opposite to GRT Apartments), BHU, BHU, Varanasi-221005 (UP) to work on 'Ayurveda Ke Aacharya - Granthon Ka Aitihasik Adhyayan : Vedic Kal Se Guptottar Kal Tak'.
5. Dr. Manu Jayas, H.No. 513, B-Block, Vijaya Raghava Township, Serilingampalli, Near HP Petrol Pump, Hyderabad-500019 (Telangana) to work on 'Ordinary Women in Early Medieval South India: A Study based on Epigraphs, Murals and Sculptures'.
6. Dr. Tejasvini Gowda, H. No. 57 POA PH, Sadashiv Nagar, Rashstothana Yoga Centre, Bengaluru - 560080 (Karnataka) to work on 'India's North Western Frontiers: Cultural Connect through Ages'.
7. Dr. Bhagyamani Kharwar, Om Nagar Colony, Adity Nagar, Chitaipur, Varanasi - 221005 UP to work on 'काशी में संत परम्परा में संत रविदास (सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में)'.
8. Dr. Rameshwar Mishra, Lane No. 11, Mahamanapuri Colony, Near Morning Glory School, Lanka, Varanasi - 221005 (UP) to work on 'मुग़ल काल में अहोम लोगों के आदिवासी स्वरूप में परिवर्तन'.
9. Dr. Prasann Kumar S.R., H. No. 77, Sanabanahalli, Madenahalli (Post), Gubbi (Tq), Tumkur - 572117 (Karnataka) to work on 'Analytical Study of Memorial Stones of Tumkur District'.

(iii) Senior Academic Fellowship (SAF):

Senior Academic Fellowship is awarded to senior scholars who have done quality work and have publications in the form of books and research papers in professional journals to their credit. The Fellowship amounts to Rs. 44,000 per month, with a contingency grant of Rs. 44,000 per annum for a period of two years.

During the period the ICHR received

applications for SAF, 2021-22. After short listing the applications as per the comments/evaluations by the subject expert, the Presentation-cum-Interview was held on 8th March 2022 through hybrid mode. As per the assessment by the experts panels the result was placed before the 167th meeting of RPC held on 11.03.2022 and after approval by the RPC, offer letters were issued to the selected candidates. Apart from that as per the Research Funding Rule of ICHR, the Senior Academic Fellows have to make presentation of their annual comprehensive progress reports before the panel of experts. The Evaluation of Annual Progress Report of 09 SAF scholars (session 2020-2021) was held on 19th May 2022 through online/offline mode.

List of Awardees (2021-22):

1. Dr. Sujit Kumar Ghosh, DE 132, Street No.332, near Bishorjon Ghat, New Town, Kolkata-700156 to work on 'Socio –Cultural Modernism in South Assam with Reference to Dimasa-Kacharis'.
2. Prof. Ashok Kumar Singh, S-10/270 K-5, Varunanagar, Hukulganj, Varanasi-221002 (U.P.) to work on 'अफ़गान इतिहासकार और इतिहास – लेखन'.
3. Prof./Dr. Shanti Pappu House No. 28 , IST Main Road, C.I.T. Colony, Mylapore, Chennai – 600004 (Tamil Nadu) to work on 'Decoding Prehistoric Tool Use: Experimental and Ethnoarchaeological Approaches'.
4. Dr. Sandhya Mishra, H. No. 37 Green Park Bareilly – 243006 Uttar Pradesh to work on 'उत्तर–प्रदेश में संघर्ष और पत्रकारिता का नया दौर (1920 से 1934 तक)'.
5. Dr. Dambarudhar Nath, Vice Chancellor, Majuli University of Culture, Majuli-785106 to work on 'The Natha Pantha and the Yogi Caste of Assam: A Historical Study'.
6. Dr. Ashok Kumar Sinha C/o Vinay Kumar(Adv.), Near Priya ITI, Adarsh Colony, Saguna More, Danapur Patna, Bihar-801503 to work on 'बूढ़ी गण्डक नदी घाटी का पुरातात्विक एवं सांस्कृतिक अध्ययन'.
7. Dr. Megha Ram Gadhveer AD-7 Mahavir Nagar,Barmer- 344001Rajasthan to work on 'पश्चिमी राजस्थान के ऋषि सन्त और उनका धार्मिक एवं सामाजिक प्रभाव'.
8. Dr. Mohan. D, H.No. 2-3-27/11, Vijayapuri Colony, Uppal, Hyderabad, Telangana - 500039 to work 'Contribution of the Speech Recognition for Agriculture based Interactive Voice Response System in Lambadi Language'.

(iv) National Fellowship (NF):

The National Fellowships is offered by the Chairman, ICHR in consultation with Research Projects Committee (RPC) Members to the eminent scholars in History who have made outstanding contribution to research in their respective fields, to enable them to continue their academic and research work.

The 168th Research Projects Committee meeting held on 29.06.2022 recommended following names to offer the National Fellowship of ICHR:

- Prof. Nanditha Krishna, Chennai
- Prof. Smriti Kumar Sarkar, Kolkata
- Dr. K. K. Muhammed

(V) Gurukul Fellowship (GF):

In keeping with the Indian tradition of education System, the ICHR introduced a new Fellowship-'Gurukul Fellowship' for Historians and their disciples. This Fellowship is given in two components–Guru (Teachers) and his/her Shishya (Disciple) for a period of two years. The Guru would be entitled to an honorarium of Rs. 55,000/- per month along with a contingency grant not exceeding Rs. 60,000/- per annum and Disciple would be awarded Fellowship of Rs. 28,000/- per month and a contingency grant not exceeding Rs. 20,000/- per annum.

On 28 June 2022 a meeting of the Search-cum-Selection Committee was held to process the selection of the Gurus.

(VI) Research Projects Grant:

The Research Projects Committee (RPC) may award a grant for a project of research in History or on a theme substantively including an aspect or aspects of History, undertaken within India, to a scholar as Project Director, who has shown significant competence in research work, having been awarded, his / her Ph.D. or equivalent research work. Bonafide institutions with a well established and respected record of historical research may also apply for funding for projects. The objective of such grants is to enable institutions to improve the state of research collections.

During the period under report, Presentation-cum-Interview for the award of Research Projects was held on 23-24/06/2022.

The Presentation-cum-Interview held on 23-24/06/2022 and the result was reported to the 168th meeting of RPC held on 29/06/2022. The RPC approved the following proposals:

1. Dr. Gyan Prakash, Department of Humanities and Social Sciences, IIT (ISM) Dhanbad, Jharkhand – 826004 for financial support for a Research Project on 'The Study of Evidences of Deep Ecology in the Early Buddhist Text'.
2. Dr. Poonam Dixit, Flat No. 1, Zahid Building, Golghar, Gorakhpur (U.P.) - 273001 for financial support for a Research Project on कुषाण एवं गुप्तकालीन मुद्राओं का सांस्कृतिक अध्ययन.
3. Dr. Pallavi Nalawde Jambhale, K.J. Somaiya Institute of Dharma Studies, 3rd Floor, SIMSR, Somaiya Vidyavihar University, Vidyavihar East, Mumbai (M.H.) - 400077 for financial support for a Research Project on 'Documentation of sculptures of Nainagiri (Madhya Pradesh)'.
4. Dr. Ajeet Kumar Tripathi, H.No.96, Village & Post- Sohgaura, District Gorakhpur (U.P.) - 273413 for financial support for a Research Project on प्राचीन भारत की चित्रकला में प्रतिबिंबित मानव समाज एवं संस्कृति (प्रारम्भ से 12वीं शताब्दी तक).
5. Dr. Khwairakpam Premjit Singh, Department of History and Ethnography, School of Sciences, Mizoram University, Tanhril, Aizawl – 796004 for financial support for a Research Project on 'Colonising the Indigenous Polo (Sagol Kangjei): Connected History of Modern Manipur'.
6. Dr. Prabhune Padmakar Pralhad, Sri Heights, F.No. 19, B Building, Ramling Road, Shirur, Pune (M.H.) - 412210 for financial support for a Research Project on 'Politico-cultural analysis of royal titles, epithets and insignias of the dynasties and rulers in Ancient Deccan (BCE 500 TO ACE 1300)'.
7. Dr. Kunde Purushottam Raosaheb, Ahmednagar Jilha, Maratha Vidya Prasarak Samaj's, New Arts, Commerce & Science College, Shevgaon, Ahmednagar (M.H.) - 414502 for financial support for a Research Project on 'नवजागरण कालीन भारत में हिन्दीभाषा विषयक विमर्श का ऐतिहासिक अध्ययन'.
8. Dr. Kartik Chandra Sutradhar, Department of History, Cooch Behar Panchanan Barma University, Panchanan Nagar, Vivekananda Street, Cooch Behar (W.B.) – 736101 for financial support for a Research Project on 'Land Transfer and its Impact on the society and Environment in Sub-Himalayan North Bengal (Colonial and Post-Colonial Period)'.
9. Dr. Niranjan Kulkarni, Department of History, Hon. Shri. Annasaheb Dange Arts, Commerce and Science College, Hatkanangale, District Kolhapur (M.H.) – 416109 for financial support for a Research Project on 'Understanding Sacred (Cultural) Complex of Karaveerkshetra (Kolhapur): Wih special reference to the Formation and development of Mahalakshmi-Cult'.
10. Dr. Arti Chowdhary, C/o Vidyawati Devi, B/34, O-P-7-B, Batuapura, Sunderpur, Varanasi (U.P.) - 221005 for financial support for a Research Project on 'Archaeology and Science: Redefining The Harappan Hinterlands of Rakhigarhi

(Haryana, North-West India)'.

11. Dr. Gitartha Goswami, Seuj Nagar, Behind Hatigarh Dewal, P.o. Kachogoral, Jorhat (Assam) – 785010 for financial support for a Research Project on 'Voiceless of the 'Voiced?'; Relocating the Legacy of the Freedom Movement in Assam with Special Reference to The Satra Institution'
12. Dr. Naba Kanta Sarma, Quarter No.64B, Gauhati University Campus, Jalukbari, AEC Road, Kamrup (M), Assam – 781014 for financial support for a Research Project on 'असमीया गीतों में इतिहास के उपादान'.
13. Dr. Nutan Kumari, Amity University Noida, Gate No.4, E-2 Block, Room No.G-05, Sector 125, Noida (U.P.) - 201305 for financial support for a Research Project on 'History of English Language Teaching in India: Repercussions and Ramifications in Colonial and Post-Colonial India'.
14. Dr. Sandeep Kumar Srivastava, 385, B. Shakuntala Bhawan, Azad Nagar Colony, Rustampur, P.o. – New Shivpuri Colony, Gorakhpur (U.P.) - 273001 for financial support for a Research Project on 'गोरखपुर परिक्षेत्र की विरासत : ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक वैभव'.
15. Dr. Ayub Khan, 404, South Avenue, Pearl Residency, Gandhi Road, Gwalior (M.P.) – 474002 for financial support for a Research Project on 'Contemporary Indian Eunuchs and their Rights: A Historical Contemplation'.
16. Dr. Tsetan Namgyal, #1452, Purvanchal Complex, JNU, New Delhi - 110067 for financial support for a Research Project on 'The Panorama of Trans Himalayan Buddhist Monasteries and their Lineage and Linkages with Tibet post and pre 1959; From Contemporary Perspective'.

(VII) Special Research Projects:

Expert Committee meeting of the ICHR's Special Project Translation of Foreign Sources on India was held on 26th May, 2022 at 11:00 AM through online mode (Google-Meet App) to give final presentation of the project before the submission of final work report and to discuss issues pertaining to its publication.

(VIII) Study-cum-Travel Grant (STG):

The ICHR awarded the Contingency (Study-cum-Travel) Grant to an Indian citizen or to a non-Indian, to assist him/her in pursuing research on History within India. The following shall be eligible for Study cum Travel Grant of ICHR:

(a) Scholars who are engaged in M.Phil., Ph.D. or Post Doctoral work or carrying independent research in History and are not currently receiving any travel or contingency grant for the proposed work from any other source.
(b) University and college teachers and members of staff of research institutions and others who are engaged in research work in History.
© Under Study cum Travel Grant the sum of Rupees forty thousand (Rs.40, 000/-) may be awarded to an M.Phil. student and Rupees fifty thousand (Rs. 50,000/-) to a student working for Ph.D.

List of Awardees:

1. Mr. Rasananda Bag, P.G. Department of History, Utkal University, Vani Vihar, Bhubaneswar, Odisha to work on the proposal 'Development of Agriculture and Irrigation in Post Independence Odisha (1950-1980)'.
2. Mr. M. D. Riyajuddin, Department of History and Culture, Jamia Millia Islamia (A Central University), New Delhi to work on the proposal 'The Dynamics of Trade and Regional Economy in Mughal India: A Case Study o Bihar (1580-1765)'.
3. Ms. Supriya Law, Department of History, Calcutta University, Kolkata to work on the proposal 'The Subarnabaniks of Mid Nineteenth and Early Twentieth Century Calcutta: Case Studies of the Seals and the Laws'.
4. Ms. Maya Kunwar Dewda, Indira Nagar, Nagzhiri Dewas Road, Behind Ram Mandir,

Vikram University Ujjain, Madhya Pradesh to work on the proposal मालवा की बौद्ध प्रतिमाओं का सांस्कृतिक अध्ययन (ई.पू. तीसरी शताब्दी से लेकर तेरहवीं शताब्दी तक).

5. Mr. Sanjay Barman, Department, B.H. College, Howly, Barpeta, Gauhati University, Guwahati to work on the proposal Socio-Cultural Transformations of Jai-Phake Community of North- East India: A Sociological Study.
6. Mr. Asmita Bhadauria, Jiwaji University, K.R.G. College, Gwalior, Madhya Pradesh, to work on the proposal जयाजी प्रताप (समाचार पत्र) में सिंधियाकालीन इतिहास.
7. Mr. Ayan Kundu, Department of History, Jadavpur University, BF – 118, BF Block, Sector- 1 Bidhannagan, Kolkata, West Bengal to work on the proposal Political Dynamics of West Bengal Countryside since Independence.
8. Mr. Giriraj Pareek, Shri Khushal Das University, Suratgarh Road, Near Toll Plaza, Hanumangarh to work on the proposal बीकानेर रियासत में सामन्तों के दुर्गों का ऐतिहासिक व सामरिक अध्ययन 1600 ई.–1800 ई.
9. Mr. Shiv kumar Singh Kaurav, Jiwaji University, Gwalior, Aditya Nagar Morar (Gwalior), KRG College, Gwalior, Madhya Pradesh, to work on the proposal भारतीय सन्दर्भ में अरविन्द घोष के राष्ट्रवाद का विश्लेषणात्मक अध्ययन (1892 ई. - 1910 ई.).
10. Mr. Jaganath Pradhan, P.G. Department of Ancient Indian History, Culture and Archaeology, Utkal University, Vani Vihar, Bhubaneswar to work on the proposal Select Monuments of Rushikulya River Basin, Odisha: A Study.
11. Mr. Prasanta Kanhar, P.G. Department of History, Utkal University, Vani Vihar, Bhubaneswar to work on the proposal A Study on Agriculture and Irrigation System During Medieval Odisha (10th to 16th Century).
12. Ms. Mamata Patra, P.G. Department of History, Utkal University, Vani Vihar,Bhubaneswar, Khurda, Odisha to work on the proposal Socio-cultural Life of Medieval Odisha (15th and 16th century A.D.).
13. Ms. Amrita Malik, P.G. Department of History, Utkal University, Vani Vihar, Bhubaneswar, Odisha to work on the proposal The Santal Tribes and Their Folk Culture in Odisha.
14. Ms. Padminee Panigrahi, P.G. Department of History, Utkal University, Vani Vihar, Bhubaneswar ,Oidsha to work on the proposal Development of Technical Education in Colonial Orissa.
15. Ms. Mandakini Sahoo, P.G. Department of History, Utkal University, Vani Vihar, Bhubaneswar, Oidsha to work on the proposal Socio Religious Reform Movement in Medieval Odisha a Case Study on Achyutananda Dasa.
16. Ms. Manasi Priyadarshini Mallick, P.G Department of History, Utkal University, Vani Vihar, Bhubaneswar, Odisha to work on the proposal Food Scarcity: A Case Study of 1866 Orissa Famine.
17. Mr. Shibasundar Patra, P.G. Department of History, Utkal University, Vani Vihar, Bhubaneswar to work on the proposal Development of Print Culture in Nineteenth Century Orissa.
18. Ms. Samapti Das, P.G. Department of History, Utkal University, Vani Vihar, Bhubaneswar, Odisha to work on the proposal Growth of Education among the Tribal People of Koraput District during the Colonial Period.
19. Ms. Arti Gupta, Carrier Point University, Kota, C-21 Pancwati Colony, Subhash Nagar, Kunhari, Kota ,Rajasthan to work on the proposal Art Eminence of Shakta Sculpture in Hadoti Region.
20. Ms. Shikha Goel, C.C.S University, Meerut-201001, Uttar Pradesh to work on the proposal Prachi Bharat Men Antararrajyiy Sambandhon Ke Nirdharan Men Vivaho Ki Bhumika (600 BC – 650 AD).

21. Ms. Punyashri Bezbaruah, Department of Mil and Literary Studies, Gauhati University, Assam to work on the proposal Reconstruction of the Character of 'Draupadi' in Indian Novels (with reference to selected novels in Assamese, Bengali and Hindi.
22. Mr. Mohd. Zakir Khan, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh to work on the proposal A Study on Prehistoric Culture of Hasdeo River Valley.
23. Ms. Swati Verma, Maharaja Sayajirao University of Baroda, Vadodara, Gujarat to work on the proposal Palaeolithic Archaeology of the Berach basin and its adjoining Aravalli Regions, Southeastern Rajsthan.
24. Mr. Ramesh Kumar, Department of History, Faculty of social science University of Delhi, Delhi to work on the proposal Natural Calamities Society and politics in north Bihar,1880-1963.
25. Ms. Noorunnisa. K.P, Jawaharlal Nehru University , New Delhi to work on the proposal Colonialism and the making of modern Calicut-19th -20th Centuries.
26. Ms. Hina, Department of History, University of Delhi, Delhi to work on the proposal औपनिवेशिक मिथ्याभिमान: मोमिन पहचान, जातियता और सामुदायिक जीवन का एक नया आयाम.
27. Ms. Vasundhra, Department of History, Lovely Professional University, Jalandhar, Punjab to work on the proposal British intervention in Jammu with special reference agrarian reforms during Dogra period (1846-1947).
28. Ms. Fathima Rajila K.V., Jawaharlal Nehru University, New Delhi to work on the proposal Food and Social Identities in Pre-Modern Kerala (Circa 11th to 18th Century CE).
29. Ms. Hinduja Ramesh, Jawaharlal Nehru University, New Delhi to work on the proposal State, Religious Institutions and Hydraulic Networks in Karnataka (C.6th-15thCentury CE).
30. Mr. Ajith M, Jawaharlal Nehru University, New Delhi to work on the proposal Computational Analysis of Cera Inscriptions: Concordance, Digital Mapping and Index, C.8th - 12th Centuries.
31. Ms. Chandamita Goswami, Gauhati University, Jalukbari to work on the proposal Physical Folk life and Impact of Modernization among Garos inhabiting Rani, Bamunigaon and Boko areas of South kamrup tribal belt of Assam.
32. Ms. Layma Parveen, Department of History, Aligarh Muslim University, Aligarh to work on the proposal Aristocratic households in Mughal India.
33. Mr. Lalit Aditya, Deccan College postgraduate and research Institute, Pune, to work on the proposal Early History of Jharkhand on the basis of Archaeological sources (600BC – Later Gupta period).
34. Ms. Gore Pallavee Bhalchandre, IISER Pune, (Indian Institute of Secience Education and Research, Pune to work on the proposal Evaluating the Archaeological Specificity of Artefacts in Diverse Contexts for Recognising Possible Affordances in the Contemporary Cultures – the case of Marked Harappan Objects – MHA Rs.45,000/-(Rupees Forty Five Thousand only).
35. Ms. E.A. Gomathi, University of Madras, R.V. Govt. Arts. College, Chengalpattu to work on the proposal Kailasanathar Temple a Historical Study.
36. Ms. T. Devi, University of Madras, R.V. Govt. Arts College, Chengalpattu to work on the proposal History of Mohammad's Fort in Karunguzhi.
37. Ms. Vyshnavi. M, University of Madras, R.V. Govt. Arts College, Chengalapattu to work on the proposal Cholan Special of Inscription Reference to Uttramerur.
38. Ms. Asra Alavi, Department of History, Aligarh Muslim University, Aligarh, Uttar Pradesh to work on the proposal Women and Gender in Courtly Life and Elite Society

in Medieval North India, 13th – 15th Century.

39. Ms. Neda Amirmahmoudi, Deccan College Post Graduate and Research Institute, Yerwada, Pune to work on the proposal A Study of Ceramics and Stone Artifacts from Protohistoric Sites of North-Western India and Jiroft in Iran : A Comparative Study.
40. Ms. Deepa Chaubey, Jamia Millia Islamia University Maulana Jauhar Ali Marg, New Delhi to work on the proposal Mughal Imperial Court Culture of Sixteenth and Seventeenth Century in Hindi Literature.
41. Mr. Mohd Dilshad, Department of History and Culture, Jamia Millia Islamia University, New Delhi to work on the proposal Bankers, Brokers and Merchants in Mughal India From the Mid-Sixteenth to the Mid-Eighteenth Century.

IX) Foreign Travel Grant (FTG):

Grant including Cost of travel and maintenance abroad is provided to a citizen of India for collection of source material or to take part in a workshop, seminar or conference abroad for presenting a paper related to History or to receive training in a specialized branch of History.

During the period under report, the ICHR has received 32 applications under Foreign Travel Grant scheme. Total 15 applications were placed before the FTG Sub-committee meetings held on 9.3.2022 and 27.06.2022 of which 04 cases were approved. Those applications which did not fulfil the criteria laid out by the ICHR were regretted and some of the applications are under process.

1. Prof. Achintya Kumar Dutta, Department of History, University of Burdwan, Burdwan, (Bardhaman East), West Bengal-713104 (Permanent Address: Ramkrishna Pally (East), Kalna Road, Burdwan(East Bardhaman), West Bengal, Pin Code: 713101) to visit Geneva (Switzerland) for collection of source material on the research proposal entitled "Combating Communicable Diseases: India and International Agencies in their Elimination from South Asia, 1977-2015". The FTG Sub-Committee recommended return excursion/economy airfare by Air India, as per ICHR rules.
2. Dr. Ekta Gupta, H.No. HB-32/217, IIT – Gandhinagar, Palaj, Gandhinagar, Gujarat-382055 (Permanent Address: H.No. D-1201, Mont Vert Seville, Wakad, Pune, Maharashtra:- 411057) to visit Barcelona (Spain)to attend the '25th Conference of European Association for South Asian Archaeology and Art' (25th EASAA), 04th -08th July 2022, for presenting a paper entitled "Integration of Historical Maps, Remote Sensing Data and Terrain Model to Investigate Obliterated Archaeological Structures of the Colonial Period". The FTG Sub-Committee recommended return economy airfare and maintenance for 07 days only, as per ICHR rules, but to observe the economy of ICHR with a ceiling limit of Rs.1.10 lakh only or actual expenditure whichever is less.
3. Dr. Rajesh Sasidharan Vasantha, Department of Archaeology, University of Kerala, Kariavattom Campus, Thiruvananthapuram, Kerala-695501, (Permanent Address: Vasantha Vilasom Bunglow, Charuvila, Payattuvila P.O., Balarampuram (via), Thiruvananthapuram, Kerala - 695501 to visit Barcelona (Spain) to attend the '25th Conference of European Association for South Asian Archaeology and Art' (25th EASAA), 04th -08th July 2022, for presenting a paper entitled "Pre-Urban Harappan Burials from Juna Khatiya in Gujarat, Western India". The FTG Sub-Committee recommended return economy airfare and maintenance for 07 days only, as per ICHR rules, but to observe the economy of ICHR with a ceiling limit of Rs.1.10 lakh only or actual expenditure whichever is less.
4. Dr. Sudarshan Chakradhari, Vill-Jaitapur, Post- Sahajaura Block – Sataon, Tehsil-Sadar, District-Raebareli, U.P. - 229122 (Permanent Address: same as above) to

visit Barcelona (Spain) to attend the '25th Conference of European Association for South Asian Archaeology and Art' (25th EASAA), 04th -08th July 2022 for presenting a paper entitled "Reassessment of Ganeshwar-Jodhpura Cultural Complex: Based on Recent field work". The FTG Sub-Committee recommended return economy airfare and maintenance for 07 days only, as per ICHR rules, but to observe the economy of ICHR with a ceiling limit of Rs.1.10 lakh only or actual expenditure whichever is less.

(X) Publication Subsidy Grant:

Grant not exceeding sum of Rs.1 Lac is awarded for publication works realted to History-Doctoral thesis, Monographs and other research work like proceedings of seminar/symposium/ conference, critically edited/translated source material, bibliographical and documentation work periodical publication, any other research oriented work, translation to any Indian language or into English of an important work on History.

Following Titles have been published during the reporting period under the ICHR Publication Subsidy Grant Scheme:

Books:

1. *हाड़ौती व टोंक के मुस्लिम स्मारक*, डॉ. जाहिदा शबनम, M/s Rajasthani Granthagar, First Floor, Near Ganesh Temple, Jodhpur – 342001, Rajasthan
2. *भारतवर्ष में सामुदायिक रेडियो की ऐतिहासिक यात्रा*, Dr. Saurabh K Mishra, M/s Khama Publishers, 22-D, Nivedita Enclave, Paschim Vihar, New Delhi
3. *उत्तर भारत में बौद्ध धर्म के विकास का अभिलेखिक अध्ययन (तृतीय शती ईसा पूर्व से बारहवी शती ईस्वी तक)*, डॉ. रमेश प्रकाश चतुर्वेदी, M/s Swati Publication, ashok vihar, Delhi
4. *जनजातीय संस्कृति*, निवेदिता वर्मा, M/s Rawat Publication, Satyam Apartments, Jawahar Nagar, Jaipur
5. *भारतीय संगीत के पुरातात्विक संदर्भ*, डॉ. डी. बी. क्षीरसागर, M/s M/s Rajasthani Granthagar, First Floor, Near Ganesh Temple, Jodhpur – 342001, Rajasthan
6. *राजस्थान के प्रचलित लोक नृत्य*, पन्नालाल मेघवाल, M/s Rajasthani Granthagar, First Floor, Near Ganesh Temple, Jodhpur – 342001, Rajasthan
7. *राजस्थान के संग्रहालय एवं अभिलेखागार*, डॉ. मोहनलाल गुप्ता, M/s Rajasthani Granthagar, First Floor, Near Ganesh Temple, Jodhpur – 342001, Rajasthan
8. *मारवाड़ राज्य की भूमिदान प्रणाली*, डॉ. हुकुम सिंह भाटी, M/s Rajasthani Granthagar, First Floor, Near Ganesh Temple, Jodhpur – 342001, Rajasthan

Journal:

1. *Writers View* Vol.6 No.1 (2021), Writers View, Gorakhpur Uttar Pradesh

Proceeding:

1. *Rajasthan History Congress*, Vol. XXXIII February 2019, Mahila P.G. Mahavidyalay, Jodhpur
2. *Studies in Karnataka History and Culture*, Vol.-XV, The Karnataka History Congress, Bangaluru

(XI) Seminars/Conferences/Symposia:

The Research Projects Committee (RPC) may award grants for seminars, workshops or academic conferences concerned with specific themes of History to individual scholars as coordinators who apply through their institutes. The amount of grant in each case not to exceed Rupees three lakh fifty thousand (Rs. 3,50,000/–) and to be paid through the host institution deemed to be the institution of affiliation.

Also, the RPC may award grant not exceeding Rupees five lakh (Rs.5,00,000/-) preferably to registered academic and professional organizations of historians (including organizations which, if not exclusively

concerned with teaching and research in History, include the teaching or research in History as a significant part of their objectives) at National, Regional, State and Local levels, to enable them **to organize their annual or periodic conferences, symposia, etc.,** the payment of the grant being made directly to the duly authorized office bearers of the organization.

During the reported period following 51 proposals were approved:

1. One–day Conference on 'Unsung Heroes in Thoothukudi District' from Dr. A. Devaraj, Head & Assistant Professor, Kamaraj College,482, Tiruchendur Road, Thoothudi – 628003, Tamil Nadu.
2. Two –day National Seminar on 'Dimensions of Women's Rights and its Violations (A Tribute to Kamla Bhasim; the Unflagging Feminist Icon)' from Dr. Himajyoti Doley, Assistant Professor, LTK College, Azad, North Lakhimpur, Dist. – Lakhimpur, Assam – 787031.
3. Two–day National Seminar on 'Role of Tribal People in the Anti-Colonial Struggles in Kerala' from Dr. Joshy Mathew, Head, Pazhassiraja College, Pulpally (P.O.), Dist. - Wayanad, Kerala – 673579.
4. Two–day National Seminar on 'भारतीय स्वाधीनता संग्राम में स्वराज, राष्ट्रीय चेतना एवं प्रतिरोध' from Dr. Pratibha Sharma, Associate Professor, S.V. College, Aligarh , Uttar Pradesh – 202001.
5. Two–day National Seminar on 'Indian National Army and the Kukis during WW2' from Dr. Ginneihching Simte, Assistant Professor,Rayburn College, PS & P.O.- Churachandpur, Manipur – 795006.
6. Two–day National Seminar on 'Religion and Society in Telengana: From Satavahanas to Kakatiyas' from Prof. Jadi Musalaiah, Director, Dr. B.R. Ambedkar Research Centre, Osmania University, Hyderabad – 500007, Telangana.
7. Two–day National Seminar on 'Revisiting Freedom Struggle against the British Colonial Rule in North-East India With Special Reference to Assam' from Sh. Bhaskar Doley, Assistant Professor, Madhabdev University, Village – Panbari, P.O. Dikrong, Lakhimpur, Assam – 784164.Rs.
8. Two–day National Seminar on 'Indigenous Cultures and Religions in India' from Dr. Chandan Kr. Sarma, Associate Professor, Department of History, Dibrugarh University, Dibrugarh, Assam – 786004.
9. Two –day National Seminar on 'Unsung Heroes of Freedom Struggle from Telangana Region (1857-1948)' from Sh. M. Veerender, Convener, Itihasa Sankalana Samithi (Bharateeya), Telangana State, 3-4-376/6/3, Vasanth Vihar Colony, Lingampally, Hyerabad – 500027.
10. Three–day National Seminar on 'Veer Savarkar: Role in Freedom Struggle, Socio-Political Philosophy and Abiding Legacy' from Sh. Rabi Ranjan Sen, Associate Professor, Katwa College, Katwa, Purba Braddhaman (W.B.).
11. One–day National Seminar on 'Freedom 75' from Dr. S. Bhagavathi Perumal, Associate Professor, Research Centre in History, S.T. Hindu College, Nagercoil, Dist. – Kanyakumari, Tamilnadu – 629002.
12. Two–day National Seminar on 'Revisiting the Indian Freedom Struggle of Northeast Bharat: Prolegomenon of Undivided Goalpara District of Assam' from Dr. Umesh Das, Assistant Professor, Chilarai College, Golakganj, P.O. Golakganj, Dist. – Dhubri, Assam – 783334.
13. Two –day National Seminar on 'Retrospection of Indian Freedom Movement: Exploring Unsung Heroes of Assam' from Dr. Prem Kanta Borah, HoD, Sarupathar College, Dibrugarh, Assam – 786004.
14. Two–day National Seminar on 'Netaji Subhas Chandra Bose: His Valuable Untold Contribution towards Nation Building' from Dr. Anil Kumar, Assistant Professor,

Rajdhani College, Raja Garden, Ring Road, New Delhi – 110015.

15. Two–day National Seminar on 'The Unsung Heroes of Freedom Struggle of India with special reference to Northern Bank of Brahmaputra' from Dr. Sushanta Narzary, HoD & Associate Professor, Kokrajhar Govt. College, Kokrajhar, BTR, Assam – 783370.
16. One–day National Seminar on 'Roots of Democracy in Ancient India: Theories and Praxis' from Dr. Pranav Kumar, Assistant Professor, Dept. of Political Studies, 219, Chanakya Bhawan, Central University of South Bihar, Gaya, Bihar – 824236.
17. Two–day National Seminar on 'Untold Accounts of Northeast Women' role in Indian Freedom Struggle' from Dr. Navaneeta Baurah, Assistant Professor, Pandu College, Pandu, Guwahati, Assam – 781012.
18. Two–day National Seminar on 'Kashi: Past and Present' from Prof. O.N. Singh, Professor, Banaras Hindu University, Varanasi, U.P. – 221005.
19. Two–day National Seminar on 'Participation of Poorvottar Bharat in the Bharatiya Swadhinata Sangram' from Prof. Vinay Kumar Rao, Chairperson, Special Centre for Studies in North East India, Jawaharlal Nehru University, New Delhi – 110067.
20. Two–day National Conference on 'Indian Media & Freedom Movement' from Dr. Pramod Kumar, Professor, Indian Institute of Mass Communication, Aruna Asaf Ali Marg, JNU New Campus, New Delhi – 110067.
21. Two–day National Seminar on 'इतिहास पाठ्यक्रम: वर्तमान परिप्रेक्ष्य व चुनौतियाँ' from Dr. Ratnesh Tripathi, Assistant Professor, Madhav Sanskrit Nyas, Apte Bhawan, Keshav Kunj, Jhandewala, New Delhi – 110055.
22. Three–day National Seminar on 'छत्तीसगढ़ में स्व का संघर्ष: स्वाधीनता आंदोलन के विशेष सन्दर्भ में' from Dr. Nitesh Kumar Mishra, Assistant Professor, SoS in Ancient Indian History Culture & Archaeology, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh – 492010.
23. Seven –day National Workshop on 'Research Methodology in History and Social Sciences' from Dr. Mahender Poonia, Professor, Om Sterling Global University, NH- 52, Chandigarh, Hisar, Haryana – 125001.
24. Two –day National Seminar on 'स्वतंत्रता संग्राम में कुमाऊँ – गढ़वाल के जननायकों ' from Prof. Saroj Verma, Professor, L.S.M. Govt. P.G. College, Pithoragarh, Uttrakhand – 262501. Rs. 1, 00,000/- (Rupees One Lac only).
25. Two –day National Seminar on 'Bal Gangadhar Tilak: Re-Visiting a Resplend in Struggle for Freedom' from Dr. Ravindra Singh Pardeshi, Principal, Fergusson College (Autonomous), Pune, Maharashtra-411004.
26. Three–day National Conference on '49th All India Conference of Dravidian Linguists (AICDL)' from Dr. Abinav Kumar Mishra, Assistant Professor, Head & Organizing Secretary, Dept. Linguistics, Faculty of Arts, BHU, Varanasi- 221005 (Uttar Pradesh).
27. Three–day National Conference on '5th RSVP (Rashtriya Samaj Vigyan Parishad) on 'Social Sciences in India's Knowledge Tradition' from Dr. Shailu Singh, Associate Professor, Dept. of Economics, Hansraj College, University of Delhi, Delhi-110007.
28. Three–day Annual Conference of Association for 'English Studies of India on Buddhism and Literatures in English' from Dr. Meeta, Head & Associate Professor, The Nava Nalanda Mahavihara, Nalanda-803111 (Bihar).
29. Three-day 22nd Annual Conference on 'History and Culture of Buddhism in Leh' from Dr. Saswati Mutsuddy, Indian Society for Buddhist Studies, Jammu, (Jammu – Kashmir).
30. Two–day International Conference on

'Indian Culture in South East Asia:Past and Present' from Prof. S. Victor Babu, Head, Department of History, Babasaheb Bhimrao Ambedkar University Vidya Vihar, Raibareli Road Lucknow 226025.

31. Two–day National Seminar on 'Role of Women in North East India in the Freedom Movement: Some Untold Stories' from Dr. Munin Borah, Assistant Professor, Department of History, Nowgon Girl's College, Nagaon, Assam-782002.
32. Two–day National Seminar on 'क्रांति के अज्ञात और भूले-बिसरे नायक' from Dr. Kailash Chand Gurjar, Assistant Professor, Department of History, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur (Rajasthan).
33. One–day National Seminar on 'Unglorified Freedom Fighters of Kanyakumari District' from Dr. P. Leela Moni, Assistant Professor, Department of History, Sree Ayyappa College for Women, Chunkankadai District-Kanyakumari, Tamil Nadu.
34. Three–day National Seminar on 'Contribution of Sufis of Deccan for the Promotion of Learning and Communal Harmony' from Dr. Ahmed Khan, Director, Maulana Azad Chair Maulana Azad National Urdu University, Gachibowli, Hyderabad-500032.
35. Two–day National Seminar on 'मेवाड़-वागड़ के सेनानी: व्यक्तित्व एवं कृतित्व (1857-1948 ई.)' from Dr. Hemendra Choudhary, Head & Associate Professor, Janardan Rai Nagar Vidyapeeth (Deemed to be University) Udaipur, Rajasthan-313001.
36. Two–day National Seminar on 'The Making of Muzaffarpur Town: Changing Socio-economic structure since Colonial Times' from Prof. Ajit Kumar, Head, Faculty of Social Sciences & Head, Department of History, B.R. Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur, Bihar-842001.
37. One–day National Seminar on 'Vision and Approach of Vinayak Damodar Savarkar on National Integration' from Dr. Vinay Kumar Das, Assistant Professor, JMDPL Mahila College, Madhubani-847211.
38. Two–day National Seminar on 'Tribal Life in North Odisha: Society, Economy, Polity & Religion' from Nalini Giri, Principal, Lect. in History, Kunja Bihari Pradhan, P.S. College, Jhumpura, Keonjhar-758031.
39. Two–day National Seminar on 'Lesser Known Freedom Fighters of Undivided Dhenkanal Districts of Odisha: A Study of Their Sacrifices' from Dr. Mahendra Kumar Swain, Asst. Professor, Department of History Hindol College, Khajuriakata, Dhenkanal.
40. Two–day National Seminar on 'Indigenous faith and practices of Inhabitants of Chindwin river valley & Lushai Hills: A Saga of Continuum Indigenous practices of Bharat' from Dr. Sanjeev Kumar Dey, Associate Professor, Department of History, Government Kamalanagar College, Subdivision - Chawngte, Dist-Lawngtlai, Mizoram – 796772. Rs.
41. Two–day National Seminar on 'सृष्टि की चादर गुरू तेग बहादुर जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व' from Dr. Amar Jeet Singh Parihar, Principal, Sankalp Institute of Education, 141-Duhai, Ghaziabad (U.P.).
42. Four–day International Workshop on 'Unsettling Archaeology' from Dr. Alok Kumar Kanungo, Assistant Research Professor, Research & Development, Indian institute of Technology Dist-Gandhinagar, Palaj, Gandhinagar-382055.
43. Seven–day National Workshop on 'Research Methodology and Research Ethics in Social Sciences' from Prof. Sunny Kumar, Assistant Professor, Department of History, Himachal Pradesh University, Shimla.
44. Seven–day National Workshop on 'पाण्डुलिपि पठन एवं अंक विज्ञान कार्यशाला' from Dr. Vikram Singh Bhati, Assistant Director, Rajasthani Shodh Sansthan, Chopasni School Campus, Jodhpur.

45. Six–day National Workshop on 'National Integration: Promoting Peace Building and Social Identities' from Dr. Daljit Singh, Associate Professor, Department of Punjab Historical Studies and Sri Guru Tegh Bahadur National Integration Chair, Punjabi University, Patiala, Punjab– 147002.
46. Two–day National Conference on 'मध्यप्रदेश के नवनिर्मित पाषाण जिन मंदिर' from Dr. Sudha Malaiya, Chacellor, Eklavya University, Sagar Road, Dist- Damoh State-Madhya Pradesh.
47. Two-day National Conference on 'Swaraja@75: Redefining the Narrative of Freedom Struggle' from Dr. Prachi Moghe, Assistant Professor, Dept of Archaeology, Centre for Extra-Mural Studies, University of Mumbai, Mumbai, Maharashtra-400091.
48. Three–day National Conference on '104th Annual Conference of the Numismatic Society of India, B.H.U, Varanasi' from Dr. Amit Kumar Upadhyay, Joint Secretary, State Museum, Narhi, Hazratganj, Lucknow-226001, Uttar Pradesh.
49. Two–day National Conference on 'Indigenous Cultures and Religions in India' from Dr. Hanjabam Shukhdeba Sharma Assistant Professor, Indira Gandhi National Tribal University (Central University), Regional Campus, Manipur.
50. Three–day International Conference on 'Contribution of Chandra Bhan Brahman to Mysticism, Literature & Culture' from Dr. Abid Gulzar, Coordinator, Centre of Central Asian Studies (CCAS), University of Kashmir, Srinagar, J&K UT, in Collaboration with Bedil International Foundation (BIF), New Delhi.
51. Three–day Annual Congress on '47th Annual Congress of The Epigraphical Society of India' from Dr. Priyanka Singh, Asst. Professor, Dept of AIHC and Archaeology, BHU, Varanasi.

Other Activities

Republic Day:

ICHR celebrated the 73rd Republic Day on 26th January, 2022 with great enthusiasm.

No Tobacco Day:

On 31st May 2022, International No Tobacco Day was celebrated by the Council. On this occasion all the officers and employees took a pledge not to consume tobacco.

ICHR officials and staff members taking part in Yoga

International Yoga Day:

The 8th International Yoga Day on 05 June, 2022, ICHR celebrated this occasion with great zeal and enthusiasm, the staff members gathered in the premises and practiced yoga. On this occasion special lecture on the topic entitled ' The Yog: The Only Path for Human Well Being' was delivered by Professor Veenu Panth, HoD, Department of History, Sikkim Central University, Gangtok.

Official News:

Appointment

1. Professor Raghuvendra Tanwar, Professor Emeritus, Kurukshetra University,

Prof. K. Ratnam, Member Secretary, ICHR Welcoing the Chairman Prof. Raghuvendra Tanwar.

Kurukshetra, has been appointed as Chairman ICHR w.e.f. 11.01.2022.

2. Shri Biswarup Shibdas Ghatak, retired Sr. Accounts Officer, Defence Accounts Department, Ministry of Defence has been appointed as Consultant (Internal Audit) w.e.f. 01.06.2022.

Farewell of Member Secretary:

Prof. K. Ratnam receiving momento from Dr. Om Jee Upadhyaya

Professor Kumar Ratnam, Professor in History, Government Kamla Raja Girls Post Graduate (Autonomous) College, Gwalior was appointed as Member Secretary on 29.05.2019 on deputation for 3 years. He served the Council as Member Secretary from 29.05.2019 to 28.05.2022. After serving his full term of deputation in ICHR, demitted office as Member Secretary in the afternoon of 28.05.2022.

Retirement:

Shri Nardev Sharma was appointed as Sr. Library Attendant on 02.12.1988. He retired on superannuation on 31.05.2022 as Assistant. He served the Council with utmost devotion and sincerity.

Visit of Ambassador of Algeria

H.E. Mr. Abderrahmane BENGUERRAH, Ambassador of Algeria to India and Mr. Adel Bounda, Minister Counsellor and Deputy Head of Mission, visited Indian Council of Historical

Research on Thursday (26 May 2022). During this he met Prof. Raghuvendra Tanwar, the chairman of the Council, all the officers along with the Honorable Members Prof. Umesh

Ashok Kadam, JNU and Dr. Saradindu Mukherji. He (Mr. Abderrahmane BENGUERRAH) addressed and discussedand many topics of common interest including their plans. The Chairman of Council presented him some books published by the ICHR.

Officiating Charge

Dr. Om Jee Upadhyay, Director (Research & Admn.) was given the Officiating Charge of Member Secretary, ICHR w.e.f. 29.05.2022.

Regional Centers:

With a view to reach out to far-flung areas of the Country, the Council runs three Regional Centers at Bengaluru, Guwahati and Pune. The three Centers have been actively involved in helping the scholars to carry out their research by providing library infrastructure and organizing regional and state level seminars. The Southern Regional Centre (SRC) Bengaluru is headed by Dr. S.K. Aruni, Regional Director/ Duputy Director (Research). The North East Regional Center (NERC) Guwahati has been looked after (in addition) by Dr. Rajesh Kumar, Director (Journal, Publication & Library) and the Western Regional Centre (WRC), Pune is looked after by Dr. Vinod Kumar, Deputy Director (Research).

Southern Regional Centre (SRC), Bengaluru

The Southern Regional Centre, Bengaluru (February 1998), is actively promoting historical research in southern states of India that include Karnataka, Kerala, Andhra Pradesh, Telangana, Tamilnadu and Pondicherry. The Centre, being located in the heart of the Bengaluru city, is easily to access by the researchers, students and scholars and is able to cater their research/academic needs. The Centre also encourages the scholars to take up research in the field of history and allied subjects. A brief report of the work undertaken by Southern Regional Centre from 1st January to 30th June, 2022 is as follows:

I. WEBINAR

National Webinar *'The Cultural Penetration of the Colonial Milieu and the Bharatiya Response with Special Reference to South India'*

A National Webinar, as a part of Azadi ka Amrit Mahotsav programme, was organized by the Southern Regional Centre, Bengaluru. This webinar was held on 14th January, 2022. The Inaugural Session of the Webinar included Welcome Address by the Member Secretary Prof. Kumar Ratnam and Introduction of the Seminar them by Dr. Om Jee Upadhyay, Director (Research & Administration). Eminent historian, ICHR Member and Professor of DDU, Gorakhpur, Professor Himanshu Chaturvedi delivered the Key-Note Address during the Inaugural Session of the Webinar.

Five Research Papers dealing with various aspects of the freedom struggle in Southern India and Deccan were presented in the Webinar. The scholars/historians from all the states of south India were invited to present the Research Papers. The details are furnished below:

- 'Lesser-Known Freedom Fighters from the Tamil Country' by Professor G.J. Sudhakar Former Professor of Dravidian University & C.P. Ramaswamy Institute of Indology. Chennai.
- 'Malabar Rebellion and Freedom Struggle [Kerala]' by Professor K. Jayaprasad, Dean, Central University of Kerala, Kasargod, Kerala.
- 'Various Strands and Political Mobilizations in Freedom Movement of Hyderabad State from 1900 to 1948' by Professor S. Srinath, Former Professor, Kakatiya University, Warangal, Telangana.
- 'Freedom Movement in Princely Mysore State: An Analysis' by Professor Ashwathanarayana, Former Professor, Bangalore University.
- 'Revolutionary Freedom Fighters in the Southern Maratha Country 1824 - 1858' by

Dr. A.B. Vaggar, S.S. Govt. First Grade College & PG Study Centre, Naragund, Karnataka.

II. LECTURE PROGRAMME:

An Online Lecture was organized by the Southern Regional Centre, Bengaluru, under the Azadi Ka Amrit Mahotsav Programme, celebrating 75 Years of India's Independence, on 9th February 2022 through Google Meet platform. The Speaker Dr. Joshy Mathew, Head Department of History, Pazhassiraja College, Pulpally, Wayanad (Kerala), spoke on the theme 'Forgotten Heroes: Anti- Colonial Resistance of Tribal People in Malabar, Kerala'. The online Lecture was delivered with an aid of PPT presentation.

III. WORKSHOP:

The Centre, also organized a Joint Workshop on 'Modern Methods for the Study & Conservation of Inscriptions' in collaboration with The Mythic Society, Bengaluru and Maharani's Cluster University, Bengaluru. The One-day Workshop was organized on 6th April 2022 at The Mythic Society, Bengaluru. The Workshop was about the demonstration of the new digital applications for recording and preserving our heritage of epigraphy.

The Workshop was inaugurated by Sri V. Nagaraj, Hon. Secretary, Mythic Society, Bengaluru and Dr. S.V. Venkateshaiah, Regional Director (Retd), ASI, Southern Region, was the Chief Guest of the Programme.

The Workshop was divided into following sessions-

Session 1: 'Current Methods for Inscriptions Study, Conservation and Knowledge Sharing' by the Epigraphist-Historian Dr. P.V. Krishnamurthy which also included Estampage Demonstration;

Session 2: 'Modern Tools for Field Survey and Cataloguing of Inscriptions' by P.L. Udaya Kumar, Project Director (Hon.), The Mythic Society;

Session 3: '3D Digital Scanning of Inscriptions' by The Mythic Society Inscriptions 3D Digital Conservation team, and;

Session 4: 'Developments in the Field in Other Countries – Lecture Demonstration' by The Mythic Society Inscriptions 3D Digital Conservation team

The Valedictory Programme was held at 4 pm and Dr. Gomathi Devi, Vice Chancellor, Maharani Cluster University, Bengaluru, was the Chief Guest on this occasion.

Prof. K. Narahari, President of The Mythic Society; Dr. V. Anuradha, Registrar of Maharani Cluster University, Bengaluru; Sri. V. Nagaraj, Hon. Secretary of The Mythic Society; Dr. Sesha Sastry, Epigraphist-Historian also took part in the programme. Around 50 young teachers/research students took part and benefitted by the Workshop programme.

IV. EXHIBITION:

(a) The Centre conducted one-day Exhibition on 'History of Bengaluru - Historical Documents and Visual Images' in collaboration with the Amrita Vishwa Vidyapeetham, Amrita School of Engineering, Bengaluru Campus, Kasavanahalli, Carmelaram PO, Bengaluru. The exhibition was organized on 19th May 2022. The exhibition was organized on the occasion of 'World Museum Day-2022'. The exhibition was inaugurated by Dr. Sriram Devanathan, Principal, Amrita Vishwa Vidyapeetham. Faculty members Dr. Tanushree, Dr. Geetha and others took part in the programme. The Exhibition was open for the students throughout the day. Around 300 students witnessed the exhibition and acquired the knowledge of history of old Bengaluru history. The exhibition was conducted successfully and received good appreciations from the faculty and students of the institution.

V. RESEARCH PROJECTS

i. Special Project on 'Historical

Encyclopaedia of Towns and Villages of Bharat':

The Southern Regional Centre, Bengaluru, as the Nodal Office of the Project, is interacting regularly with the Coordinator of the Project Prof. Rajaram Hegde about the progress of the Project. The Council had appointed the Research Assistants and the Centre provided the required equipments for the successful completion of the Project. The Project work is in progress.

The following two more projects are under progress:-

i. ICHR's Special Project on 'Dictionary of Social Economic and Administrative Terms in Indian Inscriptions (South Indian Inscriptions)' and
ii. ICHR's Special Project on 'History of Science and Technology'

Further, the Southern Regional Centre, as recommended by the SRC's Advisory Committee took-up the following Projects-.

(a) 'Preparation of the Corpus of Kannada and Sanskrit Inscriptions of the Yadavas of Devagiri of the Deccan'.

The Centre is preparing a list of Kannada and Sanskrit inscriptions pertaining to the Yadavas of Devagiri from the available sources in the SRC's Library-cum-Documentation Centre. The list is being tabulated and the work is in progress.

(b) 'Compilation and editing of the Rashtrakuta Inscriptions from South India'.

The Centre is collecting the source materials for the said Project from the SRC's Library and other nearby libraries. The work is in progress.

VI. PUBLICATION WORKS:

The Southern Regional Centre has initiated to reprint the Lecture Series publications and Seminar proceedings volume. The details are given below:

1. Lecture Series Publications

* **Reprinting of the Lecture Series Booklets**

The Southern Regional Centre, Bengaluru, has taken steps to reprint the following booklets, as these are in demand from the research students & scholars and are currently out of print.

- *The Folk Traditions and Archaeology of Andhra Pradesh* by M.L.K. Murty
- *Chitradurga in the Early 1800s archaeological Interpretations of Colonial Drawings* by Lewis Barry
- *A Historical Survey of Seafaring and Maritime Networks of Peninsular India* by Himanshu Prabha Ray
- *Temple Patronage in Medieval Karnataka with Special Reference to the Banavasi 12000* by Rajaram Hegde.

* **Publication of new Lecture Series Booklets**

As per the recommendations of the Advisory Committee of Southern Regional Centre, the Centre is obtaining/collecting the comments from the Research scholars for undertaking the publication of following lectures:

- 'Bengaluru: Town Planning and Settlement Patterns' by Dr. Yashaswini Sharma, Associate Professor, Dayananda Sagar College of Architecture, Bengaluru.
- 'Some Fault Lines in Some Significant South Indian Historical Narrations –A Critique' by Dr. C.V. Ramachandra Rao, ICHR National Fellow, Chennai held at CPRIIR, Chennai
- 'Unforgetting Partition Memories & Post-Memories of the Partition of India' by Dr. Anjali Gera Roy, Dept of Humanities & Social Sciences, IIT Kharagpur.
- 'History of Early Maritime Contacts of India with Southeast Asia, Special Reference to East Coast India' by Dr. Sila Tripati, Principal Technical Officer, Marine Archaeology Centre, CSIR, National Institute of Oceanography, Goa.

(2) **Proceedings of National Seminar on 'Rethinking the History of Princely States with Special Reference to Cochin and Travancore'.**

The Proceedings is being compiled and edited by Professor G.J. Sudhakar. The corrections in the Research Papers have been completed. The authors have been contacted to update their Research Papers in regard to latest developments. The work is under progress.

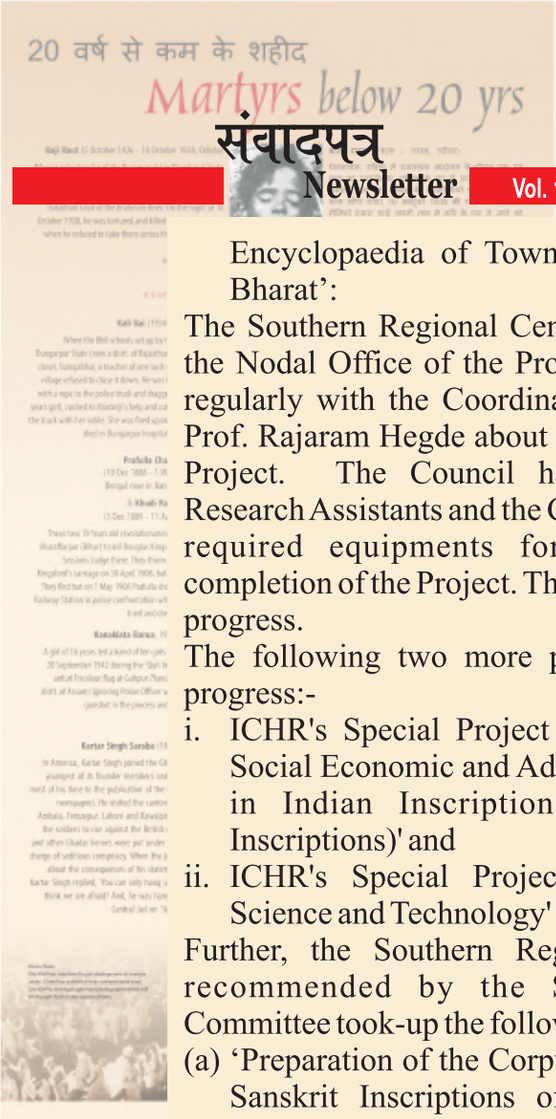
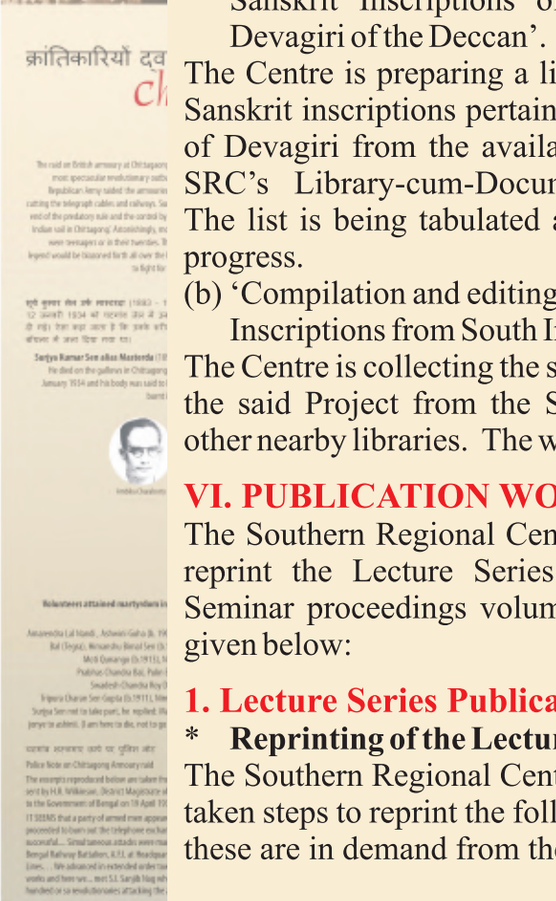
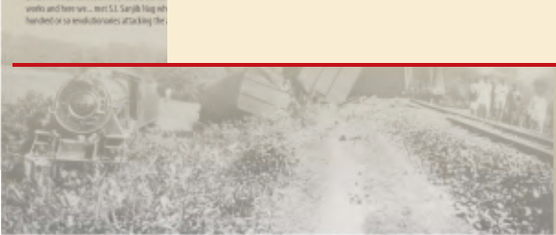

VII. MEETINGS

- The Southern Regional Centre's Library Book Selection Committee Meeting was held on 15th March 2022 at the Centre. The Sub-Committee selected and recommended 286 titles which includs English, Kannada and Hindi titles and 51 Journals/periodicals in English and South Indian languages.

VIII. LIBRARY-CUM-DOCUMENTATION UNIT

The Southern Regional Centre of ICHR is extending the library facilities to the research scholars and students of History and its allied subjects. The research scholars and students from different parts of South India, including Karnataka, Telangana, Andhra Pradesh, Tamilnadu, Kerala, Pondicherry and Goa visits our Library. Followings are the important works undertaken by the Library during this period.

a) Services to Students and Teachers for study materials:

The drop in Covid-19 cases is encouraging the library users and the Centre's Library has also seen a quite increase in the number of scholars and students utilizing the library facilities. During the said period 574 visitors have utilized the Centre's Library facility and 856 photocopies have been served.

b) New Purchase of books:

The Southern Regional Centre has purchased 165 new books/titles to its Library-cum-Documentation Unit. These titles are related to history and allied subjects in English, Kannada and Hindi. These books were recommended by the SRC's Library Book Selection Committee.

c) Complimentary Books:

During the reported period, the Centre has received 17 books as complimentary copies to the Centre's Library. The donations have been received from scholars like Prof. Hampa Nagarajaiah (Bengaluru); Dr. H. Chandrashekar (Bengaluru); Dr. S.K. Aruni (Bengaluru); Dr. GurumurthyPendakur (Bengaluru), Dr. Manjil Hazarika (Guwahati); Sri Mutthagi Srinivasacharya (Bengaluru), and; Publication Unit, ICHR.

d) Journals:

The Centre has subscribed 20 Journals/ periodicals for its Library as per the recommendation of Library Book Selection Committee meeting held on 15.03.2022.

e) Accession works:

The new purchased books; complimentary titles and the subscribed journal issues have been updated in the Library Accession Registers. The purchased books are in English, Kannada and Hindi. These have been provided with Library Seal, sticker, borrower's cards, Title Index cards; Author Index cards, etc. Computerization of these titles into the library catalogue has also been completed.

f) Visit of College Students to Southern Regional Centre's Library-cum-Documentation Unit, Bengaluru:

* The Post-Graduate students along with lecturers of History Department of the Government First Grade College, Yelahanka, Bengaluru, visited the SRC's Library-cum-Documentation Unit on 17th February 2022 to acquire more information on historical facts and also about the Council's research facilities and research promotions in history. Around 30 students along with two faculty lecturers made a visit to Southern Regional Centre Library and Publication Unit.

- Southern Regional Centre's Library collection and the facilities being extended to the scholars and students for their progressive research work in history and its allied subject.

A pictorial exhibition was set up on History of Bengaluru to project Bengaluru's rich cultural history, for the benefit of the students. The students and lecturers were benefitted by this short visit.

g) Visit of International Research Scholars' to the Southern Regional Centre, Bengaluru

* Dr. Francis Daudi, Research Associate of University of Basel, Switzerland, had

visited the ICHR Bengaluru Centre in connection with his research works on 25.03.2022. The Southern Regional Centre took the advantage of his presence and organized a round table discussion on research theme with the library readers. Dr. Daudi presented his research theme and there was a discussion on his research topic.

(i) Sales of the Publications

During the reported period, the Council's publication worth Rs. 5,223/= [Rupees five thousand two hundred and twenty-three only] has been sold by the Centre. The amount has been deposited in the office bank account.

(ii) Yoga Day Celebrations

The Southern Regional Centre joined to celebrate the Yoga Day on 21st June, 2022 by organizing demonstration of Yoga practice by the staff members of Southern Regional Centre, Bengaluru. The programme was also aimed to demonstrate the benefits and importance of Yoga practices in daily life.

North-East Regional Centre (NERC), Guwahati

1. Project(s):

a) Ongoing joint project of National Museum Institute of India, New Delhi and ICHR titled, 'Documentation of Cultural Heritage and Setting up of Museum Corners in Peripheral Regions/Villages of India'.

b) Ongoing project titled 'Survey, Collection, Digitisation and Documentation of Archival Sources on North East India'.

2. Lecture(s):

As its regular lecture series programme during this period NERC has organised four lectures as follows:

1. **Lecture-67:** Delivered by Dr. Anamika Gogoi Duarah, Associate Professor of Anthropology, Arya Vidyapeeth College, Assam on 'Prehistory of Southern Foothills Region of Western Assam' on 28 January 2022 through Google Meet.
2. **Lecture-68:** Delivered by Dr. Lincoln Reang , Assistant Professor of History, Tripura University, Agartala on 'Tribal Development in Tripura: Implementation of Tribal Developmental Scheme in Tripura on 16 February 2022 through Google Meet.
3. **Lecture-69:** Delivered by Dr. Vijay Kumar Thangellapali Associate Professor of History, Sikkim University, Sikkim on 'Property Rights Institutions under the British Rule: Retardation or Development? A Case Study of Andhra' delivered on 22 March 2022 through Google Meet.
4. **Lecture-70:** Delivered by Dr. Hmingthanzuali, Assistant Professor Department of History & Ethnography Mizoram University, Aizwal on 'Gender and Memoirs: Locating sources for women's history in Mizoram' delivered on 25 April 2022 through Google Meet.

3. Lecture(s) under Special Lecture Series 'AZADI KA AMRIT MAHOTSAV':

The NERC is celebrating 75th Year of India's Independence under "AZADI KA AMRIT MAHOTSAV". Under the ICHR special Lecture Series programme NERC has organised eight lectures during this periods.

1. **Lecture-12** has been delivered (online) by Dr. Soma Gupta, Department of English, Shillong Jail Road Boys' Higher Secondary School, Meghalaya on 10 January 2022 at 3:00 PM through Google Meet on the topic: 'Contribution of Select Revolutionaries of Bengal towards India's Independence'.
2. **Lecture-13** has been delivered (online) by Dr. Zhokusheyi Rhakho Assistant Professor of History, Phek Government College, Phek, Nagaland on 17 January 2022 at 3:00 PM through Google Meet on the topic: 'Battle of Kohima 1944; An Appraisal'.
3. **Lecture-14** has been delivered (online) by Dr. Gouri Dey, Assistant Professor of History, Salesian College, Darjeeling, West Bengal on 09 February 2022 at 3:00 PM through Google Meet on the topic 'Dukari Bala Devi and Noni Bala Devi: Forgotten Female freedom Fighters from Bengal'.
4. **Lecture-15** has been delivered (online) by

Dr. Gunendra Kumar Sarma, Assistant Professor of History, Kokrajhar Govt. College, Kokrajhar, Assam on 23 February 2022 at 3:00 PM through Google Meet on the topic 'Silpi-Sainik Brajanath Sarma: An Untiring Assamese Hero of the Quit India Movement'.

5. **Lecture-16** has been delivered (online) by Dr. Sudev Chandra Basumatary, Assistant Professor of History, Bodoland University, Kokrajhar, BTR, Assam on 05 April 2022 at 3:00 PM through Google Meet on the topic: 'Jogendra Kumar Basumatary: A Freedom Fighter of Lower Assam'.
6. **Lecture-17** has been delivered (online) by Dr. Tridib Mahanta Associate Professor of History Sibsagar College, Joysagar, Assam on 12 April 2022 at 3:00 PM through Google Meet on the topic: 'Biplobi Bir Shankar Chandra Baruah vis-à-vis India's Freedom Struggle'.
7. **Lecture-18** has been delivered (online) by Dr. Sonaram Kalita, Principal, Sankardeva Mahavidyalaya, Lakhimpur, Assam on 12 May 2022 at 3:00 PM through Google Meet on the topic: 'Unknown Freedom Fighters and Their Contributions Towards Indian Independence: With Special Reference to Lakhimpur District of Assam'.
8. **Lecture-19** has been delivered (online) by Dr. Projit. K. Palit, Professor& Director, Centre for Indological Studies (CIS), Department of History, Assam University, Silchar, Assam on 30 May 2022 at 3:00 PM through Google Meet on the topic: 'Ratanmoni and Reang uprising from1940 to 1945 CE in Tripura: Narrativising ethnic consciousness against the State Power and Local Registers'.

4. Publication of Books:

As approved by the 18th Monitoring/Advisory Committee Meeting of ICHR, NERC, Guwahati held on 21.12.2020, the Centre has undertaken the publication of the translated manuscript in Assamese of Hindi Book titled: MAHAMATA MADANMOHAN MALAVIYA: VYAKTITYA EVAM VICHAR by Dr. Balmukund Pandey. Assamese Title: MAHAMANYA MADAN MOHAN MALAVYA: VYAKTITYA ARU BICHAR Translation by Dr. Juri Sarma. In this connection the Centre has submitted the translated manuscript to M/s Purbayon Publication, Panbazar, Guwahati-1 for final settings and printing of the book.

5. Library cum Documentation Centre:

Maintaining all the preventive measures for COVID-19 NERC library has been opened for readers. During this period 758 readers have visited the library for consultation of books/ documents.Some of them requested for photocopy of books. During this period 8107 pages were photocopied.

6. Automation and Digitisation Activity:

During this period the Centre has downloaded 248 rare books, searching Google. The link and soft copies have been saved in computer as well as in Pen Drive. The Centre has scanned 586 pages of rare book for our library.

7. Book Exhibition:

In connection with the national seminar on 'August Kranti Movement and Its Multi Facets Dimensions in Assam Reflected in the Freedom Struggle of India' a two-day Book Exhibition cum Sale was organised by the NERC on 11th & 12th February, 2022 at the venue of the Seminar at Borbhag College, Borbhag, Nalbari, Assam.

8. Collection of Cash:

During this period the Centre has collected an amount of Rs. 6,123.00 (Rupees Six Thousand One Hundred Twenty Three only) from sale of publications and as photocopy charges of library books.

9. Rajbhasa Implementation:

During this period the NERC has sent 150 bilingual (Hindi & English) letters/ forwarding to Head Office as well as other correspondences.

10. Academic Participation:

In March, 2022 all the staff of NERC has

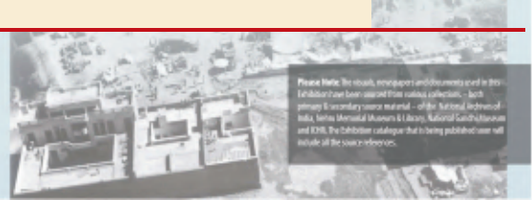

participated in ICHR Golden Jubilee Programme and the inaugural of Exhibition on Freedom Struggle, 1757-1947 organised at New Delhi. The NERC has been participating at all the online programmes organised by the Head Office and other regional Centres.

11. NERC building of ICHR at Gauhati University Campus:

As decides in the 20th Monitoring/Advisory Committee meeting of the ICHR, NERC, Guwahati held on 31.01.2022 and approved by the competent authority NERC has taken action for Construction of NERC building of ICHR at Gauhati University Campus. In this connection Work Order was issued on 08.04.2022 to M/s Parijat & Co. & re-submitted all the necessary papers/ documents before the Executive Engineer, PWD, Jalukbari and Guwahati West Territorial Building Division, Jalukbari, Guwahati-781013 to get approval and sanction from the appropriate authority (DoNER) for tender purposes. Due to some issues, at present the Gauhati University has interrupted the process. Hopefully, it would be resolved soon.

12. International Yoga Day:

The centre observed the International Yoga Day on 21st June. The staff participated in Yogasana followed by online participation of Yoga Day lecture delivered by Professor Veenu Pant, Sikkim University organised at Head Office.

Western Regional Centre (WRC), Pune

With a view to reach out to far-flung areas of the western Part of India, the Council runs Regional Center in Pune which is actively involved in helping scholars to carry out their research by providing library infrastructure and organizing regional and state level seminars, symposia, workshops, exhibitions, etc.

For the benefit of regional scholars, the Center, from time to time, organizes Lecture by inviting scholars and historians of eminence.

Above all, the centre has been rendering yeoman's service to ICHR by publicizing different schemes of the Council by liberally distributing the ICHR Newsletter, other ICHR booklets and catalogues among the history departments of universities and other research organizations based in Western Region of the Country.

The Western Regional Centre, Pune of ICHR is actively taking part in promoting the scientific research in history and related disciplines.The Centre took up several steps and conducted various academic activities, which is mentioned below:

Online Periodical Lecture Series Programme

- As a part of online lecture series, a lecture was held on 15th January 2022 by Dr. Santosh D. Bodake, Department of History, RNC Arts JDB Commerce and NSC Science College, Nashik, Maharashtra, India on 'भारतीय स्वातंत्र्य संग्रामातील नाशिक जिल्ह्याचे योगदान' (In Marathi). The lecture was well received by the scholars.
- The lecture was delivered on 17th January 2022 by Prof. Arun Vagela, Department of History, Gujarat University, Ahmedabad. India, on 'From Violence to Non-Violence: A Tribal Journey of India Freedom Movement (Special Reference to Tribal of Gujarat-1857 to 1947)' (In Hindi). The lecture was well received by the scholars from different parts of India.
- The lecture was held on 31st January 2022 by Dr. Anuradha Mathur, Department of History, Govt. College Ramgarh Alwar, Rajasthan India, on the topic of 'Filling the Gap Among Social Classes: Efforts of Youth in Alwar State (1920-1948)' (In Hindi). The lecture was well received by the scholars.

Meeting:

The Seventh (7th) Advisory/Monitoring Committee of WRC was held on 3rd January, 2022 at 02:30 PM at the premise of ICHR, Western Regional Center, Deccan College Campus, Pune. through Offline-cum-Virtual Mode.

Publication:

During the period under report the ICHR, WRC has published the following monographs as per the direction by the Competent Authority:

- स्वतंत्र्यवीर वि.दा. सावरकर यांचा इतिहास विषयक दृष्टिकोण, लेखक डॉ. अशोक गजानन मोडक, कुलपति, गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, विलासपुर, छत्तीसगढ़।
- हैदराबाद मुक्तिसंग्रामात मराठी वर्तमानपत्रांची भूमिका, लेखक प्रशांत सुधाकर देशमुख, प्राध्यापक, इतिहास विभाग, अप्पासाहेब र.भा. गरुड महाविद्यालय, शेंदूरणी, जिल्हा, जळगाव, महाराष्ट्र।

ICHR, WRC, Pune office received lectures for publication from following scholars:

- Prof. A. R. Bhosale, Former Head, Department of History, Shivaji University, Kolhapur, Maharashtra, India on 'Parallel Government of Satara' (In Marathi).
- Dr. Bhushan G. Phadtare, Head, Department of History, Bharatiya Jain Sanghatana's, Arts, Commerce and Science College, Wagholi, Pune on 'भारतीय स्वातंत्र लढ्यात पुणे जिल्हाचे योगदान' (In Marathi).
- Dr. Santosh D. Bodake, Department of History, RNC Arts JDB Commerce and NSC Science College, Nashik, Maharashtra, India on 'भारतीय स्वातंत्र्य संग्रामातील नाशिक जिल्ह्याचे योगदान' (In Marathi).
- Prof. Arun Vagela, Department of History, Gujarat University, Ahmedabad. India, on 'From Violence to Non-Violence: A Tribal Journey of India Freedom Movement (Special Reference to Tribals of Gujarat-1857 to 1947)' (In Hindi).
- Dr. Anuradha Mathur, Department of History, Govt. College Ramgarh Alwar, Rajasthan India, on 'Filling the Gap Among Social Classes: Efforts of Youth in Alwar State (1920-1948)' (In Hindi).

Special Research Project on Yadava Inscriptions (Meeting):

The first Expert Committee meeting of ICHR's special project 'The Collection of Source Material for the History of the Yadavas' was held on 26th February, 2019 at Indology Department, Tilak Maharashtra Vidyapeeth, Pune. The Chairman, ICHR convened the meeting and Dr. Nitin Kumar, Assistant Director (Research)/ Unit In-charge – Special Project coordinated the meeting. Dr. Arunchandra Pathak, Senior Consultant (Research) and Mr. Nilesh Jadhav, Honorary Coordinator, WRC also attended the meeting. The Project was initiated from February 2022. The following are engaged in various capacities on the above project of ICHR:

- Dr. Ambrish Khare, Project Director
- Dr. Neelima Madhav Thatte, Research Assistant
- Mr. Ashvin Chitale, Research Assistant

Let's Get Connected with ICHR!!

: www.ichr.ac.in

: @ICHRMOE_1972

: Indiancouncilof Historicalresearch

: Indian Council of Historical भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्

: ichr1972

: @ICHR_1972

: @indiancouncilofhistoricalr2318

Officers List

S.N.	Designation	Name of Officer	Contact no. & Email
1.	Chairman	Prof. Raghuvendra Tanwar	011-23386033, 011-23383421 (f) chairman@ichr.ac.in
2.	Member Secretary	Prof. Kumar Ratnam (till 28.05.2022)	011-23387877, 011-23387829 ms@ichr.ac.in
3.	Director (Research & Administration)	Dr. Om Jee Upadhyay	011-23384346 director.ra@ichr.ac.in
4.	Director (Journal, Publication & Library; Controlling Officer, NERC, Guwahati; Rajbhasha Adhikari; Drawing & Disbursing Officer	Dr. Rajesh Kumar	011-23388747 director.jpl@ichr.ac.in
5.	Regional Director/Dy. Director (Research), SRC, Bengaluru	Dr. S.K Aruni	080-2286733, 22208752 ichr.src2016@gmail.com
6.	Deputy Director (Publication)	Dr. Md. Naushad Ali	011-23383677 dd.pub@ichr.ac.in
7.	Deputy Director (Journal)/ Sah-Rajbhasha Adhikari & IT Incharge	Dr. Saurabh Kumar Mishra	011-23382580 dd.journal@ichr.ac.in
8.	Assistant Director (Research)	Dr. Noopur Singh	011-23384662 adr.ftgcep@ichr.ac.in
9.	Assistant Director (Research)	Dr. Nitin Kumar	011-23073287 adr.rp@ichr.ac.in
10.	Assistant Director (Research) Controlling Officer WRC, Pune	Dr. Vinod Kumar	011-23385606 adr.stg@ichr.ac.in
11.	Assistant Director (Research)	Dr. Pravin Kumar Sharma	011-23383677 adr.seminar@ichr.ac.in
12.	Assistant Director (Library)	Mrs. Malvika Gulati	011-23004595 ad.lib@ichr.ac.in
13.	Assistant Director (Admn.)	Shri Dharmender Singh	011-23388857, 011-23382321 dd.admin@ichr.ac.in
14.	Section Officer (Admn. I)	Shri Sachin Kumar Jha	011-23382321 so.admin1@ichr.ac.in
15.	Section Officer (Admn. II)	Shri Mahesh Dutt Joshi	011-23385606 so.admin2@ichr.ac.in
16.	Section Officer (Accounts)	Shri Rizwan Alam	011-23386973 so.actt@ichr.ac.in

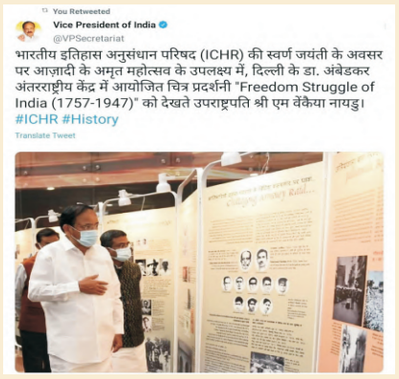

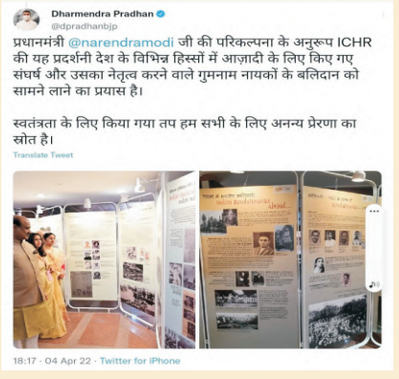

Indian Council of Historical Research

35, Ferozeshah Road, New Delhi-110001
Phone : 011-23387877, 23386033 Fax : 011-23383421, 23387829
Email: chairman@ichr.ac.in, ms@ichr.ac.in : Website : www.ichr.ac.in